उत्तर पुस्तिका

STELLAR LEARNING

हिंदी ‘ब’

10

On Board! BOOKS

An imprint of Ratna Sagar P. Ltd.

अनुक्रमणिका

खंड–क
अपठित बोध

1. अपठित गद्यांश — 7 – 15

खंड–ख
व्यावहारिक व्याकरण

1. पदबंध — 18 – 21
2. रचना के आधार पर वाक्य रूपांतर — 22 – 26
3. समास — 27 – 32
4. मुहावरे–अर्थ एवं वाक्य प्रयोग (पाठ्यपुस्तक के आधार पर) — 33 – 37

खंड–ग
पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक

स्पर्श (काव्य खंड)

1. साखी — 40 – 44
2. पद — 45 – 48
3. मनुष्यता — 49 – 53
4. पर्वत प्रदेश में पावस — 54 – 57
5. तोप — 58 – 61
6. कर चले हम फ़िदा — 62 – 66
7. आत्मत्राण — 67 – 70

स्पर्श (गद्य खंड)

8. बड़े भाई साहब — 72 – 77
9. डायरी का एक पन्ना — 78 – 81
10. तताँरा-वामीरो कथा — 82 – 86
11. तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र — 87 – 90
12. अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले — 91 – 95
13. पतझर में टूटी पत्तियाँ : (i) गिन्नी का सोना (ii) झेन की देन — 96 – 100
14. कारतूस — 101 – 105

संचयन

1. हरिहर काका — 108 – 109
2. सपनों के-से दिन — 110 – 111
3. टोपी शुक्ला — 112 – 113

खंड–घ
लेखन

छात्र स्वयं करें।

- **खंड ‘क’** अपठित बोध
- **खंड ‘ख’** व्यावहारिक व्याकरण
- **खंड ‘ग’** पाठ्यपुस्तक स्पर्श व पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन
- **खंड ‘घ’** लेखन

खंड 'क'

अपठित बोध

- अपठित गद्यांश

अपठित गद्यांश

1

– हल रहित अपठित गद्यांश –

निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

गद्यांश 11

यह धारणा भारतीय जनमानस में बहुत गहरे पैठी हुई है कि हम कलियुग में जी रहे हैं। कोई गलत काम हुआ, तो लोग कहते हैं कि कलियुग है इसलिए यह तो होगा ही। हम भूल जाते हैं कि चारों युगों का जो वास्तविक अर्थ है वह सामाजिक या ऐतिहासिक न होकर आध्यात्मिक है। इन युगों का विभाजन कब, कैसे हुआ, इसका कोई उल्लेख नहीं है, न कोई यह प्रश्न पूछता है। बचपन से इस विचार की घुट्टी इस कदर पिलाई गई है कि यह हमारी जीवन-शैली का हिस्सा बन गई है। कहीं कोई समय-सीमा की तख्ती नहीं लगी थी कि त्रेता युग की समय-सीमा समाप्त हो गई, अब कलियुग शुरू हुआ। युग के लिए कोई निश्चित काल तय नहीं। दरअसल यह एक प्रतीक है, जिसका गहरा अर्थ साधारण बुद्धि रखने वाले आम जन को संभवतः समझाया नहीं गया।

इस युग संकल्पना को समझाने का प्रयास *ऐतरेय ब्राह्मण* का यह श्लोक करता है—

कलिः शयानो भवति, संजिहानस्तु द्वापरः।
उत्तिष्ठं त्रेता भवति तं संपद्यते चरन॥

इसका अर्थ है—जो सो रहा है, वह कलि है; जो जागकर उठ बैठता है, वह द्वापर है; जो उठकर खड़ा होता है वह त्रेता है और जो चल पड़ता है वह सत है। इसलिए सदा चलते रहना—चरैवेति, चरैवेति। ये मन की चार प्रवृत्तियाँ हैं, जो हमेशा थीं और रहेंगी। इन चार प्रवृत्तियों के लोग ही अपनी मनोदशा के अनुसार एक ही समय में अलग-अलग युग में जीते हैं। जो सो रहा है, यानी आध्यात्मिक तल पर मूर्च्छित है, आलसी है, तमस से भरा है, वह पहले भी कलियुग में जी रहा था और आज भी कलियुग में ही है। जिसने नींद झाड़ दी और चल पड़ा, वह पहले भी सतयुग में था और आज भी है। इन्हीं से दुनिया आगे बढ़ती है।

1. उपर्युक्त गद्यांश की उचित विषयवस्तु चुनिए।
(क) भारतीय जनमानस की रूढ़िवादी सोच
(ख) भारतीय युगों का सामाजिक – ऐतिहासिक महत्त्व
(ग) चारों युगों का आध्यात्मिक महत्त्व
(घ) *ऐतरेय ब्राह्मण* की संकल्पना

उत्तर— **सही विकल्प (ग) है।**

2. निम्नलिखित कथन (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यानपूर्वक पढ़िए। दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।**
कथन (A) : भारतीय काल गणना में कुल तीन युगों का वर्णन है।
कारण (R) : जो उठकर खड़ा होता है, वह त्रेता है।
(क) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।
(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

उत्तर— **सही विकल्प (घ) है।**

3. गद्यांश के अनुसार हम क्या मानकर चलते हैं?
(क) हम कलियुग के कारण सब गलत कार्य कर रहे हैं।
(ख) सारा संसार कलियुग के कारण पथभ्रष्ट है।
(ग) कलियुग सारी समस्याओं की जड़ है।
(घ) हम कलियुग में जी रहे हैं।

उत्तर— **सही विकल्प (घ) है।**

4. दरअसल चारों युगों का वास्तविक अर्थ क्या है?

उत्तर— चारों युगों का वास्तविक अर्थ है कि वह सामाजिक या ऐतिहासिक न होकर आध्यात्मिक है।

5. इस युग संकल्पना को समझाने का प्रयास *ऐतरेय ब्राह्मण* के जिस श्लोक द्वारा किया गया है उसका क्या अर्थ है?

उत्तर— इस युग संकल्पना को समझाने का प्रयास करने के लिए *ऐतरेय ब्राह्मण* के जिस श्लोक का उल्लेख किया गया है, उसका अर्थ है— जो सो रहा है, वह कलियुग है, जो जागकर

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

उठ बैठता है, वह द्वापर है, जो उठकर खड़ा होता हैं, वह त्रेता है और जो चल पड़ता है, वही सतयुग है।

गद्यांश 12

गरमियों के दिन 'छुट्टी और यात्रा' पर जाने के दिन होते हैं। 'छुट्टी पर जाने' का यह अनुराग काफ़ी आधुनिक है, क्योंकि लोग 'कर्मोन्मत्त' बन गए हैं और वे जो कुछ भी करते हैं या नहीं करते हैं, वह उनके लिए तनाव पैदा करता है। पहले 'छुट्टी' शब्द मूल रूप से धार्मिक दिनों के लिए इस्तेमाल होता था; आजकल इसका मतलब सामान्य दिनों के विपरीत आराम या विश्राम का कोई विशेष दिन है। लेकिन असली सवाल है कि छुट्टी पर जाने से पहले क्या आपका मन और शरीर नई जगह का आनंद लेने की स्थिति में है? यात्रा की सारी तैयारी बाहरी होती है, लोग विश्राम की भाषा पूरी तरह भूल चुके हैं।

जब आप कुछ नहीं करते, तो यह मत सोचना कि समय बर्बाद हो रहा है। कुछ न करने के दौरान आपकी ऊर्जा खुद को स्वस्थ करती है। सतत काम करते रहने का जुनून ही आपको छुट्टी का आंनद नहीं लेने देता। आप जहाँ हैं, वहाँ मौजूद रहना सीखें, इसका अर्थ है– अभी और यहीं होना। बाहरी दुनिया के बिना जीवित रहना सीखें। इसका स्पष्ट मतलब है, अपने साथ रहना शुरू करें, खुद को जानना सीखें। छुट्टी का मतलब यह कदापि नहीं कि आप सिर्फ़ कामकाज से दूरी बनाएँ, बल्कि अपने मन, उसके दबावों और उलझनों से भी दूरी बनाइए। **(CBSE 2024)**

1. **उपर्युक्त गद्यांश की उचित विषयवस्तु चुनिए।**
   (क) छुट्टी
   (ख) गर्मियों की छुट्टियाँ
   (ग) छुट्टी के प्रति अनुराग
   (घ) छुट्टी और हम

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

2. **'जहाँ हैं, वहीं मौजूद रहना चाहिए' का अभिप्राय है–**
   (i) एक ही स्थान पर जमे रहना।
   (ii) जहाँ हैं, वहीं रह जाना।
   (iii) शारीरिक उपस्थिति के साथ-साथ मानसिक रूप से उपस्थिति।
   (iv) जिस उद्देश्य हेतु गए हैं, उसमें रम जाना।

विकल्प–

(क) (i) और (ii) (ख) (iii) और (iv)
(ग) (i) और (iii) (घ) (i) और (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

3. **निम्नलिखित कथन और निष्कर्ष को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए।**

   कथन : छुट्टी का अर्थ सामान्य दिनों के विपरीत आराम या विश्राम का कोई विशेष दिन है।

   निष्कर्ष : छुट्टी करके समय बर्बाद किया जा रहा है।
   (क) कथन सही है लेकिन निष्कर्ष गलत है।
   (ख) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।
   (ग) कथन गलत है और निष्कर्ष सही है।
   (घ) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

4. **गरमियों में लोग छुट्टियों पर जाना क्यों पसंद करते हैं?**

उत्तर– लोग अपने काम की थकान मिटाने और अपने बच्चों के साथ समय गुजारने के लिए गरमी की छुट्टियों पर जाना पसंद करते हैं।

5. **पहले के समय में छुट्टियों का इस्तेमाल मूल रूप से किसके लिए होता था?**

उत्तर– पहले के समय में छुट्टियों का इस्तेमाल मूल रूप से धार्मिक दिनों के लिए होता था।

गद्यांश 13

नारी समाज का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है। प्राचीनकाल में नारी को अत्यंत सम्मानजनक स्थान प्राप्त था। कहा गया है कि जहाँ नारी की पूजा की जाती है, वहाँ देवता निवास करते हैं-'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः'। मध्यकाल में नारी का महत्त्व कुछ कम हो गया था। तब नारी आर्थिक दृष्टि से स्वतंत्र नहीं थी। वह पराधीन थी। अतः उसके अधिकारों में कटौती होती चली गई। समाज में पुरुष को उपार्जन का उत्तरदायित्व मिल जाने से पुरुष को एक प्रकार का पूँजीपतित्व ही प्राप्त हो गया। उसने नारी को कठिन बंधनों में बाँधकर रखने का हर संभव प्रयास किया।

आधुनिक युग में जहाँ नारी को आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त हुई है वहीं उसके लिए नई समस्याएँ भी उभर आई हैं। नौकरी करना नारी की विवशता बन गई है। यह उसकी जीविका का साधन है। उसे नौकरी इसलिए करनी पड़ती है ताकि वह अपने घर-परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधार सके। नौकरी से उसकी दूसरों पर आर्थिक निर्भरता समाप्त होती है। पहले यही आर्थिक परतंत्रता उसे शारीरिक एवं मानसिक यंत्रणा झेलने को विवश करती थी। नारी इसी चंगुल से मुक्ति की कामनावश नौकरी की राह पर चल पड़ी है।

नारी की आर्थिक स्वतंत्रता उसे आत्मविश्वास प्रदान करती है। वह अधिक प्रभावशाली ढंग से अपने मार्ग में आने वाली समस्याओं का सामना करने में सफल हो पाती है। इससे उसमें साहस का गुण स्वतः आ जाता है। आधुनिक काल में नारी सामाजिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। वह घर की सीमा को लाँघकर स्कूल, कॉलेज, कार्यालय आदि में अपनी कार्यक्षमता के अनुसार स्थान प्राप्त

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

करती है। चाहे राजनीति हो अथवा पुलिस-सेना आदि कोई अन्य क्षेत्र हो, नारी का सर्वत्र प्रवेश हो चुका है।

1. **उपर्युक्त गद्यांश की उचित विषयवस्तु चुनिए।**
   (क) नारी और समाज का उत्थान
   (ख) नारी और उसका सम्मान
   (ग) नारी और उसका समाज में महत्त्व
   (घ) नारी और उसकी आर्थिक स्वतंत्रता

उत्तर– सही विकल्प (घ) है।

2. **निम्नलिखित कथन और निष्कर्ष को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए।**
   कथन : आधुनिक युग में नारी को आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त हुई है।
   निष्कर्ष : आर्थिक स्वतंत्रता नारियों को आत्मविश्वास प्रदान करती है।
   (क) कथन सही है लेकिन निष्कर्ष गलत है।
   (ख) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।
   (ग) कथन गलत है और निष्कर्ष सही है।
   (घ) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

3. **मध्यकाल में नारी का महत्त्व कुछ कम हो गया था क्योंकि**
   (क) वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र थीं।
   (ख) वे सामाजिक रूप से स्वतंत्र थीं।
   (ग) वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र नहीं थी।
   (घ) वे किसी भी प्रकार के बंधन से मुक्त थीं।

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

4. **आधुनिक समय में नारी के लिए कौन-सी नई समस्याएँ उभरकर आई हैं?**

उत्तर– आधुनिक समय में नौकरी करना नारी की विवशता बन गई है। उसे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए नौकरी करना आवश्यक हो गया है।

5. **आधुनिक काल में नारी की आर्थिक स्वतंत्रता उसे क्या प्रदान करती है?**

उत्तर– आधुनिक काल में नारी की आर्थिक स्वतंत्रता उसे आत्मविश्वास प्रदान करती है। जिससे वे अपने मार्ग में आने वाली समस्याओं का सामना अधिक प्रभावशाली ढ़ंग से कर पाती हैं।

गद्यांश 14

कभी-कभी ऐसा भी होता कि जब मैं किसी जलसे में पहुँचता तो मेरा स्वागत ''पंडित नेहरू की जय'' के साथ-साथ ''भारत माता की जय'' के साथ किया जाता। मैं लोगों से अचानक पूछ बैठता कि इस नारे से उनका क्या मतलब है? यह भारत माता कौन है, जिसकी वे जय चाहते हैं। मेरे सवाल से उन्हें कौतूहल और ताज़्जुब होता और कुछ जवाब न बन पड़ने पर वे एक-दूसरे की तरफ़ या मेरी तरफ़ देखने लग जाते। मैं सवाल करता ही रहता। आखिर एक हट्टे-कट्टे किसान, जो अनगिनत पीढ़ियों से किसानी करता आया था, ने जवाब दिया कि भारत माता से उनका मतलब धरती से है। कौन-सी धरती? खास उनके गाँव की धरती या ज़िले की या सूबे की या सारे हिंदुस्तान की धरती से उनका मतलब है? इस तरह सवाल-जवाब चलते रहते, यहाँ तक कि वे ऊबकर मुझसे कहने लगते कि मैं ही बताऊँ। मैं इसकी कोशिश करता और बताता कि हिंदुस्तान वह सब कुछ है, जिसे उन्होंने समझ रखा है, लेकिन वह इससे भी बहुत ज़्यादा है। हिंदुस्तान के नदी और पहाड़, जंगल और खेत, जो हमें अन्न देते हैं, ये सभी हमें अज़ीज़ हैं। लेकिन आखिरकार जिनकी गिनती है, वे हैं हिंदुस्तान के लोग, उनके और मेरे जैसे लोग, जो इस सारे देश में फैले हैं। भारत माता दरअसल यही करोड़ों लोग हैं, और ''भारत माता की जय'' से मतलब हुआ इन लोगों की जय का। मैं उनसे कहता कि तुम भारत माता के अंश हो, एक तरह से तुम्हीं भारत माता हो और जैसे-जैसे ये विचार उनके मन में बैठते, उनकी आँखों में चमक आ जाती, इस तरह, मानो कोई बड़ी खोज कर ली हो।

1. **उपर्युक्त गद्यांश की उचित विषयवस्तु चुनिए।**
   (क) नेहरू और भारत देश
   (ख) नेहरू और भारत माता
   (ग) भारत माता का स्वरूप
   (घ) भारत के प्रधानमंत्री नेहरू

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

2. **निम्नलिखित कथन और निष्कर्ष को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए।**
   कथन : 'भारत माता की जय' नारे का उद्घोष लोग नेहरू जी के स्वागत वाले जलसे में लगाते हैं।
   निष्कर्ष : भारत माता की जय वास्तव में देश के करोड़ों लोगों की जय है।
   (क) कथन सही है लेकिन निष्कर्ष गलत है।
   (ख) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(ग) कथन गलत है और निष्कर्ष सही है।

(घ) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

3. **'मानो कोई बड़ी खोज कर ली हो' द्वारा लेखक कहना चाहता है–**

(क) लोग भारत माता के स्वरूप का असली अर्थ जान जाते हैं।

(ख) लोग भारत माता के विषय में जान जाते हैं।

(ग) लोग भारत माता की कहानी जान जाते हैं।

(घ) लोग भारत माता के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी जान जाते हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

4. **जब नेहरू जी किसी जलसे में पहुँचते थे तो उनका स्वागत किन नारों से किया जाता था?**

उत्तर– जब नेहरू जी किसी जलसे में पहुँचते थे तो उनका स्वागत 'पंडित नेहरू की जय' के साथ-साथ 'भारत माता की जय' के साथ किया जाता था।

5. **नेहरू जी ने उन्हें 'भारत माता' के बारे में क्या बताया?**

उत्तर– नेहरू जी ने उनलोगों को यह बताया कि असल में भारत माता वही करोड़ों हिंदुस्तानी लोग हैं और 'भारत माता की जय' का मतलब उन करोड़ों हिंदुस्तानियों की जय है।

गद्यांश 15

हमारे जीवन के विविध पक्षों पर इंटरनेट व दूरदर्शन का काफ़ी गहरा प्रभाव पड़ रहा है। आज के जीवन में टीवी पर शिक्षा, विज्ञान, पाकशास्त्र एवं कृषि के साथ-साथ, पर्यटन, नए आविष्कार, विज्ञान की नई खोज जैसे अनगिनत कार्यक्रम दिखाए जाते हैं जो हमारे मनोरंजन के साथ-साथ हमारी जिज्ञासा को भी शांत करते हैं।

इसी प्रकार इंटरनेट आज हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। बच्चे का विद्यालय में दाखिला करवाना हो, या छुट्टियों में पर्यटन का कार्यक्रम हो तो यात्रा के टिकट, होटल बुकिंग से लेकर टैक्सी तक सब कुछ घर बैठे इंटरनेट से हो जाता है। बेटे-बेटी के विद्यालय की फ़ीस भरनी हो या बुज़ुर्ग माता-पिता को महीने भर का घर खर्च भेजना हो, इंटरनेट हमारे लिए अलादीन का चिराग बन गया है। बटन दबाइए और जिन्न हाज़िर।

आज हम इंटरनेट पर अधिक से अधिक निर्भर होते जा रहे हैं परंतु उस जिन्न के समान इस जिन्न से भी जुड़ी कुछ समस्याओं को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए। बटन दबाते ही हाज़िर हो जाने वाली जानकारियाँ सही पात्र के हाथ में पहुँच रही हैं या नहीं, इस पर नज़र रखना अत्यावश्यक है। इंटरनेट हमें अन्य नकारात्मक जानकारियाँ अनायास ही उपलब्ध कराता है। ठीक उसी प्रकार पाइथागोरस के प्रमेय को सरल भाषा में समझाने वाला टीवी चैनल, नित नए म्यूज़िक वीडियो से आकर्षित कर घंटों का समय भी बरबाद कर सकता है। इन दोनों से व्यक्ति में सामाजिकता नहीं बल्कि संकीर्णता का विकास हुआ है। विलास और भौतिकता के मद में भ्रांत लोग बेतहाशा धनोपार्जन की अंधी दौड़ में शामिल हो गए हैं और इस दौड़ में शामिल लोग अपने बच्चों को केवल टीवी चैनल और इंटरनेट का उपहार देकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं। आज हमारी नई पीढ़ी को सबसे पहले यह समझना होगा कि नई तकनीक के साथ कितना समय बिताना चाहिए; क्योंकि ''अति सर्वत्र वर्जयेत।''

1. **उपर्युक्त गद्यांश की उचित विषयवस्तु होगी?**

(क) इंटरनेट और आधुनिक युग

(ख) इंटरनेट के लाभ व हानियाँ

(ग) इंटरनेट के द्वारा प्राप्त विकास का भयानक सत्य

(घ) उपर्युक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. **निम्नलिखित कथन और निष्कर्ष को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए।**

कथन : इंटरनेट आज जीवन का अभिन्न अंग बन गया है।

निष्कर्ष : इंटरनेट हमारे लिए अलादीन का चिराग है, बटनदवाओं, फरमाइश पूरी।

(क) कथन सही है लेकिन निष्कर्ष गलत है।

(ख) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।

(ग) कथन गलत है और निष्कर्ष सही है।

(घ) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

3. **इंटरनेट को अलादीन का चिराग क्यों माना गया है?**

(क) उसकी सीमित क्षेत्र तक पहुँच के कारण

(ख) उसमें आने वाले कम खर्चे के कारण

(ग) उसकी घर बैठे कहीं भी पहुँच के कारण

(घ) उसकी लागत में आने वाले कम खर्चे के कारण

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. **इंटरनेट आज हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। कैसे?**

उत्तर– इंटरनेट आज हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। बच्चे का स्कूल में दाखिला या छुट्टियों पर घूमने जाने का टिकट, होटल बुकिंग, टैक्सी तक की व्यवस्था इंटरनेट के माध्यम से घर बैठे-बैठे ही हो जाता है। बच्चों के स्कूल की फीस हो या दूर बैठे माता-पिता को पैसे भेजना हो, सभी इंटरनेट से हो जाते हैं। यहाँ तक इंटरनेट की मदद से आप घर बैठे फ़ोन बिल, बिजली बिल आदि जमा करवा सकते हैं। यानी एक अलादीन का चिराग। बटन दबाकर चिराग द्वारा अपने सभी काम घर बैठे-बैठे ही हो जाता है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

5. आपकी नज़रों में इंटरनेट पर निर्भरता के क्या फ़ायदे एवं क्या नुकसान हैं? दो फ़ायदे और दो नुकसान लिखिए।

उत्तर— (क) फ़ायदे— (i) इंटरनेट का प्रयोग करके हम स्कूल में फ़ीस देते समय जो लंबी लाइन लगती है, या टिकट के लिए जो लंबी लाइन में लगनी पड़ती थी, उससे बच जाते हैं। साथ ही हम अपने समय को बचाकर किसी अन्य उपयोगी कार्यों में भी लगा सकते हैं।

(ii) कोरोना काल में बच्चों की पढ़ाई के लिए जिस प्रकार इंटरनेट का सहयोग प्राप्त हुआ वह काबिले तारीफ़ है। अगर उस समय इंटरनेट नहीं होता तो बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो सकता था।

(ख) नुकसान— (i) कहा गया है, अति सर्वत्र वर्जयेत। यानी किसी भी वस्तु का अत्यधिक प्रयोग हमें हानि पहुँचाता है। ठीक उसी प्रकार इंटरनेट का अधिक प्रयोग हमें आलसी बना देता है। सभी काम फ़ोन पर पूरा होने के कारण लोग बाहर जाना नहीं चाहते, जिससे सामाजिकता का अभाव हो रहा है।

(ii) बच्चों में भी शारीरिक शिथिलता आ रही है क्योंकि बच्चे दिन-भर पढ़ाई के बहाने फ़ोन पर लगे रहते हैं। साथ ही देर तक मोबइल स्क्रीन देखते रहने के कारण उनकी आँखें कमज़ोर हो रही हैं।

गद्यांश 16

मनुष्य अपने भविष्य के बारे में चिंतित है। सभ्यता की अग्र-गति के साथ ही चिंताजनक अवस्था उत्पन्न होती जा रही है। इस व्यावसायिक युग में उत्पादन की होड़ लगी हुई है। कुछ देश विकसित कहे जाते हैं तो कुछ विकासोन्मुख। विकसित देश वे हैं जहाँ आधुनिक तकनीक का पूर्ण उपयोग हो रहा है। ऐसे देश नाना प्रकार की सामग्री का उत्पादन करते हैं और उस सामग्री की खपत के लिए बाज़ार ढूँढ़ते हैं। अत्यधिक उत्पादन-क्षमता के कारण ही ये देश विकसित हैं और अमीर हैं।

गरीब देश या विकासोन्मुख देश उनके समान ही उत्पादन करने की आकांक्षा रखते हैं और इसलिए उन सभी आधुनिक तरीकों की जानकारी प्राप्त करते हैं। उत्पादन-क्षमता बढ़ाने का स्वप्न देखते हैं। इसका परिणाम यह हुआ है कि सारे संसार में उन वायुमंडल-प्रदूषण यंत्रों की भीड़ बढ़ने लगी है जो विकास के लिए परम आवश्यक माने जाते हैं। इन विकास-वाहक उपकरणों ने अनेक प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न कर दी हैं। वायुमंडल विषाक्त गैसों से ऐसा भरता जा रहा है कि सारा पर्यावरण दूषित हो उठा है, जिससे वनस्पतियों तक के अस्तित्व पर खतरा मँडराने लगा है। अपने बढ़ते उत्पादन को खपाने के लिए हर शक्तिशाली देश अपना प्रभाव क्षेत्र बढ़ा रहा है और आपसी प्रतिद्वंद्विता इतनी बढ़ गई है कि सभी ने हथियारों का विशाल भंडार बना रखा है।

विज्ञान और तकनीक के विकास से अणु बमों की अनेक संहारकारी किस्में ईज़ाद हुई हैं। एक ओर जहाँ मनुष्य की बुद्धि ने धरती को मानव-शून्य बनाने के लिए भयंकर शस्त्र तैयार कर दिए हैं तो वहीं दूसरी ओर मनुष्य इस भावी मानव-विनाश की आशंका से सिहर भी उठा है। शायद मनुष्य पहला प्राणी है जिसमें थोड़ा-बहुत भविष्य देखने की शक्ति है। अन्य जीवों में यह शक्ति थी ही नहीं। यह विशेष रूप से ध्यान देने की बात है कि सिर्फ़ मनुष्य ही है जो भविष्य के प्रति चिंतित है।

1. उपर्युक्त गद्यांश की विषयवस्तु होगी?

(क) विकास की होड़ और विध्वंसकारी उपकरणों का जन्म

(ख) व्यावसायिक युग में उत्पादन की होड़

(ग) उत्पादन और खपत

(घ) उत्पादन क्षमता और विकासशील देश

उत्तर— सही विकल्प (क) है।

2. मानव-विनाश के लिए कौन-से कारक विध्वंसकारी हैं?

(क) प्रदूषण का बढ़ता प्रकोप

(ख) द्वेष व ईर्ष्या के भाव

(ग) अणु बमों की संहारकारी किस्में

(घ) उपरोक्त सभी किस्में

उत्तर— सही विकल्प (ग) है।

3. निम्नलिखित कथन और निष्कर्ष को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए।

कथन : अत्यधिक उत्पादन-क्षमता के कारण देश विकसित तथा अमीर बन रहे हैं।

निष्कर्ष : आपसी प्रतिद्वंद्विता इतनी बढ़ गई है कि सभी ने हथियारों का विशाल भंडार बना रखा है।

(क) कथन सही है लेकिन निष्कर्ष गलत है।

(ख) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।

(ग) कथन गलत है और निष्कर्ष सही है।

(घ) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।

उत्तर— सही विकल्प (ख) है।

4. विकासोन्मुख देशों के द्वारा आधुनिक तरीकों द्वारा उत्पादन क्षमता बढ़ाने के क्या परिणाम हुए हैं?

उत्तर— विकासोन्मुख देशों के द्वारा आधुनिक तरीकों द्वारा उत्पादन क्षमता बढ़ाने का परिणाम है कि सारे संसार में उन वायुमंडल प्रदूषण यंत्रों की भीड़ बढ़ने लगी है, जो विकास के लिए आवश्यक माने जाते हैं। इन यंत्रों के प्रयोग से वायुमंडल

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

विषाक्त गैसों से भर रहा है, जिससे वनस्पतियों के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है।

5. **पर्यावरण दूषित होने के क्या कारण हैं? इससे किनके अस्तित्व को खतरा उत्पन्न हो गया है?**

उत्तर— पर्यावरण दूषित होने के कारण न सिर्फ पर्यावरण में विचरने वाले जीव-जंतुओं अपितु प्रकृति की हरेक वस्तुओं के अस्तित्व को भी खतरा उत्पन्न हो गया है।

गद्यांश 17

साहस की ज़िंदगी सबसे बड़ी ज़िंदगी होती है। ऐसी ज़िंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिलकुल निडर, बिलकुल बेखौफ़ होती है। साहसी मनुष्य की पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना, यह साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न ही अपनी चाल को, पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं। साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है जिन सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है। साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी किताब पढ़ता है। झुंड में चलना और झुंड में चरना, यह भैंस और भेड़ का काम है। सिंह तो बिलकुल अकेला होने पर भी मगन रहता है। अर्नाल्ड बेनेट ने एक जगह लिखा है कि जो आदमी यह महसूस करता है कि किसी महान निश्चय के समय वह साहस से काम नहीं ले सका, ज़िंदगी की चुनौती को कबूल नहीं कर सका, वह सुखी नहीं रह सकता। बड़े मौके पर साहस नहीं दिखाने वाला आदमी बराबर अपनी आत्मा के भीतर एक आवाज़ सुनता रहता है। एक ऐसी आवाज़ जिसे वही सुन सकता है और जिसे वह रोक भी नहीं सकता। यह आवाज़ उसे बराबर कहती रहती है, ''तुम साहस नहीं दिखा सके, तुम कायर की तरह भाग खड़े हुए।''

1. **आपके अनुसार प्रस्तुत गद्यांश की विषयवस्तु होगी?**
   (क) साहस
   (ख) साहसी मनुष्य
   (ग) अर्नाल्ड बेनेट की सोच
   (घ) मनुष्य का जीवन और साहस

उत्तर— **सही विकल्प (ख) है।**

2. **साहसी मनुष्य की क्या पहचान होती है?**
   (क) वे निडरता और बेखौफ़ वाला जीवन व्यतीत करते हैं।
   (ख) वे जनमत की उपेक्षा करके जीते हैं और अपना कार्य करते हैं।
   (ग) वे अपने उद्देश्य की तुलना किसी अन्य से किए बिना आगे बढ़ते हैं।
   (घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर— **सही विकल्प (घ) है।**

3. **निम्नलिखित कथन और निष्कर्ष को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए।**

   कथन : साहस की ज़िंदगी सबसे बड़ी ज़िंदगी होती है।

   निष्कर्ष : जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है।

   (क) कथन सही है लेकिन निष्कर्ष गलत है।
   (ख) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।
   (ग) कथन गलत है और निष्कर्ष सही है।
   (घ) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।

उत्तर— **सही विकल्प (ख) है।**

4. **साहस भरी ज़िंदगी की सबसे बड़ी पहचान क्या है?**

उत्तर— साहस भरी ज़िंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिलकुल निडर और बेखौफ़ होती है।

5. **अर्नाल्ड बेनेट के अनुसार किस प्रकार का आदमी सुखी नहीं रह सकता है?**

उत्तर— अर्नाल्ड बेनेट के अनुसार जो मनुष्य यह महसूस करता है कि किसी महान निश्चय के समय वह साहस से काम नहीं ले सका, अपनी ज़िंदगी की चुनौती को कबूल नहीं कर सका, वह सुखी नहीं रह सकता।

गद्यांश 18

एक बार ग्रीक दार्शनिक एवं विद्वान सुकरात अपने शिष्यों के साथ घूमने निकले। रास्ते में उनके एक शिष्य ने कहा कि यहाँ एक दुकान पर विभिन्न प्रकार की बेहद खूबसूरत वस्तुएँ बिकती हैं। कृपया आप भी उन्हें देख लीजिए। शिष्यों के बहुत ज़ोर देने पर सुकरात उनका मन रखने के लिए दुकान के अंदर गए। वहाँ ढेरों वस्तुएँ सजाकर रखी गई थीं। सुकरात उन वस्तुओं को देखकर बहुत प्रसन्न हुए। कुछ वस्तुएँ तो इतनी अधिक आकर्षक थीं कि सुकरात उन्हें उठा-उठाकर देखने लगे। उन्हें इस तरह प्रसन्न व शांत मन से वस्तुओं को निहारते देख उनका एक शिष्य बोला, ''गुरु जी, आप इन सुंदर वस्तुओं को देख रहे हैं। क्या आपकी इच्छा इन खूबसूरत वस्तुओं को खरीदने की नहीं हो रही?'' सुकरात कुछ कहते इससे पहले ही उनका दूसरा शिष्य बोला, ''हाँ गुरु जी, आप कुछ वस्तुओं को खरीद लीजिए न।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

मेरा मन तो कर रहा है कि मैं सारी की सारी वस्तुएँ खरीद लूँ परंतु मेरे पास इसके लिए पर्याप्त धन नहीं है।''

दूसरे शिष्य की बात पर सुकरात मंद-मंद मुसकराते हुए बोले, ''इसमें कोई दो राय नहीं कि यहाँ मौजूद सभी वस्तुएँ अत्यंत सुंदर हैं, लेकिन मुझे फिलहाल इनमें से किसी भी वस्तु की आवश्यकता नहीं है और अनावश्यक रूप से वस्तुओं का संग्रह करने से क्या लाभ?''

सुकरात की इस बात पर पहला शिष्य बोला, ''गुरु जी, मगर खूबसूरत वस्तुओं को खरीदने में क्या हर्ज़ है?''

शिष्य की बात पर सुकरात बोले, ''पुत्र, दवा की दुकान पर दवाएँ विभिन्न रंगों की बेहद आकर्षक शीशियों व पैकेटों में बिकती हैं। किंतु कोई भी व्यक्ति सिर्फ़ दवाओं को इसलिए नहीं खरीदता कि वे खूबसूरत हैं, बल्कि तब खरीदता है, जब उसे वाकई उनकी ज़रूरत महसूस होती है। यही बात इन खूबसूरत वस्तुओं पर भी लागू होती है। बेशक ये खूबसूरत हैं, किंतु जब इनका उपयोग ही नहीं होगा तो इनका संग्रह व्यर्थ है। अनावश्यक संग्रह से जीवन सुखी नहीं होता।''

1. दिए गए गद्यांश की उचित विषयवस्तु चुनिए।

(क) सुकरात का दर्शन

(ख) सुकरात की जीवन शैली

(ग) गुरु और शिष्यों का संबंध

(घ) अनावश्यक संग्रह को रोकना

उत्तर– सही विकल्प (घ) है।

2. प्रस्तुत गद्यांश से क्या शिक्षा मिलती है?

(क) वस्तुओं का संग्रहण बहुत आवश्यक है।

(ख) अनावश्यक वस्तुओं के संग्रहण से बचना चाहिए।

(ग) वस्तुओं का संग्रहण एक अच्छी सोच हो सकती है।

(घ) सुंदर वस्तुओं का संग्रहण एक अच्छी गतिविधि है।

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

3. निम्नलिखित कथन और निष्कर्ष को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए।

कथन : आकर्षक शीशियों व पैकेटों में बंद दवाई खरीदने से सुख नहीं मिलता।

निष्कर्ष : सुंदर वस्तुओं का संग्रह मानसिक सुख प्रदान करता है।

(क) कथन सही है लेकिन निष्कर्ष गलत है।

(ख) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।

(ग) कथन गलत है और निष्कर्ष सही है।

(घ) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।

उत्तर– सही विकल्प (घ) है।

4. आकर्षक वस्तुओं को देख सुकरात क्या करने लगे?

उत्तर– आकर्षक वस्तुओं को देख सुकरात ने कहा कि इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि ये सभी वस्तुएँ आकर्षक हैं, पर अभी उन्हें उसकी आवश्यकता नहीं है, इसलिए वह उन वस्तुओं को नहीं खरीदेगें।

5. शिष्य के ज़ोर देने पर सुकरात ने क्या कहा?

उत्तर– शिष्य के ज़ोर देने पर सुकरात ने कहा कि बेशक ये सभी वस्तुएँ खूबसूरत और आकर्षक हैं, किंतु जब उपयोगी नहीं हैं तो उनका संग्रह व्यर्थ है। अनावश्यक संग्रह से जीवन सुखी नहीं रहता।

गद्यांश 19

14 जनवरी 1848 को पुणे के बुधवार पैंठ निवासी भिड़े के बाड़े में पहली कन्या-पाठशाला की स्थापना हुई। पूरे भारत में लड़कियों की शिक्षा की यह पहली पाठशाला थी। भारत के 3000 सालों के इतिहास में इस तरह का काम नहीं हुआ था। शूद्र और शूद्रातिशूद्र लड़कियों के लिए एक के बाद एक पाठशालाएँ खोलने में ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले को लगातार व्यवधानों, अड़चनों, लांछनों और बहिष्कार का सामना करना पड़ा। ज्योतिबा के धर्मभीरु पिता ने पुरोहितों और रिश्तेदारों के दबाव में अपने बेटे और बहू को घर छोड़ने पर मजबूर किया। सावित्री जब पढ़ाने के लिए घर से पाठशाला तक जाती तो रास्ते में खड़े लोग उसे गालियाँ देते, थूकते, पत्थर मारते और गोबर उछालते। दोनों पति-पत्नी सारी बाधाओं से जूझते हुए अपने काम में डटे रहे। 1840–1890 तक के पचास वर्षों में ज्योतिबा और सावित्रीबाई फुले ने हर मुकाम पर कंधे से कंधा मिलाकर काम किया और एक प्राण होकर अपने मिशन को पूरा किया। कहते हैं—एक और एक ग्यारह होते हैं—दोनों ने इस कहावत को प्रमाणित किया।

मिशनरी महिलाओं की तरह किसानों और अछूतों की झुग्गी-झोंपड़ी में जाकर लड़कियों को पाठशाला भेजने का आग्रह करना या बालहत्या प्रतिबंधक गृह में अनाथ बच्चों और विधवाओं के लिए दरवाज़े खोल देना और उनके नवजात बच्चों की देखभाल करना या निम्न जाति के लोगों की एक घूँट पानी पीकर प्यास बुझाने की तकलीफ़ देखकर अपने घर के पानी का हौद सभी जातियों के लिए खोल देना—हर काम पति-पत्नी ने डंके की चोट पर किया और कुरीतियों, अंध-श्रद्धा और पारंपरिक अनीतिपूर्ण रूढ़ियों को ध्वस्त कर दलितों-शोषितों के हक में खड़े हुए। आज के प्रतिस्पर्धात्मक समय में, जब प्रतिष्ठित एवं प्रबुद्ध वर्ग के जाने-माने दंपती साथ रहने के कई बरसों बाद अलग होते ही एक-दूसरे को संपूर्णतः नष्ट-भ्रष्ट करने और एक-दूसरे की जड़ें खोदने पर आमादा हो जाते हैं, महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले का एक-दूसरे के प्रति प्रेम और एक लक्ष्य के प्रति समर्पित जीवन एक आदर्श दांपत्य की मिसाल बनकर चमकता है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

1. **उपर्युक्त गद्यांश की विषयवस्तु होगी?**
   (क) भारतीय सामाजिक व्यवस्था की दुर्दशा
   (ख) भारत में स्त्री शिक्षा का आरंभ
   (ग) ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले का योगदान
   (घ) उपर्युक्त सभी कथन

उत्तर— **सही विकल्प (ग) है।**

2. **फुले दंपती ने जो किया उसमें समाज का हित था। आखिर ऐसा क्या कारण था कि अच्छा कार्य करने के बाद भी उन्हें समाज के एक विशिष्ट वर्ग का विरोध झेलना पड़ा?**
   (क) उस समाज की संकीर्ण मानसिकता के कारण
   (ख) उस समाज की प्राचीन समय से चले आ रहे अपने एकछत्र राज को हिलता देखकर
   (ग) उस समाज में चली आ रही व्यर्थ की कुरीतियों के कारण
   (घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर— **सही विकल्प (घ) है।**

3. **निम्नलिखित कथन और निष्कर्ष को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए।**
   कथन : सावित्रीबाई लगातार व्यवधानों, अड़चनों, लांछनों और बहिष्कार का सामना करते हुए भी लड़कियों के विकास के लिए कार्य करती रहीं।
   निष्कर्ष : उनके पति ज्योतिबा फुले ने कंधे से कंधा मिलाकर उनके साथ काम किया और एक प्राण होकर अपने मिशन को पूरा किया।
   (क) कथन सही है लेकिन निष्कर्ष गलत है।
   (ख) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।
   (ग) कथन गलत है और निष्कर्ष सही है।
   (घ) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।

उत्तर— **सही विकल्प (ख) है।**

4. **अपने मिशन को पूरा करने में फुले दपंती को कितने वर्ष लगे?**

उत्तर— अपने मिशन को पूरा करने में फुले दपंती को पूरे पचास वर्ष लगे।

5. **फुले दपंती ने समाज में परिवर्तन लाने हेतु क्या-क्या काम किए?**

उत्तर— फुले दपंती ने समाज में परिवर्तन लाने हेतु मिशनरी महिलाओं की तरह किसानों और अछूतों की झुग्गी-झोपड़ी में जाकर लड़कियों को पाठशाला भेजने का आग्रह किया। बालहत्या प्रतिबंधक गृह में अनाथ बच्चों और विधवाओं के लिए दरवाज़े खोल दिए और उनके नवजात बच्चों की देखभाल की उचित व्यवस्था की। निम्न जाति के लोगों की प्यास बुझाने की तकलीफ़ देखकर अपने घर के पानी का हौद सभी जातियों के लिए खोल दिए।

गद्यांश 20

अति गरीब किसान ने अपने खेत में कठिन परिश्रम कर जो अन्न पैदा किया, उसका कुछ हिस्सा (भाग) उसके परिश्रम में साथ देने वाले गाय, बैल, भैंस आदि ने खा लिया। कुछ तोता, चिड़िया आदि पक्षी चुग गए तथा कीट-पतंगों ने नष्ट कर दिया। इन सबसे बचा-खुचा जो कुछ उसके पल्ले पड़ा वह उसने साहूकार को कर्ज़ चुकाने हेतु समर्पित कर दिया। साहूकार किसान के धन और अन्न से समृद्ध होते हैं परंतु परिश्रम कर अन्न उगाने वाले किसानों के भंडार खाली पड़े रहते हैं। अन्नदाता अपने ही अन्न और धन से औरों को समृद्ध हुआ देख अपने भाग्य को और भाग्य-विधाता को कोसता है। सोचता है, परिश्रम का यही फल मेरे भाग्य में लिखा है। मैंने और मेरे परिवार ने झुलसती तपती दुपहरी में पसीने-पसीने होकर अन्न उगाया जो हमारे खाने भर को भी न बचा। मेरा अन्न उत्पन्न करना निरर्थक हो गया। शायद मेरा अन्नदाता नाम मन बहलाने के लिए या साहूकारों का पेट भरने के लिए ही है। एक पल बाद उसने सोचा—मैं बीज बोता रहूँगा। श्रम-साधना करता रहूँगा। अन्न उगाता रहूँगा। लोक-कल्याण करता रहूँगा। शायद कभी दिन बदलेंगे कि मैं अन्नदाता होकर समृद्धि का पर्याय बनूँगा। आशा कैसे छोड़ दूँ? आशा ही तो जीवन है। उसी पर दुनिया के व्यवहार और रिश्ते टिके हैं।

1. **आपके अनुसार प्रस्तुत गद्यांश की विषयवस्तु होगी?**
   (क) भारतीय किसान की दुर्दशा
   (ख) भारतीय किसान और भारत सरकार
   (ग) भारतीय किसान का महत्व
   (घ) उपर्युक्त सभी विकल्प

उत्तर— **सही विकल्प (क) है।**

2. **गद्यांश में एक स्थान पर किसान के लिए 'अन्नदाता' शब्द बोलकर लेखक ने व्यंग्य कसा है। इस व्यंग्य के माध्यम से वह क्या दर्शाना चाहता है?**
   (क) किसान की फटेहाल स्थिति को
   (ख) किसान की सम्मानजनक स्थिति को
   (ग) किसान की समाज में बेहतर होती स्थिति को
   (घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर— **सही विकल्प (क) है।**

3. **निम्नलिखित कथन और निष्कर्ष को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए।**
   कथन : अन्नदाता अपने ही अन्न और धन से औरों को समृद्ध हुआ देख अपने भाग्य को और भाग्य-विधाता को कोसता है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

निष्कर्ष : आशा ही तो जीवन है। उसी पर दुनिया के व्यवहार और रिश्ते टिके हैं।

(क) कथन सही है लेकिन निष्कर्ष गलत है।

(ख) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।

(ग) कथन गलत है और निष्कर्ष सही है।

(घ) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।

उत्तर–सही विकल्प (घ) है।

4. **सभी परेशानी को जानते हुए भी किसान फसल बोता है। क्यों?**

उत्तर– सभी परेशानी को जानते हुए भी किसान फसल बोता है क्योंकि उसे हमेशा यही उम्मीद रहती है कि शायद कभी दिन बदलेंगे कि वे अन्नदाता होकर समृद्धि का पर्याय बनेंगे।

5. **किसान द्वारा उपजाए गए अन्न में किस-किस का हिस्सा होता है?**

उत्तर– किसान द्वारा उगाए गए अन्न का कुछ हिस्सा उसके परिश्रम में उसका साथ देने वाले गाय, बैल, भैंस आदि का होता है तो कुछ पक्षियों और कीट-पतंगों का होता है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

खंड 'ख'
व्यावहारिक व्याकरण

- पदबंध
- रचना के आधार पर वाक्य रूपांतर
- समास
- मुहावरे—अर्थ एवं वाक्य प्रयोग (पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

पदबंध

1

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

I. **निर्देशानुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनिए–**

1. **'आज सोहन बहुत जल्दी आ गया है।'– प्रस्तुत वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।**
   (क) सर्वनाम पदबंध
   (ख) क्रियाविशेषण पदबंध
   (ग) संज्ञा पदबंध
   (घ) क्रिया पदबंध

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. **'वह अपना काम मेरी बगल में बैठकर किया करता था।'– प्रस्तुत वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।**
   (क) विशेषण पदबंध
   (ख) सर्वनाम पदबंध
   (ग) क्रिया पदबंध
   (घ) संज्ञा पदबंध

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. **'भारत का हर नागरिक को जिम्मेदार बनना चाहिए।'– प्रस्तुत वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।**
   (क) क्रिया पदबंध
   (ख) विशेषण पदबंध
   (ग) सर्वनाम पदबंध
   (घ) संज्ञा पदबंध

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

4. **'नीले रंग की सितारों वाली कुर्ती में सुंदर लग रही हो।'– प्रस्तुत वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।**
   (क) क्रियाविशेषण पदबंध
   (ख) विशेषण पदबंध
   (ग) सर्वनाम पदबंध
   (घ) संज्ञा पदबंध

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. **'हमेशा नखरे दिखाने वाले तुम आज कैसे बात कर रहे हो?'– वाक्य को देखिए और नीचे दिए गए विकल्पों के आधार पर बताइए कि कौन-सा विकल्प सर्वनाम पदबंध कहलाएगा?**
   (क) हमेशा नखरे दिखाने वाले
   (ख) हमेशा नखरे दिखाने वाले तुम
   (ग) हमेशा नखरे दिखाने वाले तुम आज
   (घ) कैसे बात कर रहे हो

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

6. **'पिछले वर्ष की अपेक्षा अब अधिक सर्दी है।'– प्रस्तुत वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।**
   (क) क्रियाविशेषण पदबंध
   (ख) संज्ञा पदबंध
   (ग) सर्वनाम पदबंध
   (घ) क्रिया पदबंध

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

7. **'वह जापान की राजधानी टोक्यो में रहता है।– प्रस्तुत वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।**
   (क) सर्वनाम पदबंध
   (ख) क्रिया पदबंध
   (ग) संज्ञा पदबंध
   (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

8. **'बिल्ली की तरह मिमियाने वाले तुम बहुत दहाड़ रहे हो।'– प्रस्तुत वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।**
   (क) सर्वनाम पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
   (ग) क्रिया पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

9. **'विनम्रता से बात करने वाली सीमा कहाँ गई?'– प्रस्तुत वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।**
   (क) क्रिया पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
   (ग) विशेषण पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

10. **'कनक <u>बात-बात पर</u> हँसने लगती है।'– प्रस्तुत वाक्य में रेखांकित पदबंध का नाम बताइए।**
(क) विशेषण पदबंध
(ख) संज्ञा पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध
(घ) क्रियाविशेषण पदबंध

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

11. **'<u>अयोध्या के राजा राम</u> मेरे आराध्य हैं।'– प्रस्तुत वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।**
(क) विशेषण पदबंध
(ख) क्रियाविशेषण पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध
(घ) संज्ञा पदबंध

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

12. **'रमेश <u>बहुत ही सजीव</u> चित्र बनाता है।'– प्रस्तुत वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।**
(क) विशेषण पदबंध
(ख) संज्ञा पदबंध
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध
(घ) सर्वनाम पदबंध

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

13. **'दीदी हमेशा मुझे चाय <u>बनाकर देती थीं</u>।'– प्रस्तुत वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।**
(क) सर्वनाम पदबंध
(ख) संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध
(घ) क्रियाविशेषण पदबंध

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

14. **'<u>हर दिन की भाँति</u> वह आज भी स्कूल चली गई।'– प्रस्तुत वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।**
(क) सर्वनाम पदबंध
(ख) क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध
(घ) क्रियाविशेषण पदबंध

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

15. **'<u>पड़ोस में रहने वाली दीदी</u> आगरा चली गई।'– प्रस्तुत वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।**
(क) विशेषण पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

16. **कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए–**

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. माँ घर <u>आ चुकी होगी</u>।	(i) सर्वनाम पदबंध
II. <u>मेरा खोया हुआ रूमाल</u> सोफ़े के नीचे मिल गया।	(ii) संज्ञा पदबंध
III. <u>आपके दोस्तों में से कौन</u> रक्तदान करेगा?	(iii) विशेषण पदबंध
IV. <u>कल अमृतसर से आए हुए</u> गायक ने धमाल मचा दिया।	(iv) क्रियाविशेषण पदबंध

विकल्प
(क) I. (i), II. (ii), III. (iii), IV. (iv)
(ख) I. (ii), II. (i), III. (iii), IV. (iv)
(ग) I. (iii), II. (ii), III. (i), IV. (iv)
(घ) I. (iv), II. (iii), III. (i), IV. (ii)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

17. **'बाढ़ का पानी लगातार बढ़ता जा रहा है।'– वाक्य को देखिए और नीचे दिए गए विकल्पों के आधार पर बताइए कि कौन-सा विकल्प क्रिया पदबंध कहलाएगा?**
(क) बाढ़ का पानी
(ख) लगातार बढ़ता
(ग) बढ़ता जा रहा है
(घ) बाढ़ का पानी लगातार

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

18. **'पिताजी को देखकर हमारी चिंता <u>जाती रही</u>।'– प्रस्तुत वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।**
(क) सर्वनाम पदबंध
(ख) विशेषण पदबंध
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध
(घ) क्रिया पदबंध

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

19. **'<u>कबीरदास द्वारा रचित दोहे</u> आज भी नीति-पूर्ण शिक्षा देते हैं।'– प्रस्तुत वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।**
(क) क्रिया पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

20. **'रोज़ा यहाँ से चली गई।'– वाक्य को देखिए और नीचे दिए गए विकल्पों के आधार पर बताइए कि कौन-सा विकल्प क्रिया पदबंध कहलाएगा?**
(क) रोज़ा यहाँ (ख) से चली गई
(ग) चली गई (घ) यहाँ से चली गई

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

21. **क्रियाविशेषण पदबंध का उदाहरण छाँटिए–**
   (क) बिना सोचे कोई भी काम नहीं करना चाहिए।
   (ख) बिना सोचे कोई भी काम नहीं करना चाहिए।
   (ग) बिना सोचे कोई भी काम नहीं करना चाहिए।
   (घ) बिना सोचे कोई भी काम नहीं करना चाहिए।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

22. **सर्वनाम पदबंध का उदाहरण छाँटिए–**
   (क) माँ को देखकर वह दहाड़ मारकर रोने लगा।
   (ख) माँ को देखकर वह दहाड़ मारकर रोने लगा।
   (ग) माँ को देखकर वह दहाड़ मारकर रोने लगा।
   (घ) माँ को देखकर वह दहाड़ मारकर रोने लगा।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

II. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदबंध के भेद का नाम बताइए–

1. रमा ने हैदराबाद में बहुत ही ज़ायकेदार और लज़ीज़ बिरयानी खाई।

   ....

2. भौतिक जीवन से निराश मीरा ने घर परिवार छोड़ दिया। **(CBSE 2023)**

   ....

3. अंग्रेज़ों की आँखों में धूल झोंकने वाला वह आजमगढ़ की तरफ भागा। **(CBSE 2022)**

   ....

4. जेल से भागे हुए कैदी को पुलिस ने कल पकड़ लिया।

   ....

5. तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। **(CBSE 2024)**

   ....

उत्तर

1. संज्ञा पदबंध
2. संज्ञा पदबंध
3. सर्वनाम पदबंध
4. विशेषण पदबंध
5. विशेषण पदबंध

III. निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठक में दिए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए–

1. सदा मेरे लिए मलाई बचाकर रखता। (क्रिया पदबंध पहचानिए)
2. अधिक-से-अधिक दस-पंद्रह दिन में ठीक हो जाएगी। (विशेषण पदबंध पहचानिए)
3. बढ़ई और खेती का काम करने वाले रतन बाहर आकर खड़े हैं। (संज्ञा पदबंध पहचानिए)
4. खाँसते-खाँसते सब बेदम हो गए। (क्रियाविशेषण पदबंध पहचानिए)
5. तीन सौ साठ फीट लंबा पहाड़ अभी काटा जाना है। (विशेषण पदबंध पहचानिए)
6. लंदन से आए हुए बच्चों में से कुछ बहुत शरारती थे। (सर्वनाम पदबंध पहचानिए)
7. पहली बोलती फ़िल्म आलम आरा थी। (संज्ञा पदबंध पहचानिए।)
8. माता जी की सहेलियों में से कोई एक सहेली बीमार है। (सर्वनाम पदबंध पहचानिए)
9. मैं बहुत देर तक चुप रहा। (क्रियाविशेषण पदबंध पहचानिए)
10. नंदन माँ की साड़ी पर चाय गिराकर चला गया। (क्रिया पदबंध पहचानिए)

उत्तर

1. सदा मेरे लिए मलाई बचाकर रखता।
2. दस-पंद्रह दिन।
3. बढ़ई और खेती का काम करने वाले रतन
4. खाँसते-खाँसते सब
5. तीन सौ साठ फीट लंबा पहाड़
6. लंदन से आए हुए बच्चों में से कुछ
8. माता जी की सहेलियों में से कोई
9. बहुत देर तक
10. गिराकर चला गया

IV. अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. 'मैंने देर रात तक तुम्हारी प्रतीक्षा की।' इस वाक्य में कौन-सा पदबंध क्रियाविशेषण है?
2. 'अरविंद अब तक लंदन पहुँच चुका होगा।' इस वाक्य में कौन-सा पदबंध है? पदबंध के भेद भी बताइए।
3. वाक्य में पदबंध क्या होता है?
4. पदबंध में सभी पदों का आपस में क्या संबंध होता है?
5. 'वज़ीर अली की जांबाजी और साहसिक कारनामों से सभी परिचित थे।'– वाक्य में से विशेषण पदबंध चुनकर लिखिए।
6. किसी वाक्य में संज्ञा पदबंध की पहचान कैसी की जा जाती है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
7. सबकी सहायता करने वाले आप आज उदास क्यों हैं– वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए करें।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

8. मैं खेलते-कूदते कक्षा पास कर लेता हूँ— वाक्य में पदबंध का भेद बताते हुए कारण भी स्पष्ट कीजिए।

9. क्रिया पदबंध का एक उदाहरण देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

उत्तर

1. इस वाक्य में देर रात तक क्रियाविशेषण पदबंध है।
2. पहुँच चुका होगा। यह क्रिया पदबंध है।
3. वाक्य में प्रयुक्त पदों का ऐसा समूह जो व्याकरण की एक इकाई के रूप में कार्य करता है, पदबंध कहलाता है।
4. पदबंध में सभी पदों का आपस में एक व्याकरणिक और अर्थगत संबंध होता है।
5. जांबाजी और साहसिक कारनामों
6. किसी वाक्य में जब एक से अधिक पदों का समूह एक इकाई के रूप में कार्य करता है। पूरे पदबंध में संज्ञा प्रधान पद होता है। बाकी शब्द उसी संज्ञा की विशेषता बताते हैं।

   उदाहरण-

   आसमान में उड़ती चिड़िया पेड़ पर आकर बैठ गई। इस वाक्य में आसमान में उड़ती चिड़िया पदबंध संज्ञा पदबंध है क्योंकि चिड़िया के बारे में कहा जा रहा है कि आसमान में उड़ने वाली चिड़िया।
7. रेखांकित पदबंध सर्वनाम पदबंध है।
8. खेलते-कूदते—यह क्रियाविशेषण पदबंध है। यहाँ 'खेलते-कूदते' शब्द यह बता रहा है कि 'कक्षा पास करने' की क्रिया कैसे हो रही है। यह पद क्रिया की विशेषता बता रहा है।
9. बढ़ता जा रहा है। हमारे धरती पर प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। क्रिया पदबंध

V. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. विशेषण पदबंध किसे कहते हैं?
2. 'जो लड़का कल आया था वह हैदराबाद में पढ़ता है।' इस पंक्ति में वाक्यांश क्या है? पदबंध का प्रकार भी बताइए।
3. 'लकड़ी से बनी अलमारी बहुत सुंदर है।' इस पंक्ति में वाक्य का कौन-सा समूह पदबंध है? पदबंध का भेद भी बताइए।
4. क्रिया और क्रियाविशेषण पदबंध की परिभाषा देते हुए यह बताइए कि इनका प्रयोग कितना महत्त्वपूर्ण है? उदाहरण सहित बताइए।

उत्तर

1. एक से अधिक पदों का वह समूह जो वाक्य में एक इकाई के रूप में विशेषता का कार्य करता है, उसे विशेषण पद कहते हैं। जैसे— अत्यंत समझदार व होशियार।
2. जो लड़का कल आया था। यह एक संज्ञा पदबंध है क्योंकि यहाँ लड़का संज्ञा है और बाकी पद उससे संबंधित है।
3. लकड़ी से बनी अलमारी। यह एक संज्ञा पदबंध है।
4. एक से अधिक पदों का वह समूह जो वाक्य में एक इकाई के रूप में क्रिया का कार्य करता है, उसे क्रिया पदबंध कहते हैं।

   एक से अधिक पदों का वह समूह जो वाक्य में एक इकाई के रूप में क्रियाविशेषण का कार्य करता है, उसे क्रियाविशेषण पदबंध कहते हैं।

   क्रिया और क्रियाविशेषण पदबंध वाक्य निर्माण के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। क्रिया पदबंध से वाक्य में कार्य की सही अभिव्यक्ति होती है, जबकि क्रियाविशेषण पदबंध से क्रिया का सही और प्रभावी वर्णन संभव होता है।

   क्रिया पदबंध में—

   किसान खेत जोत रहा है।

   मुख्य क्रिया 'जोत' सहायक क्रिया 'रहा है।' इनसे वाक्य प्रभावी बनता है।

   क्रियाविशेषण पदबंध में—

   छात्र पूरी मेहनत से परीक्षा की तैयारी कर रहा है।

   क्रियाविशेषण पदबंध के प्रयोग से वाक्य में विशिष्टता आ गई है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

रचना के आधार पर वाक्य रूपांतर

2

– अभ्यास हेतु प्रश्न –

I. निर्देशानुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनिए–

1. निम्नलिखित में से उपयुक्त सरल वाक्य छाँटिए–

(क) प्रातःकाल हुआ और पक्षी चहचहाने लगे।

(ख) आलसी व्यक्ति कभी सफल नहीं होते।

(ग) जब सीमा आई, तब मैं उठ गई।

(घ) विकल्प (क) और (ग) दोनों

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. निम्नलिखित में से मिश्र वाक्य छाँटिए–

(क) प्रातःकाल होने पर पक्षी चहचहाने लगे।

(ख) सीमा आई और मै उठ गई।

(ग) जो व्यक्ति आलसी होते हैं, वे कभी सफल नहीं होते।

(घ) विकल्प (क) और (ख) दोनों

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. निम्नलिखित में से संयुक्त वाक्य छाँटिए–

(क) मैंने खाना खाया और सो गया।

(ख) चूँकि वह ताकतवर है, इसलिए किसी से नहीं डरता।

(ग) लता हिंदी पढ़ने के लिए शर्मा जी के पास गई।

(घ) विकल्प (ख) और (ग) दोनों

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

4. 'परिश्रमी विद्यार्थी ही जीवन में सफल होते हैं।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है–

(क) मिश्र वाक्य

(ख) सरल वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. 'जैसे ही सूर्य उदित हुआ वैसे ही चिड़ियाँ चहचहाने लगीं।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है–

(क) मिश्र वाक्य

(ख) सरल वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

6. 'सावन का महीना आता है और वर्षा होती है।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है–

(क) सरल वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

7. कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए–

कॉलम 1	कॉलम 2
I. मैं खाना खाकर सो गया।	(i) मिश्र वाक्य
II. कक्षा में अध्यापिका आई और सभी छात्र शांत हो गए।	(ii) सरल वाक्य
III. जब सावन का महीना आता है तब वर्षा होती है।	(iii) संयुक्त वाक्य

विकल्प

(क) I. (i), II. (iii), III. (ii)

(ख) I. (ii), II. (iii), III. (i)

(ग) I. (iii), II. (i), III. (ii)

(घ) I. (ii), II. (i), III. (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

8. कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए–

कॉलम 1	कॉलम 2
I. ताकतवर होने के कारण वह किसी से नहीं डरता।	(i) संयुक्त वाक्य
II. सूर्य उदित हुआ और चिड़ियाँ चहचहाने लगी।	(ii) मिश्र वाक्य
III. जो विद्यार्थी परिश्रमी होते हैं वे ही जीवन में सफल होते हैं।	(iii) सरल वाक्य

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

विकल्प

(क) I. (i), II. (iii), III. (ii)

(ख) I. (ii), II. (i), III. (iii)

(ग) I. (ii), II. (iii), III. (i)

(घ) I. (iii), II. (i), III. (ii)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

9. निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य है–

(क) सावन का महीना आता है और वर्षा होती है।

(ख) जैसे ही अध्यापिका कक्षा में आई वैसे ही सभी छात्र शांत हो गए।

(ग) लता हिंदी पढ़ने के लिए शर्मा जी के पास गई।

(घ) इनमें से (क) और (ख) दोनों।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

10. निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्र वाक्य है–

(क) जो व्यक्ति आलसी होते हैं, वे कभी सफल नहीं होते।

(ख) सूर्य उदित होते ही चिड़िया चहचहाने लगी।

(ग) प्रातःकाल हुआ और पक्षी चहचहाने लगे।

(घ) इनमें से (ख) और (ग) दोनों।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

11. निम्नलिखित में से संयुक्त वाक्य हैं–

(क) सावन का महीना आता है तब वर्षा होती है।

(ख) विद्यार्थी परिश्रम करते हैं और सफल होते हैं।

(ग) जब सीमा आई तब मैं उठ गई।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

12. 'बीमारी के कारण मैं कई दिनों से महाविद्यालय नहीं जा सका।'–इस वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलिए–

(क) मैं महाविद्यालय नहीं जा सका, बीमारी के कारण।

(ख) बीमारी के कारण मैं कई दिनों तक महाविद्यालय नहीं जा सका।

(ग) मैं बीमार हो गया था इसलिए महाविद्यालय नहीं जा सकता।

(घ) बीमारी के कारण मैं महाविद्यालय नहीं जा सका।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

13. 'आपकी तरह कोई और नहीं लिखता।'–वाक्य को मिश्र वाक्य में बदलिए–

(क) आपके लिखने का अंदाज़ बहुत अच्छा है।

(ख) आप बहुत अच्छा लिखते हैं।

(ग) आपकी तरह कोई और लिख ही नहीं सकता।

(घ) जैसा आप लिखते हैं वैसा कोई और नहीं।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

14. 'जब से यहाँ बारिश हुई है तब से पानी बढ़ गया।'–वाक्य का संबंध किससे है?

(क) संयुक्त वाक्य

(ख) सरल वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) (क) और (ख) से

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

15. 'जो कलम तुम्हारे पास है, वह मेरी है।'–यह कौन-सा वाक्य है?

(क) मिश्र वाक्य

(ख) सरल वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) विस्मयादिबोधक वाक्य

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

16. 'मैंने उसे उठाया और खाना खिलाया।'–यह कौन-सा वाक्य है?

(क) सरल वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) आज्ञावाचक वाक्य

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

17. 'जो मेहनत करते हैं वे छात्र हमेशा सफल होते हैं।' यह कौन-सा वाक्य है?

(क) संयुक्त वाक्य

(ख) संकेतवाचक वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) सरल वाक्य

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

18. 'वह नहीं चाहता कि तुम्हारे साथ पढ़े।'–यह कौन-सा वाक्य-भेद है?

(क) सरल वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) समूहवाचक वाक्य

(घ) संयुक्त वाक्य

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

19. 'राधा सेब और केला खाती है।'–यह कौन-सा वाक्य-भेद है?

(क) संयुक्त वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) सरल वाक्य

(घ) समूहवाचक

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

20. **'जैसे ही चोरी हुई पुलिस आ गई।'–वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलिए।**
(क) जैसे ही पुलिस आई चोर भाग गए।
(ख) पुलिस आई और चोर भाग गए।
(ग) पुलिस के आते ही चोर भाग गए।
(घ) पुलिस आते ही चोरों को भागना पड़ा।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

21. **'श्यामलाल के लिए चुनी गई लड़की उसे कभी पसंद नहीं आई।' रचना के आधार पर इस वाक्य का भेद होगा–**
(क) सरल वाक्य
(ख) संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य
(घ) विस्मयवाचक वाक्य

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

22. **'राजवर्धन ने जीतोड़ मेहनत कर परीक्षा पास की और उसे रेलवे में नौकरी मिल गई।' रचना के आधार पर इस वाक्य का भेद होगा–**
(क) सरल वाक्य
(ख) संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य
(घ) संदेहवाचक वाक्य

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

II. निर्देशानुसार बदलिए।

1. किसान के बैल खूँटे से खुल गए और खेत चरने लगे। (सरल वाक्य में बदलिए)
2. विद्‌यार्थी पढ़कर घर चला गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)
3. मैंने एक कमज़ोर लड़की को बहुत से कपड़े धोते देखा। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर– 1. किसान के बैल खूँटे से खुलकर खेत में चरने लगे।
2. विद्‌यार्थी पढ़ा और घर चला गया।
3. मैंने उस कमज़ोर लड़की को देखा जो बहुत से कपड़े धो रही थी।

III. निर्देशानुसार बदलिए।

1. गुरु जी ने कल की छुट्‌टी बताई है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)
2. डॉक्टर के दवा देते ही मरीज ठीक हो गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)
3. मैंने एक भिखारी देखा जो अंधा था। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर– 1. गुरु जी ने कहा कि कल छुट्‌टी है।
2. डॉक्टर ने दवा दी और मरीज ठीक हो गया।
3. मैंने एक अंधा भिखारी देखा।

IV. निर्देशानुसार बदलिए।

1. ततााँरा को देखकर वह फूट-फूटकर रोने लगी। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)
2. गिलास तोड़ने वाला बालक खड़ा हो जाए। (मिश्र वाक्य में बदलिए)
3. जब वर्षा रुकी तब वह आ गया। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर– 1. उसने ततााँरा को देखा और वह फूट-फूटकर रोने लगी।
2. जिसने गिलास तोड़ा वह बालक खड़ा हो जाए।
3. वर्षा रुकते ही वह आ गया।

V. निर्देशानुसार बदलिए।

1. खरगोश पेड़ के नीचे सो गया क्योंकि उसे बहुत घमंड था। (रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखिए)
2. कछुआ धीरे-धीरे चलता रहा और मंज़िल पर खरगोश से पहले पहुँच गया। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर– 1. मिश्र वाक्य
2. कछुआ धीरे-धीरे चलते हुए खरगोश से पहले मंज़िल पर पहुँच गया।

VI. निम्नलिखित वाक्यों को जोड़कर एक सरल एवं एक संयुक्त वाक्य बनाइए।

1. प्रधानाचार्य प्रार्थना सभा में आए।
2. उन्होंने सदाचार पर भाषण दिया।

उत्तर– 1. सरल वाक्य—प्रधानाचार्य ने प्रार्थना सभा में आकर सदाचार पर भाषण दिया।
2. संयुक्त वाक्य—प्रधानाचार्य प्रार्थना सभा में आए और उन्होंने सदाचार पर भाषण दिया।

VII. निर्देशानुसार बदलिए।

1. कृपया सभी यहाँ आकर सुनें। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)
2. आगे बढ़कर पुरस्कार प्राप्त कीजिए। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)
3. घर जाकर गृहकार्य पूरा करो। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)
4. वह परिश्रमी था और सफल हुआ। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर– 1. कृपया सभी यहाँ आएँ और सुनें।
2. आगे बढ़िए और पुरस्कार प्राप्त कीजिए।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

3. घर जाओ और गृहकार्य पूरा करो।
4. जो परिश्रमी था वह सफल हुआ।

VIII. नीचे लिखे वाक्यों का रचना के आधार पर भेद बताइए।

1. बच्चा साइकिल से गिरकर रोने लगा।
2. वह गया और सुरेश को बुला लाया।
3. गांधी जी ने कहा कि सत्य का पालन करो।
4. कोयल मुँडेर पर बैठी और कूकने लगी।

उत्तर– 1. सरल वाक्य
2. संयुक्त वाक्य
3. मिश्र वाक्य
4. संयुक्त वाक्य

IX. नीचे लिखे वाक्यों का निर्देशानुसार रूपांतरण कीजिए।

1. जैसे ही घंटी बजी, बच्चे घर चले गए। (संयुक्त वाक्य)
2. जो धैर्यवान होते हैं वे सदैव सुखी रहते हैं। (सरल वाक्य)
3. जब मैं घर पहुँचा तब धूप निकल रही थी। (संयुक्त वाक्य)
4. राजीव थैला लेकर बाज़ार चला गया। (मिश्र वाक्य)
5. वह जैसे ही बगीचे में पहुँचा वैसे ही हवा चलने लगी। (सरल वाक्य)
6. नीतू ने रीना से घर चलने के लिए कहा। (मिश्र वाक्य)

उत्तर– 1. घंटी बजी और बच्चे घर चले गए।
2. धैर्यवान सदैव सुखी रहते हैं।
3. मैं घर पहुँचा और धूप निकल गई।
4. जैसे ही राजीव ने थैला लिया वैसे ही बाज़ार चला गया।
5. उसके बगीचे में पहुँचते ही हवा चलने लगी।
6. नीतू ने रीना से कहा कि तुम घर चलो।

X. अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. 'दादा को तार देने के सिवा तुम्हें और कुछ न सूझेगा'– वाक्य का भेद लिखिए।
2. 'भीड़ की अधिकता के कारण पुलिस जूलुस को रोक नहीं सकी'– संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए।
3. उदाहरण द्वारा सरल एवं मिश्र वाक्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।
4. संयुक्त वाक्य में समुच्चयबोधक अव्यय की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
5. 'गायन इतना प्रभावी था कि वह अपनी सुध-बुध खोने लगा'– वाक्य का भेद बताते हुए कारण स्पष्ट कीजिए।
6. 'प्रातः काल हुआ और पक्षी चहचहाने लगे।' यह रचना की दृष्टि से कौन-सा वाक्य है और इसकी क्या पहचान है?
7. 'जैसे ही अध्यापिका कक्षा में आई वैसे ही सभी छात्र शांत हो गए। यह कौन-सा वाक्य है?
8. जो आलसी व्यक्ति होते हैं, वे कभी सफल नहीं होते। इस वाक्य में कौन-सा वाक्य प्रधान उपवाक्य है और कौन-सा आश्रित उपवाक्य?
9. मेरे पास 'कामायनी' है। इसे जयशंकर प्रसाद ने लिखा है। ये दो वाक्य हैं। इसे मिश्र वाक्य में परिवर्तित कीजिए।

उत्तर– 1. सरल वाक्य
2. भीड़ की अधिकता थी, इसलिए पुलिस जूलुस को रोक नहीं सकी।
3. परिश्रम करने वाला व्यक्ति सफल होता है– सरल वाक्य
जो परिश्रम करता है, वही व्यक्ति सफल होता है– मिश्र वाक्य।
इन दोनों वाक्यों में सरल वाक्य में सिर्फ एक ही क्रिया है जिसका संबंध कर्ता से है। मिश्र वाक्य में पहला उपवाक्य स्वतंत्र है दूसरा आश्रित।
4. समुच्चयबोधक अव्यय की संयुक्त वाक्य में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। संयुक्त वाक्य बनाने के लिए जब दो या दो से अधिक वाक्यों को जोड़कर संयुक्त बनाया जाता है तो समुच्चयबोधक या योजक एक पुल का काम करती है।
5. यह मिश्र वाक्य है क्योंकि पहला उपवाक्य स्वतंत्र है दूसरा आश्रित उपवाक्य है। उनके मध्य 'कि' लगा है।
6. यह संयुक्त वाक्य है। इसकी सबसे बड़ी पहचान इसमें लगा योजक है जो दोनों वाक्यों को जोड़ने का काम करता है।
7. यह वाक्य एक संयुक्त वाक्य है।
8. इस वाक्य में 'जो आलसी व्यक्ति होते हैं' यह प्रधान उपवाक्य है। 'वे कभी सफल नहीं होते'– यह आश्रित उपवाक्य है।
9. मेरे पास 'कामायनी' है, जिसे जयशंकर प्रसाद ने लिखा है।

XI. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. मिश्र वाक्य को सरल वाक्य में परिवर्तित करने के लिए क्या करना चाहिए? उदाहरण सहित बताइए।
2. संयुक्त वाक्य को सरल वाक्य में परिवर्तित करने के लिए क्या करना चाहिए? उदाहरण सहित लिखिए।
3. मिश्र वाक्य से संयुक्त वाक्य बनाने के लिए क्या करते हैं? उदाहरण देकर लिखिए।
4. 'पिता जी के आते ही दोनों बच्चे उनसे लिपट गए।' यह एक सरल वाक्य है। इसे संयुक्त और मिश्र वाक्य में परिवर्तित करके लिखिए।

उत्तर– 1. मिश्र वाक्य को सरल वाक्य में परिवर्तित करने के लिए पहले मिश्र वाक्य को दो सरल वाक्यों में बदलना होता

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

है। इसके बाद दोनों वाक्यों को प्रधान वाक्य में परिवर्तित करते हुए आश्रित उपवाक्य को पदबंध में बदलकर एक सरल वाक्य में परिवर्तित किया जाता है।

2. संयुक्त वाक्य को सरल वाक्य में परिवर्तित करने के लिए सबसे पहले दो सरल वाक्यों के बीच लगे योजक को हटाना होगा। उसके बाद वाक्य में अर्थ को बिना परिवर्तित किए दोनों सरल वाक्यों को जोड़कर एक सरल वाक्य में परिवर्तित किया जाना चाहिए।

   उदाहरण–

   संयुक्त वाक्य– सूर्यास्त हुआ और अंधकार छा गया।
   सरल वाक्य– सूर्यास्त होते ही अंधकार छा गया।

3. संयुक्त वाक्य में दो स्वतंत्र वाक्य एक योजक या समुच्चयबोधक अव्यय से जुड़े रहते हैं। इसमें एक घटना पहले घटित होती है और दूसरी उसके बाद घटित होती है। अतः मिश्र वाक्य बनाते समय पहले घटित होने वाली क्रिया को आश्रित उपवाक्य और बाद में घटित होने वाली क्रिया को प्रधान उपवाक्य के रूप में रखकर अपेक्षित योजक से जोड़ देते हैं।

   उदाहरण–

   संयुक्त वाक्य– मैं एक व्यापारी से मिला और वह हीरे का व्यापार करता है।

   मिश्र वाक्य– मैं एक व्यापारी से मिला, जो हीरे का व्यापार करता है।

4. सरल वाक्य– पिता जी के आते ही दोनों बच्चे उनसे लिपट गए।

   संयुक्त वाक्य– पिता जी आए और दोनों बच्चे उनसे लिपट गए।

   मिश्र वाक्य– जैसे ही पिता जी आए, वैसे ही दोनों बच्चे उनसे लिपट गए।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

समास

3

– अभ्यास हेतु प्रश्न –

I. निर्देशानुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनिए–

1. 'समास' शब्द का अर्थ है–

(क) विच्छेद

(ख) संक्षेप

(ग) विग्रह

(घ) विस्तार

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. 'गजानन' में कौन-सा समास है?

(क) कर्मधारय समास

(ख) बहुव्रीहि समास

(ग) तत्पुरुष समास

(घ) द्वंद्व समास

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

3. 'देवासुर' में कौन-सा समास है?

(क) द्वंद्व समास

(ख) कर्मधारय समास

(ग) बहुव्रीहि समास

(घ) तत्पुरुष समास

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

4. 'वनगमन' में कौन-सा समास है?

(क) द्विगु समास

(ख) बहुव्रीहि समास

(ग) तत्पुरुष समास

(घ) कर्मधारय समास

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. इनमें से कौन बहुव्रीहि समास का उदाहरण है?

(क) निशिदिन

(ख) त्रिभुज

(ग) नीलकंठ

(घ) मार्गकण

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

6. चौराहा में कौन-सा समास है?

(क) द्विगु

(ख) तत्पुरुष

(ग) द्वंद्व

(घ) बहुव्रीहि

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

7. इनमें से कौन द्वंद्व समास का उदाहरण है?

(क) नेत्रहीन

(ख) चौराहा

(ग) रुपया-पैसा

(घ) पीतांबर

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

8. 'चतुर्भुज' शब्द/समस्तपद कौन-से समास का उदाहरण है?

(क) बहुव्रीहि समास

(ख) द्विगु समास

(ग) द्वंद्व समास

(घ) तत्पुरुष समास

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

9. 'गंगाजल' शब्द/समस्तपद कौन-से समास का उदाहरण है?

(क) अव्ययीभाव समास

(ख) तत्पुरुष समास

(ग) द्विगु समास

(घ) बहुव्रीहि समास

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

10. **'आमरण' शब्द/समस्तपद कौन-से समास का उदाहरण है?**
   (क) अव्ययीभाव समास
   (ख) तत्पुरुष समास
   (ग) कर्मधारय समास
   (घ) द्विगु समास

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

11. **'नीलगगन' शब्द/समस्तपद में कौन-सा समास है?**
   (क) तत्पुरुष समास
   (ख) द्विगु समास
   (ग) कर्मधारय समास
   (घ) बहुव्रीहि समास

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

12. **'चक्रधर' शब्द/समस्तपद का विग्रह होगा–**
   (क) चक्र जो धारण किया।
   (ख) चक्र को धारण करने वाला—श्रीकृष्ण
   (ग) धारण जिसने चक्र को किया
   (घ) चक्र रखने वाली

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

13. **'पंचतत्त्व' शब्द में कौन-सा समास है?**
   (क) अव्ययीभाव समास
   (ख) द्विगु समास
   (ग) कर्मधारय समास
   (घ) द्वंद्व समास

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

14. **'वीणापाणि' शब्द के लिए सही समास-विग्रह और समास का चयन कीजिए–**
   (क) वीणा है पाणि (हाथ) में जिसके—सरस्वती—बहुव्रीहि समास
   (ख) वीणा है हाथ जिसके—तत्पुरुष समास
   (ग) जिसके हाथ वीणा है—कर्मधारय समास
   (घ) वीणा पाणी जो है—अव्ययीभाव समास

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

15. **निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए–**

समस्तपद	समास
I. यथामति	(i) द्विगु समास
II. आशातीत	(ii) अव्ययीभाव समास
III. पूजा-अर्चना	(iii) द्वंद्व समास
IV. राहगीर	(iv) कर्मधारय समास

उपर्युक्त युग्मों मे से कौन-सा सही सुमेलित है–
   (क) I. और (ii)
   (ख) II. और (iii)
   (ग) III. और (iv)
   (घ) IV. और (i)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

16. **'नर-नारी' में कौन-सा समास है?**
   (क) अव्ययीभाव समास
   (ख) द्वंद्व समास
   (ग) कर्मधारय समास
   (घ) तत्पुरुष समास

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

17. **'मुरलीधर' शब्द/समस्तपद कौन-से समास का उदाहरण है?**
   (क) कर्मधारय समास
   (ख) तत्पुरुष समास
   (ग) बहुव्रीहि समास
   (घ) अव्ययीभाव समास

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

18. **'घुड़सवार' शब्द/समस्तपद का समास होगा–**
   (क) द्वंद्व समास
   (ख) कर्मधारय समास
   (ग) बहुव्रीहि समास
   (घ) तत्पुरुष समास

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

19. **'यज्ञशाला' शब्द के लिए सही समास-विग्रह और समास का चयन कीजिए–**
   (क) यज्ञ-शाला—द्वंद्व समास
   (ख) यज्ञ के लिए शाला—संप्रदान तत्पुरुष
   (ग) शाला और यज्ञ—कर्मधारय समास
   (घ) शाला है यज्ञ में—अव्ययीभाव समास

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

20. **'नीलकमल' शब्द/समस्तपद का विग्रह होगा–**
   (क) नीला कमल (ख) कमल नील है
   (ग) नील और कमल (घ) नीला है जो कमल

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

II. **1. निम्नलिखित का समास-विग्रह करके समास का नाम लिखिए।**

दहेज प्रथा, महात्मा

2. निम्नलिखित समास-विग्रह का समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए।

नया है जो युवक, ध्यान में मग्न

उत्तर– 1.	**दहेज प्रथा**	दहेज की प्रथा	तत्पुरुष समास
	महात्मा	महान है जो आत्मा	कर्मधारय समास
2.	**नया है जो युवक**	नवयुवक	कर्मधारय समास
	ध्यान में मग्न	ध्यानमग्न	तत्पुरुष समास

III. **1. निम्नलिखित का समास-विग्रह करके समास का नाम लिखिए।**

माता-पिता, महापुरुष

2. निम्नलिखित समास-विग्रह का समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए।

बाढ़ से पीड़ित, नीला है जो गगन

उत्तर– 1.	**माता-पिता**	माता और पिता	द्वंद्व समास
	महापुरुष	महान पुरुष	कर्मधारय समास
2.	**बाढ़ से पीड़ित**	बाढ़पीड़ित	तत्पुरुष समास
	नीला है जो गगन	नीलगगन	कर्मधारय समास

IV. समास-विग्रह का समस्तपद बनाइए तथा समास का भेद भी लिखिए।

समास-विग्रह	**समस्तपद**	**समास का भेद**
(क) पेट भर कर	__________	__________
(ख) गुणों से हीन	__________	__________
(ग) क्रम के अनुसार	__________	__________
(घ) दया से आर्द्र	__________	__________
(ङ) सेना का पति	__________	__________
(च) राजा और रंक	__________	__________
(छ) नीला है कंठ जिसका	__________	__________
(ज) वचन रूपी अमृत	__________	__________
(झ) दो पहरों का समाहार	__________	__________
(ञ) जल में मग्न	__________	__________
(ट) सत्य के लिए आग्रह	__________	__________
(ठ) फल रहित	__________	__________

उत्तर– (क) पेट भर कर	भरपेट	अव्ययीभाव समास
(ख) गुणों से हीन	गुणहीन	तत्पुरुष समास
(ग) क्रम के अनुसार	यथाक्रम	अव्ययीभाव समास
(घ) दया से आर्द्र	दयार्द्र	तत्पुरुष समास
(ङ) सेना का पति	सेनापति	तत्पुरुष समास
(च) राजा और रंक	राजा-रंक	द्वंद्व समास
(छ) नीला है कंठ जिसका	नीलकंठ	बहुव्रीहि समास
(ज) वचन रूपी अमृत	वचनामृत	कर्मधारय समास

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(झ) दो पहरों का समाहार	दोपहर	द्विगु समास
(ञ) जल में मग्न	जलमग्न	तत्पुरुष समास
(ट) सत्य के लिए आग्रह	सत्याग्रह	तत्पुरुष समास
(ठ) फल रहित	निष्फल	अव्ययीभाव समास

V. समस्तपदों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम बताइए।

समस्तपद	समास-विग्रह	समास का नाम
(क) आजन्म	________	________
(ख) ऋणमुक्त	________	________
(ग) राजा-प्रजा	________	________
(घ) वीणापाणि	________	________
(ङ) हथकड़ी	________	________
(च) चौमासा	________	________
(छ) वज्रांग	________	________
(ज) पंचतत्व	________	________
(झ) गजानन	________	________
(ञ) भरसक	________	________
(ट) शरणागत	________	________
(ठ) अन्न-जल	________	________

उत्तर–

(क) आजन्म	जन्म भर	अव्ययीभाव समास
(ख) ऋणमुक्त	ऋण से मुक्त	तत्पुरुष समास
(ग) राजा-प्रजा	राजा और प्रजा	द्वंद्व समास
(घ) वीणापाणि	वीणा है पाणि में जिसके	बहुव्रीहि समास
(ङ) हथकड़ी	हाथ के लिए कड़ी	तत्पुरुष समास
(च) चौमासा	चार मासों का समूह	द्विगु समास
(छ) वज्रांग	वज्र के समान अंग	कर्मधारय समास
(ज) पंचतत्व	पाँच तत्वों का समूह	द्विगु समास
(झ) गजानन	गज के समान है मुख जिसका	बहुव्रीहि समास
(ञ) भरसक	पूरी शक्ति से	अव्ययीभाव समास
(ट) शरणागत	शरण में आया हुआ	तत्पुरुष समास
(ठ) अन्न-जल	अन्न और जल	द्वंद्व समास

VI. निम्नलिखित शब्दों/समस्तपदों का समास-विग्रह कीजिए तथा समास बताइए।

शब्द/समस्तपद	समास-विग्रह	समास
(क) महाकाल	________	________
(ख) नीलगगन	________	________
(ग) त्रिफला	________	________
(घ) धनंजय	________	________
(ङ) अनिच्छा	________	________
(च) उलट-पुलट	________	________

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(छ) सपरिवार ____________ ____________

(ज) शताब्दी ____________ ____________

(झ) दानवीर ____________ ____________

(ञ) षडानन ____________ ____________

(ट) अकालपीड़ित ____________ ____________

(ठ) बखूबी ____________ ____________

उत्तर–

(क)	महाकाल	महान है जो काल	कर्मधारय समास
(ख)	नीलगगन	नीला है जो गगन	कर्मधारय समास
(ग)	त्रिफला	तीन फलों का समाहार	द्विगु समास
(घ)	धनंजय	धन को जीतने वाला	तत्पुरुष समास
(ङ)	अनिच्छा	न इच्छा	तत्पुरुष समास
(च)	उलट-पुलट	उलटना और पलटना	द्वंद्व समास
(छ)	सपरिवार	परिवार सहित	अव्ययीभाव समास
(ज)	शताब्दी	सौ वर्षों का समूह	द्विगु समास
(झ)	दानवीर	दान में वीर	तत्पुरुष समास
(ञ)	षडानन	षड् हैं आनन जिसके	बहुव्रीहि समास
(ट)	अकालपीड़ित	अकाल से पीड़ित	तत्पुरुष समास
(ठ)	बखूबी	खूबी के साथ	अव्ययीभाव समास

VII. अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सामासिक पद अन्य व्याकरणिक पदों से किस प्रकार भिन्न होता है?
2. तत्पुरुष समास में पूर्व पद और उत्तर पद की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
3. 'यथाशक्ति' अव्ययीभाव समास है; कैसे?
4. 'त्रिलोकीनाथ' सामासिक पद का विग्रह करते हुए भेद लिखिए।
5. द्विगु समास की विशेषता बताते हुए एक उदाहरण दीजिए।
6. संधि और समास में क्या अंतर है?
7. 'पूर्व पद अव्यय + पूर्व पद प्रधान' यह किस समास का गुण है?
8. किस समास के दोनों पद प्रधान होते हैं?
9. किस समास का पूर्व पद संख्यावाची होता है?

उत्तर– 1. सामासिक पद अन्य व्याकरणिक पदों से संरचना, विच्छेद, अर्थ और वाक्य रचना के आधार पर भिन्न होता है।

2. तत्पुरुष में पूर्वपद की अपेक्षा उत्तर पद की प्रधानता होती है। इसमें विशेषणीय पद और मुख्य पद का संबंध एक निश्चित भावना को प्रकट करता है।

3. 'यथाशक्ति' अव्ययीभाव समास है क्योंकि इसमें पूर्व पद प्रधान होता है और वह अव्यय होता है। उस पूर्व पद के योग से समस्तपद ही अव्यय बन जाता है। जैसे—यथाशक्ति—शक्ति के अनुसार

4. 'त्रिलोकीनाथ' का विग्रह– बहुव्रीहि समास– तीनों लोकों के नाथ (शिव)

5. द्विगु समास में विशेषण-विशेष्य संबंध होता है पर इसका पहला पद संख्यावाचक होता है। जैसे– दोपहर—दो पहरों का समाहार।

6. संधि में वर्णों का मेल होता है जबकि समास में शब्दों का मेल होता है।

7. 'पूर्व पद अव्यय' 'पूर्व पद प्रधान' अव्ययीभाव समास का गुण है।

8. द्वंद्व समास में दोनों पद प्रधान होते हैं।

9. द्विगु समास का पूर्व पद संख्यावाची होता है।

VIII. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. बहुव्रीहि समास किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।
2. कर्मधारय समास किसे कहते है? उदाहरण सहित लिखिए।
3. कर्मधारय और द्विगु समास में अंतर बताइए।
4. कर्मधारय और बहुव्रीहि समास में अंतर बताइए।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

उत्तर– **1.** बहुव्रीहि में दोनों ही पद प्रधान नहीं होते हैं। इसमें अन्य पद प्रधान होता है। इसमें दोनों पदों से बने समस्तपद का विशेष व्यक्ति की ओर संकेत होता है।

जैसे– नीलकंठ–नीला है कंठ जिसका (शिव)। इसमें दोनों ही पद प्रधान न होकर तीसरा पद प्रधान है।

2. जिस सामासिक पद का उत्तरपद प्रधान हो तथा पूर्वपद व उत्तरपद में विशेषण-विशेष्य या उपमान-उपमेय का संबंध हो, उसे कर्मधारय समास कहते हैं।

जैसे– नीलगगन–नीला है जो गगन। इसमें गगन की विशेषता बताई गई है।

3. कर्मधारय समास में पूर्व पद विशेषण और उत्तर पद विशेष्य होता है। पूर्व पद तथा उत्तर पद में उपमेय-उपमान का संबंध भी होता है। द्विगु समास में पहला पद संख्यावाचक विशेषण होता है और दूसरा विशेष्य। जैसे–

त्रिदेव– तीन देवों का समूह (द्विगु समास)

नीलकमल– नीला है जो कमल (कर्मधारय समास)

4. कर्मधारय समास के दोनों पदों में विशेषण-विशेष्य या उपमान-उपमेय का संबंध होता है जबकि बहुव्रीहि समास के दोनों पद मिलाकर किसी तीसरे पद की ओर संकेत करते हैं। जैसे–

पीतांबर– पीला है जो अंबर (कर्मधारय समास)

पीतांबर– पीला है अंबर जिसका (अर्थात् श्रीकृष्ण) बहुव्रीहि समास।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

मुहावरे–अर्थ एवं वाक्य प्रयोग
(पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

4

– अभ्यास हेतु प्रश्न –

I. निर्देशानुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनिए–

1. 'खग ही जाने खग की भाषा' मुहावरे का अर्थ है–

(क) एक कष्ट पर दूसरा कष्ट।
(ख) बेईमानी बार-बार नहीं फलती।
(ग) साथी ही साथी का स्वभाव जानता है।
(घ) कठिन कार्यों में उलझकर विपत्ति से क्या घबराना।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. 'आँख का अँधा गाँठ का पूरा' मुहावरे का अर्थ है–

(क) समझ से काम न करना
(ख) धनवान मूर्ख
(ग) मित्र होकर शत्रुता करना
(घ) भले-बुरे के साथ समान व्यवहार करना

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

3. 'नक्कार खाने में तूती की आवाज़' मुहावरे का अभिप्राय है–

(क) नकारे लोगों की सर्वत्र तूती बोलती रहती है।
(ख) तूती की आवाज़ सबसे उँची होती है।
(ग) समर्थ व्यक्ति के सामने असमर्थ व्यक्ति का प्रभाव नहीं पड़ता।
(घ) नक्कार खाने में तूती नहीं बोलती।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. नीचे दिए अर्थ हेतु सही लोकोक्ति चुनिए–

'काम न जानना और बहाना बनाना'।

(क) अधजल गगरी छलकत जाए।
(ख) होनहार वीरवान के होत चीकने पात
(ग) चिराग तले अँधेरा
(घ) नाच न जाने आँगन टेढ़ा

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

5. उस विकल्प का चयन कीजिए जो नीचे दिए गए मुहावरे का सही अर्थ व्यक्त करता हो–'आपे में आना'।

(क) होश में आना
(ख) काबू में न रहना
(ग) बेहोश हो जाना
(घ) बहुत गुस्से में आना

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

6. 'हाथ कंगन को आरसी क्या पढ़े-लिखे को फारसी क्या' का सही अर्थ है–

(क) बिलकुल पढ़ा-लिखा न होना
(ख) विद्‌वान को धन की आवश्यकता नहीं होती
(ग) प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं होती
(घ) सुंदर महिला को जेवर की जरूरत नहीं

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

7. 'आम के आम गुठलियों के दाम' मुहावरे का सही अर्थ है–

(क) दोहरा लाभ
(ख) मनमानी करना
(ग) नकली वस्तु देना
(घ) बहुत चतुर व्यापारी बनना

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

8. कॉलम 1 कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प लिखिए–

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. घाट-घाट का पानी पीना	(i) गोबर का गणेश बनना
II. चैन की बंशी बजाना	(ii) हमेशा दूध याद रहना
III. छठी का दूध याद आना	(iii) बहुत प्रकार का अनुभव होना
IV. गोबर गणेश होना	(iv) बंशी बजाते रहना

उपर्युक्त में से कौन-से सुमेलित है–

(क) I. और (iii)
(ख) II. और (iv)
(ग) III. और (ii)
(घ) IV. और (i)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

9. 'आँख दिखाना' मुहावरे का निम्न में से कौन-सा अर्थ सही है–

(क) इशारा करना

(ख) धमकाना

(ग) क्रोध करना

(घ) चुप करना

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

10. 'खाक छानना' मुहावरे का आशय है–

(क) बेकार काम करना

(ख) किसी चीज़ की तलाश में बहुत हैरान होना

(ग) असंभव प्रयास करना

(घ) (क) और (ग) दोनों

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

11. 'ढाक के तीन पात' मुहावरे का सही अर्थ है–

(क) आलस करना

(ख) ऊटपटाँग काम करना

(ग) सदा एक-सा रहना

(घ) झगड़ा करना

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

12. 'खून का घूँट पीना' के लिए सही अर्थ है–

(क) घृणा करना

(ख) अत्यंत क्रोधित होना

(ग) भयभीत होना

(घ) गुस्सा पचा जाना

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

13. 'प्रतिकूल कार्य करने के लिए' उचित मुहावरा है–

(क) उल्टी गंगा बहाना

(ख) एक आँख से देखना

(ग) उठा न रखना

(घ) उन्नीस-बीस होना

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

14. 'निन्यानवे के फेर में पड़ना' का सही अर्थ है।

(क) परेशान होना

(ख) पूरी गिनती न आना

(ग) सदैव रुपया बटोरने के चक्कर में पड़ना

(घ) गिनती पूरी करना

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

15. मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन कीजिए–

(क) अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना–अपनी बड़ाई स्वयं करना

(ख) आड़े हाथ लेना–छिपे हाथ लेना

(ग) उँगली उठाना–उँगली ऊपर करना

(घ) पानी-पानी होना–सभी जगह पानी भर जाना

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

16. शिकारी बहुत देर तक एक शेर का पीछा करता रहा। अंततः उसकी एक ही गोली ने खूँखार शेर का ………… कर दिया। रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(क) मुँह बंद

(ख) काम तमाम

(ग) तितर-बितर

(घ) आग बबूला

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

17. एक करोड़ की लॉटरी निकलने के बाद राकेश अब ………… लगा। रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(क) आग उगलने

(ख) चैन की बंशी बजाने

(ग) तलवे चाटने

(घ) घोड़े बेचकर सोने

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

18. 'घाट-घाट का पानी पीना' मुहावरे का सही अर्थ है–

(क) अनेक लोगों से मित्रता

(ख) अत्यंत लज्जित होना

(ग) तरह-तरह का अनुभव प्राप्त करना

(घ) रोज़गार के अवसर तलाशना

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

19. मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का सही चयन कीजिए–

(क) टका सा जवाब देना	(i) छोटी बात को बढ़ाकर कहना
(ख) दाँतों तले उँगली दबाना	(ii) आश्चर्य चकित होना
(ग) दाँत पीसना	(iii) दाँत मजबूत करना
(घ) करवटें बदलते रहना	(iv) इधर-उधर करना

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

20. उस विकल्प का चयन कीजिए जो नीचे दिए गए मुहावरे का सही अर्थ व्यक्त करता है–

'डूबते को तिनके का सहारा'

(क) उँगली उठाना

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(ख) आसमान से बातें करना

(ग) परेशानी में थोड़ी-सी सहायता मिलना

(घ) बुद्धि पर पत्थर गिरना

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

II. निम्नलिखित अंगों के नाम से शुरू होने वाले दो-दो मुहावरे लिखिए।

1. आँख	**2.** हाथ
3. कान	**4.** सिर
5. ऊँगली	**6.** कमर

उत्तर–

1.	(i) आँख भर आना	(ii) फूटी आँख न सुहाना
2.	(i) हाथ लगना	(ii) हाथ से जाना
3.	(i) कान भरना	(ii) कान का कच्चा
4.	(i) सिर उठाना	(ii) सिर पर कफ़न बाँधना
5.	(i) उँगली उठाना	(ii) उँगली पर नचाना
6.	(i) कमर टूटना	(ii) कमर कसना

III. नीचे कुछ मुहावरे तथा उनके अर्थ दिए गए हैं। मुहावरों के साथ सही अर्थों को मिलाकर लिखिए।

1. आँखों पर परदा पड़ना	खुशामद करना
2. आसमान सिर पर उठाना	बहुत प्रसन्न होना
3. ईश्वर को प्यारा होना	बिखर जाना
4. एक और एक ग्यारह होना	पछताना
5. तलवे चाटना	किसी पर बोझ बनना
6. भीगी बिल्ली बनना	अडिग रहना
7. गले पड़ना	मर जाना
8. चैन की वंशी बजाना	सच्चाई दिखाई न देना
9. टस से मस न होना	बहुत अधिक परेशान होना
10. सिर पर कफ़न बाँधना	निश्चिंत होना
11. फूला न समाना	मौत के लिए तैयार रहना
12. हाथ मलते रह जाना	डर जाना
13. तीन तेरह होना	मिलकर शक्तिशाली होना
14. नानी याद आना	बहुत उत्पात मचाना

उत्तर–

1. आँखों पर परदा पड़ना – सच्चाई दिखाई न देना

2. आसमान सिर पर उठाना – बहुत उत्पात मचाना

3. ईश्वर को प्यारा होना – मर जाना

4. एक और एक ग्यारह होना – मिलकार शक्तिशाली होना

5. तलवे चाटना – खुशामद करना

6. भीगी बिल्ली बनना – डर जाना

7. गले पड़ना – किसी पर बोझ बनना

8. चैन की वंशी बजाना – निश्चिंत होना

9. टस से मस न होना – अडिग रहना

10. सिर पर कफ़न बाँधना – मौत के लिए तैयार रहना

11. फूला न समाना – बहुत प्रसन्न होना

12. हाथ मलते रह जाना – पछताना

13. तीन तेरह होना – बिखर जाना

14. नानी याद आना – बहुत अधिक परेशान होना

IV. नीचे दिए गए मुहावरों के अर्थ समझकर उचित वाक्य बनाइए।

1. लोहे के चने चबाना	–	कठिन काम करना (अधिक परेशानी सहन करना)
2. धज्जियाँ उड़ाना	–	पूरी तरह परास्त करना
3. आग-बबूला होना	–	बहुत गुस्सा करना
4. हाथ-पाँव हिलाना	–	सफलता का प्रयास करना
5. कान पर जूँ न रेंगना	–	कुछ असर न होना
6. गले पड़ना	–	ज़बरदस्ती किसी पर बोझ बनना

उत्तर–

1. लोहे के चने चबाना (कठिन काम करना)–राणा प्रताप को हराने के लिए अकबर को लोहे के चने चबाने पड़े थे।

2. धज्जियाँ उड़ाना (पूरी तरह परास्त करना)–श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने पाकिस्तानी गेंदबाजों की धज्जियाँ उड़ा दीं।

3. आग बबूला होना (बहुत गुस्सा करना)–इंद्रजीत का परीक्षा परिणाम देखकर उसके पिता जी आग बबूला हो गए।

4. हाथ-पाँव हिलाना (सफलता का प्रयास करना)–परीक्षा के समय विद्यार्थी अपने हाथ-पाँव पूरी तरह हिलाने लगते हैं।

5. कान पर जूँ न रेंगना (कुछ असर न होना)–मेरे इतना बोलने पर भी रमेश के कान पर जूँ तक न रेंगी।

6. गले पड़ना (ज़बरदस्ती किसी पर बोझ बनना)–मैं तो अरुण और प्रदीप की लड़ाई खत्म करना चाहता था। अरुण की पत्नी बेकार ही मेरे गले पड़ गई।

V. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

1. पत्थर की लकीर

2. आँखें फेर लेना

3. अंगारों पर पैर रखना

4. अपना उल्लू सीधा करना

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

5. कलेजा मुँह को आना
6. कटी पतंग होना
7. बिजली गिरना
8. धुन का पक्का होना
9. बाएँ हाथ का खेल
10. आड़े हाथों लेना
11. सोने में सुहागा
12. आँखों का तारा होना
13. हक्का-बक्का रह जाना

उत्तर–

1. पत्थर की लकीर (पक्की बात)—धर्मवीर ने जो कह दिया उसे पत्थर की लकीर समझना।
2. आँखें फेर लेना (बदल जाना)—अपना मकान खरीदते ही रमेश ने आँखें फेर लीं।
3. अंगारों पर पैर रखना (जान-बूझकर मुसीबत में पड़ना)—इस बदमाश के खिलाफ़ अदालत में गवाही देना अंगारों पर पैर रखना है।
4. अपना उल्लू सीधा करना (स्वार्थ पूरा करना)—भूषण भली-भाँति जानता है कि अपना उल्लू कैसे सीधा किया जाता है।
5. कलेजा मुँह को आना (अत्यधिक दुःखी होना)—सुनामी में हुए विनाश और जान-माल की हानि देख कलेजा मुँह को आता है।
6. कटी पतंग होना (निराश्रित होना)—महेश का जीवन तो कटी पतंग है जिधर राह दिखेगी उधर चल देगा।
7. बिजली गिरना (अचानक कष्ट आना)—रमेश के विवाह के एक दिन पूर्व ही उसके पिता जी को दिल का दौरा पड़ने से परिवार पर मानो बिजली गिर गई।
8. धुन का पक्का होना (पक्के इरादों वाला)—सुरेश ग्रेवाल अवश्य आई. ए. एस. बन जाएगा क्योंकि वह धुन का पक्का है।
9. बाएँ हाथ का खेल (आसान काम)—गणित के कठिन से कठिन प्रश्नों को हल करना रामधन के बाएँ हाथ का खेल है।
10. आड़े हाथों लेना (कठोरता से पेश आना)—परीक्षा में अच्छे अंक न आने पर रमेश के पिता जी ने उसे आड़े हाथों लिया।
11. सोने में सुहागा (अधिक अच्छा होना)—इंदिरा अच्छी कविता तो लिखती ही है और सोने पर सुहागा यह है कि वह मधुर कंठ से गाती भी है।
12. आँखों का तारा होना (बहुत प्यारा होना)—सुरेश अपने माता-पिता की आँखों का तारा है।
13. हक्का-बक्का रह जाना (हैरान रह जाना)—पुत्र को गुंडों के साथ घूमते देखकर आनंदीलाल हक्का-बक्का रह गया।

VI. निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से कीजिए।

1. राम और श्याम की ऊँचाई में .... का अंतर है।
2. हमारे शहर की इमारतें .... करती हैं।
3. भारतीय सेना ने पाक सेना की .... बजा दीं।
4. नेता जी की प्रतीक्षा में जनता सवेरे से .... बैठी है।
5. आज मेरी परीक्षाएँ समाप्त हो गई हैं, अब मैं .... सोऊँगा।
6. नेता अपने प्रतिद्वंद्वी की .... में संकोच नहीं करते।
7. मेरी कक्षा के शरारती बच्चों ने सबकी ....कर दिया है।
8. रामलाल ने दीपावली पर अपनी नई दुकान का .... किया।
9. स्टेशन से छूटते ही गाड़ी .... करने लगी।
10. गरम-गरम इमरतियाँ देखकर मेरे .... आ गया।

उत्तर–

1. राम और श्याम की ऊँचाई में ज़मीन-आसमान का अंतर है।
2. हमारे शहर की इमारतें आसमान से बातें करती हैं।
3. भारतीय सेना ने पाक सेना की ईंट से ईंट बजा दीं।
4. नेता जी की प्रतीक्षा में जनता सवेरे से पलकें बिछाए बैठी है।
5. आज मेरी परीक्षाएँ समाप्त हो गई हैं, अब मैं चैन की नींद सोऊँगा।
6. नेता अपने प्रतिद्वंद्वी की इज़्ज़त उतारने में संकोच नहीं करते।
7. मेरी कक्षा के शरारती बच्चों ने सबकी नाक में दम कर दिया है।
8. रामलाल ने दीपावली पर अपनी नई दुकान का श्रीगणेश किया।
9. स्टेशन से छूटते ही गाड़ी हवा से बातें करने लगी।
10. गरम-गरम इमरतियाँ देखकर मेरे मुँह में पानी आ गया।

VII. अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित होने के लिए .... करनी पड़ती है। (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)
2. समुद्र किनारे शाम को ततााँरा रोज वामीरो की .... था। (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

3. शैलेंद्र का मुरझाया हुआ चेहरा देखकर राज कपूर ने मुस्कराते हुए कहा, "निकालो एक रुपया, पारिश्रमिक पूरा एडवांस।" पंक्ति से मुहावरा चुनकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।
4. 'काम तमाम कर देना' और धूल में मिला देना' मुहावरे में अंतर स्पष्ट कीजिए।
5. 'निराशा के बादल फटना' मुहावरे का वाक्य बनाइए।
6. 'काम न जानना और बहाना बनाना' इस अर्थ के लिए सही लोकोक्ति क्या होगी?
7. मैं अपनी कक्षा में सबसे तेज़ हूँ ऐसा कहकर सूरज <u>अपनी बड़ाई स्वयं करता है</u>। रेखांकित अंश के लिए उचित मुहावरा क्या होगा?
8. 'आँख' शब्द से बने पाँच मुहावरे अर्थ सहित बताइए।
9. गरम-गरम समोसे देखकर मेरे .... आ गया। रिक्त स्थान के लिए उचित मुहावरा लिखिए।

उत्तर–

1. रात-दिन एक करनी।
2. बाट जोहती।
3. 'मुरझाया हुआ चेहरा' – परीक्षा परिणाम अनुकूल नहीं आने पर विद्यार्थियों का चेहरा मुरझा जाता है।
4. काम तमाम कर देना – अर्थात् खत्म कर देना, धूल में मिला देना – अर्थात् शान में दाग लगा देना।
5. अधिक मेहनत करने का नाम सुनकर जो निराशा छोटे भाई को होती थी, थोड़ी देर बाद स्वतः निराशा के बादल फटने लगते।
6. नाच न जाने आँगन टेढ़ा।
7. अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना।
8. (i) आँखों दिखाना – गुस्सा करना।
   (ii) आँखों में धूल झोंकना – धोखा देना
   (iii) आँखें खुलना – होश आना, समझ आना
   (iv) आँखों का तारा होना – बहुत प्यारा होना
   (v) आँखों पर परदा पड़ना – सच्चाई न दिखना
9. मुँह में पानी आना

VIII. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. भाषा में मुहावरे का प्रयोग क्यों किया जाता है?

उत्तर– भाषा में मुहावरों का प्रयोग भाषा को सुंदर और प्रभावशाली बनाने के लिए किया जाता है। मुहावरे द्वारा भाषा चमत्कारपूर्ण, सरल और सारगर्भित हो जाती है।

2. मुहावरे और लोकोक्ति में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– मुहावरे और लोकोक्तियाँ विचारों की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है।

लोकोक्तियों का आकार मुहावरों से बड़ा और सारगर्भित होता है।

लोकोक्ति का प्रयोग करते समय हम केवल लोकोक्ति का ही प्रयोग करते हैं। हमें उसका अर्थ स्पष्ट करने हेतु वाक्य में प्रयोग करके उसका स्पष्टीकरण नहीं देना पड़ता जबकि मुहावरे का प्रयोग करते समय कर्ता, क्रिया, लिंग, वचन आदि से मुहावरे के रूप में परिवर्तन आ जाता है।

3. प्रत्यक्ष को प्रमाण की ज़रूरत नहीं होती। इस अंश के लिए सही लोकोक्ति क्या होगी?

उत्तर– इस अंश के लिए सही लोकोक्ति होगी <u>हाथ कंगन को आरसी क्या पढ़े-लिखे को फारसी क्या</u>। इसका अर्थ है कि जो सामने दिखता है उसके लिए किसी प्रमाण की ज़रूरत नहीं होती।

4. आज मेरी परीक्षाएँ समाप्त हो गई हैं, अब मैं <u>आराम से सोऊँगा</u>। रेखांकित अंश के लिए उचित मुहावरा क्या होगा?

उत्तर– रेखांकित अंश के लिए उचित मुहावरा होगा– 'चैन की नींद सोना'। आज मेरी परीक्षाएँ समाप्त हो गई हैं, अब मैं चैन की नींद सोऊँगा।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

स्पर्श–भाग 2
काव्य खंड

1. साखी

2. पद

3. मनुष्यता

4. पर्वत प्रदेश में पावस

5. तोप

6. कर चले हम फ़िदा

7. आत्मत्राण

साखी

कबीर (1398-1518)

1

– अभ्यास हेतु प्रश्न –

कविता पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. **कबीर की साखियों के मुताबिक सुखी कौन है?**
   (क) जो स्वार्थहीन होते हैं।
   (ख) जो ईश्वर को याद करते हैं।
   (ग) जो सोते, खाते और सांसारिक सुखों में डूबे रहते हैं।
   (घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. **कबीर का अज्ञान रूपी अंधकार किस प्रकार से दूर हो गया?**
   (क) गुरु के उपदेश से (ख) ईश्वर के सामीप्य से
   (ग) ईश्वर के भजन से (घ) ज्ञानरूपी दीपक से

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

3. **कवि के अनुसार मृग कस्तूरी कहाँ ढूँढ़ता है?**
   (क) कुंडल में (ख) मरुस्थल में
   (ग) पर्वत पर (घ) वन में

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

4. **कवि ने किस घर को जलाकर नष्ट करने की बात कही है?**
   (क) पड़ोसी का घर (ख) शत्रु का घर
   (ग) स्वयं का घर (घ) किसी का भी नहीं।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. **कबीर की साखियों पर किस भाषा का प्रभाव दिखाई देता है?**
   (क) भोजपुरी एवं अवधी (ख) पंजाबी
   (ग) राजस्थानी (घ) ये सभी

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

6. **कबीर के अनुसार पंडित होने के लिए क्या पढ़ना ज़रूरी है?**
   (क) किताबें (ख) पोथी
   (ग) ढाई अक्षर प्रेम का (घ) ग्रंथ

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

7. **'कस्तूरी ……………… दुनियाँ देखै नाँहिं।' इस दोहे में कबीर कहते हैं–**
   (क) मृग वन में कस्तूरी ढूँढता है।
   (ख) राम भी कस्तूरी की तरह हैं।
   (ग) वे हर मनुष्य के भीतर विराजमान हैं।
   (घ) मनुष्य उन्हें मंदिर में ढूँढता है।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

8. **'मन का आपा खोई' से कबीर का मतलब है–**
   (क) अपना आपा खो बैठना
   (ख) क्रोध की अग्नि में जलना
   (ग) सुध-बुध बिसर जाना
   (घ) अंतरात्मा से खुश हो जाना

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

9. **'निंदक नियरे राखिए' का मतलब है कि–**
   (क) निंदक हमारी आंतरिक कमज़ोरियों को प्रकट करते हैं।
   (ख) वे हमें नीचा दिखाते हैं।
   (ग) निंदक हमारी कमज़ोरियों का फ़ायदा उठाते हैं।
   (घ) उन्हें निंदा करना अच्छा लगता है।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

10. **'ऐकै अषिर पीव का पढ़ै सु पंडित होइ।' इस पंक्ति द्वारा कबीर–**
   (क) प्रेम की महत्ता को बताते हैं।
   (ख) ईश्वर की शरण में जाने के लिए ढाई प्रेम का अक्षर पढ़ना ज़रूरी है।
   (ग) ईश्वर को पाने की बात बताते हैं।
   (घ) ईश्वर के करीब रहने के लिए पूजा-पाठ ज़रूरी है।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

11. **'जब मैं था हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।' इन पंक्तियों में कबीर के 'मैं' का अर्थ क्या है–**
   (क) हम
   (ख) अहंकार
   (ग) व्यक्ति खुद
   (घ) कबीर स्वयं

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

12. **कबीर अपने-आप को दुःखी क्यों मानते हैं?**
(i) क्योंकि वे करुणा से भरे हैं।
(ii) उनमें संवेदनशीलता भरी है।
(iii) वे आत्मकेंद्रित हैं।
(iv) वे अहंकारी हैं।
(क) केवल (i)   (ख) (i), (ii)
(ग) (i), (iii)   (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

13. **'हम घर जाल्या आपणाँ' पंक्ति में कबीर–**
(i) मोह-माया रूपी घर जलाने की बात कर रहे हैं।
(ii) अहंकार रूपी घर को मिटाने के लिए कह रहे हैं।
(iii) लकड़ी के घर जलाने के लिए कहते हैं।
(iv) दूसरों के घर में प्रकाश लाने की बात करते हैं।
(क) (i), (iv)   (ख) (ii), (iv)
(ग) (ii), (iii)   (घ) (i), (ii)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

14. **'राम बियोगी न जिवै, जिवै तो बौरा होइ।' इस पंक्ति का अर्थ है–**
(i) जिन्हें ईश्वर के दर्शन नहीं होते वे पागल से हो जाते हैं।
(ii) वे जी नहीं पाते।
(iii) वे मारे-मारे फिरते हैं।
(iv) उनको पूजना छोड़ देते हैं।
(क) (i), (ii)   (ख) (iii), (iv)
(ग) (ii), (iii)   (घ) (i), (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

15. **जो आलोचक होते हैं कबीर उन्हें सदैव समीप रखने के लिए कहते हैं क्योंकि–**
(i) वे हमेशा हमारी भलाई चाहते हैं।
(ii) हमें सच्चाई से अवगत कराते हैं।
(iii) वे दिल के बुरे होते हैं।
(iv) उन्हें आलोचना करना अच्छा लगता है।
(क) (ii), (iii)   (ख) (i), (iii)
(ग) (ii), (iv)   (घ) (i), (ii)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित पद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

पद्यांश 1

कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढै बन माँहि।
ऐसैं घटि घटि राँम है, दुनियाँ देखै नाँहिं।।

1. **प्रस्तुत साखी में हिरण के भटकने से आप क्या समझते हैं?** **(मूल्यपरक प्रश्न)**
(क) उसकी स्वयं के प्रति अज्ञानता
(ख) उसका भोलापन
(ग) उसकी चीज़ों के प्रति उदासीनता
(घ) प्रकृति के प्रति प्रेम

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

2. **इस साखी का मूलभाव बताइए।** **(मूल्यपरक प्रश्न)**
(क) अपने अंदर विद्यमान गुणों को पहचानो
(ख) अपने अंदर विद्यमान आत्मा के स्वरूप को पहचानो
(ग) आडंबरों को छोड़कर कण-कण में व्याप्त ईश्वर की सच्चे मन से भक्ति करो
(घ) धर्मस्थलों के स्थान पर परमात्मा का स्वरूप कण-कण में और हमारे अंदर व्याप्त है

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

3. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।**
अभिकथन (A): हमें विवेक के बल पर निर्णय लेने चाहिए।
कारण (R): मन तो मनुष्य को सदैव भटकाता रहता है।
(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. **कवि के अनुसार मृग वन में क्या ढूँढ रहा है?**
(क) कस्तूरी नामक घास को
(ख) कस्तूरी नामक पदार्थ को
(ग) कस्तूरी चिड़िया को
(घ) कस्तूरी हिरणी को

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. **साखी में 'हिरण' और 'कस्तूरी' की तुलना कबीर ने किससे की है?**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(क) 'कस्तूरी' और 'नाभि' से

(ख) 'संसार' और 'ईश्वर' से

(ग) 'भक्त' और 'भक्ति' से

(घ) 'अहंकार' और 'प्रेम' से

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

पद्यांश 2

सुखिया सब संसार है, खायै अरू सोवै।
दुखिया दास कबीर है, जागे अरू रौवे।।

1. आपके अनुसार सारा संसार सुखी होगा क्योंकि

(क) संसार सुख के सही मायने समझता है

(ख) संसार सुख-सुविधाओं के भोग को सुख मानता है

(ग) संसार स्वयं को अजर-अमर मानता है

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. 'खायै अरू सोवै' प्रस्तुत पंक्ति में 'सोवै' शब्द का तात्पर्य ·············· से है।

(क) सुख-सुविधाओं के प्रति मोह

(ख) सुख-सुविधाओं के भोग को सुख मानना

(ग) ईश्वर के प्रति उदासीन भाव

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

3. निम्नलिखित कथन (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।**

अभिकथन (A)ः कबीर के अनुसार वे बहुत दुख में हैं।

कारण (R)ः ईश्वर भक्त अपने प्रभु के विरह में हमेशा दुखी रहता है।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. कबीर दुःखी क्यों हैं?

(क) लोगों की अज्ञानता के कारण

(ख) अपनी अज्ञानता के कारण

(ग) ईश्वर कृपा से दूर रहने के कारण

(घ) गुरु कृपा देर से मिलने के कारण

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

5. इस साखी का मूलभाव क्या है?

(क) सांसारिक सुविधाएँ तथा विषय-वासनाओं के प्रति सचेत करना

(ख) ईश्वर के प्रति आस्था पर विश्वास और उसे पाने का प्रयास

(ग) भक्ति जीवन का आधार है तथा सुविधाएँ और विषय-वासनाएँ मात्र झूठ हैं

(घ) 'क', 'ख' और 'ग' विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

पद्यांश 3

निंदक नेड़ा राखिये, आँगणि कुटी बँधाइ।
बिन साबण पाँणी बिना, निरमल करै सुभाइ।।

1. निंदक' से कबीर का क्या अभिप्राय है? **(मूल्यपरक प्रश्न)**

(क) सदैव सच बोलने वाला

(ख) अज्ञानता से आपको उबारने वाला

(ग) ज्ञान से आपका परिचय करवाने वाला

(घ) आपके अंदर विद्यमान बुराई को दिखाने वाला

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

2. कबीर के अनुसार निंदक का स्थान कहाँ होना चाहिए?

(क) आपके घर के अंदर

(ख) आपके हृदय के अंदर

(ग) आपके घर के आँगन में

(घ) आपके घर और जीवन दोनों में

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. निम्नलिखित कथन (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।**

अभिकथन (A)ः हमें अपने निंदक को अपने समीप रखना चाहिए।

कारण (R)ः उसके रहने से हम बिना साबुन और पानी के ही पवित्र हो जाते हैं।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

4. कबीर के अनुसार किसे निर्मल बनाना आवश्यक होता है? (मूल्यपरक प्रश्न)

(क) तन को (ख) मन को

(ग) स्वभाव को (घ) अपने घर को

उत्तर–**सही विकल्प (ग) है।**

5. प्रस्तुत साखी में स्वभाव को स्वच्छ बनाने के लिए किसे कारगर उपाय नहीं माना गया है?

(क) पानी और साबुन को (ख) अज्ञान को

(ग) ज्ञान को (घ) भक्ति को

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

पद्यांश 4

हम घर जाल्या आपणाँ, लिया मुराड़ा हाथि।
अब घर जालौं तास का, जे चलै हमारे साथि।।

1. प्रस्तुत साखी में 'घर' शब्द का प्रयोग ·············· के लिए किया गया है। (मूल्यपरक प्रश्न)

(क) मोह-माया रूपी बंधनों के लिए

(ख) अज्ञानता के लिए

(ग) ईश्वर के लिए

(घ) ज्ञान के लिए

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

2. 'मुराड़ा' शब्द का अर्थ जलती हुई लकड़ी है मगर इस शब्द का मूलभाव ·············· है। (मूल्यपरक प्रश्न)

(क) अज्ञान (ख) ज्ञान

(ग) भक्ति (घ) प्रेम

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

3. निम्नलिखित कथन (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।**

अभिकथन (A)ः आज के समय में मनुष्य धर्मांध हो गया है।

कारण (R)ः अतः हमें धर्म के असली अर्थ को समझना चाहिए।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. कबीर अपना घर जलाकर प्रसन्न क्यों हैं?

(क) वे मोह-माया के बंधनों से मुक्त हो गए हैं

(ख) उनका अज्ञान समाप्त हो गया है

(ग) उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हो गई है

(घ) उपरोक्त सभी कथन

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

5. प्रस्तुत साखी के आधार पर बताइए कि कबीर किस प्रकार की इच्छा व्यक्त कर रहे हैं? (मूल्यपरक प्रश्न)

(क) संसार का घर जलाने की

(ख) अपना घर जलाने की

(ग) अज्ञानी का घर जलाने की

(घ) ज्ञानी का घर जलाने की

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. कबीर के 'राम' कौन हैं?

उत्तर– कबीर के 'राम' दशरथ-पुत्र राम नहीं हैं। उनके 'राम' निर्गुण-निराकार ईश्वर हैं।

2. कबीर ने सांसारिक बंधनों में लिप्त मानव को क्या कहकर पुकारा है?

उत्तर– कबीर ने सांसारिक बंधनों में लिप्त मानव को अज्ञान की निद्रा में सोया हुआ मानव कहा है।

3. उस एकमात्र दुर्गुण का नाम बताएँ जिसको त्याग देने पर हम ईश्वर का साक्षात्कार कर सकते हैं।

उत्तर– अहंकार को त्यागने पर हम ईश्वर का साक्षात्कार कर सकते हैं।

4. प्रभु से वियोग की तुलना किससे की गई है?

उत्तर– कबीर ने प्रभु से वियोग की तुलना विरह भुवंगम अर्थात विषधारी साँप से की है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. सच्चा भक्त किसे कहा गया है?

उत्तर– कबीर सच्चा भक्त उसे कहते हैं जो प्रभु के विरह में घायल हो, जिसने प्रभु के प्रेम को अनुभव किया हो और जो उस पीव (प्रियतम) के प्रति प्रेम का ज्ञाता हो।

2. मीठी वाणी से कबीर का क्या अभिप्राय है?

उत्तर– मीठी वाणी बोलने से कबीर का अभिप्राय ऐसी वाणी से है जो मन के अहंकार को दूर करे और मन को शांति प्रदान करे और दूसरों को सुख दे।

3. कबीर किसका घर और क्यों फूँकना चाहते हैं?

उत्तर– कबीर उनका घर जलाना चाहते हैं जो ईश्वरीय ज्ञान प्राप्त करने हेतु उनके साथ चलना चाहते हैं क्योंकि भक्ति मार्ग पर घर को जलाकर अर्थात सांसारिक सुख, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार आदि को त्यागकर ही चला जा सकता है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

4. कबीर ने अपने दोहे में निंदक को पास रखने की सलाह दी है। क्या आप भी अपने निंदक को पसंद करते हैं? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– कबीर निंदक को अपने समीप रखने को कहते हैं क्योंकि वे हमारी कमियाँ और अच्छाइयाँ बताता है। वह हमें दर्पण दिखाता है कि हम कैसे हैं। हमें निंदक को अपने जीवन में संपूर्ण स्थान देना चाहिए तथा उसकी बातों के महत्त्व को समझना चाहिए। निंदक जब भी हमारी निंदा करेगा हम अपने अंदर कुछ-न-कुछ सुधार तो अवश्य करेंगे क्योंकि उसकी बातों से हमारे मन में आघात पहुँचेगा जिससे हमें दुःख तो होगा लेकिन हम खुद को और अधिक मज़बूत बनाने का प्रयत्न करेंगे।

5. 'साखी' पाठ के आधार पर 'घर' की प्रतीकात्मकता स्पष्ट करते हुए लिखिए कि कबीर अपने बताए मार्ग पर चलने वालों का घर क्यों जलाना चाहते हैं? **(CBSE 2023)**

उत्तर– 'साखी' पाठ के आधार पर 'घर' का अर्थ है मोह-माया से लिप्त। इस साखी में कबीर कहते हैं कि हमने ईश्वर की भक्ति में अपने घर यानी अपने भीतर बसी विषय-वासनाओं को जलाकर नष्ट किया है। जो भी ईश्वर की सच्ची भक्ति करना चाहते हैं, उनको अपने भीतर बसी विषय-वासनाओं को जलाकर नष्ट कर देना चाहिए। ईश्वर की शरण में आ जाना चाहिए।

6. प्रत्येक व्यक्ति की विशेषता उसके भीतर निहित होती है। कबीर की साखी से उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. कबीर की भक्ति-भावना का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर– कबीर की भक्ति भावना के अनुसार ईश्वर की प्राप्ति मन को एकाग्रचित्त करके आध्यात्मिक चिंतन द्वारा पूर्ण होती है। मन की विषय-वासनाओं को त्यागकर ही हम भक्ति मार्ग पर बढ़ सकते हैं। ईश्वर का निवास हमारे मन में है किंतु हम उसे मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारों आदि में ढूँढ़ते फिरते हैं ठीक उसी प्रकार जैसे एक कस्तूरी मृग सुगंधित पदार्थ की खोज में अपनी अज्ञानता के कारण उसे जंगल में ढूँढ़ता फिरता है। अतः हमें मन को एकाग्रचित्त करके ईश्वर को पाने का प्रयास करना चाहिए। ईश्वरीय भक्ति के लिए त्याग की भावना अनिवार्य है और मन में वैराग्य की भावना होनी चाहिए।

2. निंदक हमारा स्वभाव किस प्रकार निर्मल कर सकता है?

उत्तर– संत कबीर ने अपनी साखी में निदंक के महत्त्व एवं आवश्यकता पर विशेष ज़ोर दिया है। निदंक को सच्चा हितैषी बताया है। कवि चाहते हैं कि प्रत्येक मनुष्य को अपने निदंकों को सम्मानपूर्वक स्थान देना चाहिए। साथ ही उनकी बातों के महत्त्व को समझना चाहिए। उन्हें अपने आँगन अर्थात अपने समीप ही स्थान देना चाहिए। निंदक हमारे स्वभाव में आई कमियों को बताकर हमारे स्वभाव में सुधार ला सकता है क्योंकि हम फिर उन कमियों को दूर कर सकते हैं। इसलिए जीवन में निंदक को आवश्यक माना जाता है।

3. आपके अनुसार 'ज्ञानी' कौन है?

उत्तर– ज्ञान दो प्रकार के हो सकते हैं— पुस्तकीय ज्ञान एवं व्यावहारिक ज्ञान। कबीर अपनी साखी में उन लोगों पर कटाक्ष कर रहे हैं जो पुस्तकीय ज्ञान तो प्राप्त कर लेते हैं लेकिन उसके मर्म को नहीं समझ पाते। कवि ऐसे ज्ञानियों को मानवीय भावनाओं से हीन मानते हैं। ऐसे लोगों में भावनाओं एवं गुणों की वृद्धि नहीं हो पाती। दूसरी ओर, जिसने अपने जीवन के उद्देश्य अर्थात सच्ची भक्ति-भावना को पहचान लिया, वही सच्चा ज्ञानी है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

पद

मीरा (1503-1546)

2

– अभ्यास हेतु प्रश्न –

कविता पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. कवयित्री किसके दर्शन करना चाहती हैं?

(क) पिता का (ख) भाई का

(ग) श्रीकृष्ण का (घ) पति का

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. मीरा के काव्य में है–

(क) भावनात्मक एकता (ख) लयात्मकता

(ग) विरह की तीव्र वेदना (घ) ये सभी

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

3. कवयित्री अपने वेतन के रूप में क्या पाना चाहती है?

(क) स्वर्ण आभूषण (ख) भौतिक सुख

(ग) श्रीकृष्ण का दर्शन (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. मीराबाई अपने साँवरिया को पाने के लिए क्या-क्या करने को तैयार हैं?

(क) दासी बनने को (ख) सुमिरन करने को

(ग) भक्ति करने को (घ) ये सभी

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

5. श्रीकृष्ण के मस्तक पर क्या सुशोभित है?

(क) चंद्रमा (ख) सूर्य

(ग) मोर पंख (घ) शंख

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

6. अपने किस भक्त की खातिर कृष्ण ने नरसिंह का रूप धारण किया?

(क) अर्जुन

(ख) प्रह्लाद

(ग) हिरण्यकश्यप

(घ) मीरा

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

7. 'स्याम म्हाने चाकर राखो जी' पंक्ति में मीरा कृष्ण से विनती करती है कि–

(क) उनके लिए एक चाकर भेज दें।

(ख) उन्हें अपनी चाकरी का मौका दें।

(ग) उनके चरणों की दासी बना लें।

(घ) अपना नौकर बनाकर अपने पास रखें।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

8. 'मोर मुगट पीतांबर सौहे गल वैजंती माला।' इस पंक्ति में मीरा क्या वर्णन कर रही है?

(क) कृष्ण की बाँसुरी का

(ख) उनकी शरारतों का

(ग) ग्वालों के साथ भेड़ चराने का

(घ) उनके मनमोहक रूप का

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

9. आधी रात को वह कहाँ दर्शन पाने की बात कर रही हैं?

(क) बगीचे के बीच में

(ख) जंगल में

(ग) यमुना किनारे

(घ) गंगा किनारे

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

10. कृष्ण ने द्रोपदी की लाज कैसे बचाई–

(क) उसको वहाँ से ले जाकर

(ख) उसकी चीर बढ़ाकर

(ग) दुःशासन को दंड देकर

(घ) दुर्योधन को धिक्कार कर

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

11. मीरा गिरधारी की चाकरी रखने के लिए क्यों कह रही है–

(i) उनके लिए बाग लगाएगी।

(ii) उनके घर का काम करेगी।

(iii) उनकी सेवा करेगी।

(iv) उनके दर्शन पाएगी।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (i), (iv) (घ) (i), (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

12. **'भाव भगती जागीरी पास्यूँ, तीनूं बाताँ सरसी।' इस पंक्ति में मीरा चाकरी करने के कौन-से तीन फ़ायदे बता रही हैं?**

(i) भाव (ii) लोभ
(iii) भक्ति (iv) जागीर
(क) (i), (ii) (ख) (i), (ii), (iii)
(ग) (ii), (iii), (iv) (घ) (i), (iii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

13. **'साँवरिया रा दरसण पास्यूँ, पहर कुसुम्बी साड़ी।' इस पंक्ति में मीराबाई क्या कह रही हैं?**

(i) कृष्ण का दर्शन पाने के लिए कुसुंबी साड़ी पहनी है।
(ii) कुसुंबी साड़ी पहनकर कृष्ण के दर्शन करेंगी।
(iii) साज-शृंगार के साथ कृष्ण के दर्शन को जाएँगी।
(iv) कृष्ण के दर्शन के लिए उन्होंने शृंगार किया है।
(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv) (घ) (iv), (i)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

14. **'मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर, हिवड़ो घणो अधीराँ।' इस पंक्ति में मीरा क्या कहना चाह रही हैं–**

(i) प्रभु से मिलने के लिए बेचैन हैं।
(ii) उनका हृदय बड़ा ही अधीर हो रहा है।
(iii) हृदय की गति बड़ी तीव्र हो रही है।
(iv) दिल की धड़कन थम-सी गई है।
(क) (i), (ii) (ख) (iii), (iv)
(ग) (i), (iii) (घ) (iii), (ii)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

15. **'मोर मुगट पीतांबर सौहे, गल वैजंती माला।' ये सभी किसके रूप सौंदर्य हैं?**

(i) भगवान राम के (ii) श्रीकृष्ण के
(iii) कार्तिकेय के (iv) बंसी वाले के
(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)
(ग) (i), (iii) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित पद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

पद्यांश 1

स्याम म्हाने चाकर राखो जी,
गिरधारी लाला म्हाँने चाकर राखोजी।
चाकर रहस्यूँ बाग लगास्यूँ नित उठ दरसण पास्यूँ।
बिन्दरावन री कुंज गली में, गोविन्द लीला गास्यूँ।

1. **प्रस्तुत पंक्तियों से किस प्रकार का भाव प्रकट होता है? (मूल्यपरक प्रश्न)**

(क) हास्य का भाव (ख) शोक का भाव
(ग) दास्य का भाव (घ) ये सभी

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. **मीरा की अपने आराध्य से क्या विनती है?**

(क) सेविका के रूप में अपने पास रखने की
(ख) सेवक रूप में कृष्ण को साथ रखने की
(ग) पत्नी रूप में स्वीकार करने की
(घ) उपरोक्त सभी

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

3. **निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।**

अभिकथन (A): मीरा कृष्ण को चाकर रूप में चाहती हैं।

कारण (R): वे कृष्ण को अपने साथ सदैव रखना चाहती हैं।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. **बाग लगाने के पीछे मीरा का क्या उद्‌देश्य है?**

(क) कृष्ण को रिझाने का
(ख) कृष्ण को प्रसन्न रखने का
(ग) कृष्ण को रोज़ प्रातःकाल में उठकर देखने का
(घ) उपरोक्त सभी कथन

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. **मीरा ने कृष्ण की चाकरी करने का निर्णय क्यों लिया होगा?**

(क) कृष्ण की पत्नियों से ईर्ष्या के कारण
(ख) कृष्ण के प्रेम से उत्पन्न वैराग्य के कारण
(ग) कृष्ण से दूर रहने से उत्पन्न वियोग के कारण
(घ) कृष्ण के समीप रहने के लालच के कारण

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

पद्यांश 2

ऊँचा-ऊँचा महल बणावं बिच बिच राखूँ बारी।
साँवरिया रा दरसण पास्यूँ, पहर कुसुम्बी साड़ी।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

आधी रात प्रभु दरसण, दीज्यो जमनाजी रे तीरां।
मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर, हिवड़ो घणो अधीराँ।

1. मीरा कृष्ण से मिलने के लिए क्या-क्या तैयारी करती है?
(क) लाल रंग की साड़ी पहनती है
(ख) मिलने के लिए आधी रात का समय तय करती हैं
(ग) यमुना जी के किनारे का स्थान चुनती हैं
(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

2. मीरा कृष्ण से क्या इच्छा प्रकट करती है?
(क) प्रेम स्वीकार करने की
(ख) भक्ति स्वीकार करने की
(ग) मिलने की
(घ) उपरोक्त सभी कथन

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. निम्नलिखित कथन (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।**
अभिकथन (A)ः ऊँचे महल बनाने की मीरा की बहुत इच्छा है।
कारण (R)ः वे राधा और कृष्ण को साथ रखना चाहती हैं।
(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. प्रस्तुत पंक्तियाँ पढ़कर आपको मीरा का कृष्ण के प्रति किस प्रकार का भाव अभिलक्षित होता है? (मूल्यपरक प्रश्न)
(क) सेवक का भाव (ख) प्रेम का भाव
(ग) वात्सल्य का भाव (घ) ये सभी

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर, हिवड़ो घणो अधीराँ।– प्रस्तुत पंक्तियों के आधार पर बताइए कि मीरा व्याकुल क्यों हैं?
(क) कृष्ण द्वारा प्रार्थना अस्वीकार किए जाने पर
(ख) कृष्ण द्वारा प्रेम विनय स्वीकार किए जाने पर
(ग) कृष्ण से मिलने के लिए
(घ) कृष्ण की सेवा करने के लिए

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. प्रह्लाद किसका पुत्र था?

उत्तर– प्रह्लाद दैत्यराज हिरण्यकश्यप का पुत्र था।

2. श्रीकृष्ण ने किसका चीर बढ़ाया था?

उत्तर– श्रीकृष्ण जी ने द्रोपदी का चीर बढ़ाया था।

3. मीरा ने श्री कृष्ण को कहाँ दर्शन देने की बात कही है?

उत्तर– मीरा ने कृष्ण जी को यमुना जी के किनारे दर्शन देने की बात कही है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. कवयित्री 'चाकरी' के बदले में क्या चाहती हैं?

उत्तर– मीरा चाकरी में मिलने वाले पैसे के बदले प्रभु का दर्शन, खरची के बदले प्रभु का नाम-स्मरण एवं इनाम में मिलने वाली जागीर के बदले भाव-भगती चाहती हैं।

2. 'नरहरि' का क्या अर्थ है?

उत्तर– नर अर्थात् मनुष्य एवं हरि अर्थात् सिंह। विष्णु भगवान ने इस रूप में नरसिंह अर्थात् आधा शरीर मानव एवं आधा शरीर सिंह का रूप धारण किया था।

3. मीरा कृष्ण की प्रतीक्षा कहाँ और कैसे कर रही हैं?

उत्तर– मीराबाई ऊँचे-ऊँचे महल बनाकर उनमें खिड़कियाँ रखवाती हैं फिर केसरिया और लाल रंग की साड़ी पहनकर अंत में अपने आराध्य से विनती करते हुए कहती हैं कि हे प्रभु आप आधी रात को यमुना जी के किनारे पर दर्शन अवश्य देना।

4. 'बूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुण्जर पीर।
दासी मीराँ लाल गिरधर, हरो म्हारी भीर।।'
उपर्युक्त पंक्तियों में मीरा अपने आराध्य से क्या कह रही हैं? श्री कृष्ण ने गजराज की किस प्रकार सहायता की थी? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

5. कबीर की पंक्ति 'राम वियोगी ना जिवै', जिवै तो बौरा होइ' और मीरा की पंक्ति 'गिरधारी लाला म्हाँने चाकर राखो जी' के भाव एवं भाषा का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए।

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. मीराबाई द्वारा रचित पदों का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– मीराबाई भक्तिकाल की प्रसिद्ध संत कवयित्री हैं। इन पदों में से प्रथम पद में मीरा ने अपने इष्ट देव श्रीकृष्ण के प्रति अपनी अनन्य भक्ति-भावना, आस्था और श्रद्धा प्रकट की है। वे अपने आराध्य से अपनी पीड़ा हरने की विनती करते हुए द्रोपदी के चीर बढ़ाने, भक्त प्रह्लाद के कारण नरसिंह रूप धारण करने एवं ऐरावत हाथी के कष्ट दूर करने जैसे

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

प्रसंगों का स्मरण कराती हैं। यहाँ मीरा, भक्तों से प्रेम करने वाले भक्त-वत्सल रूप का स्मरण व चित्रण करती हैं। दूसरे पद में मीरा, अपने आराध्य का सान्निध्य नित्य-प्रति प्राप्त करने के लिए, उनकी चाकरी करना चाहती हैं। चाकरी के द्वारा मीरा, इष्ट के दर्शन, नाम-स्मरण एवं भाव-भक्ति रूपी जागीर पाना चाहती हैं। साथ ही मीरा कृष्ण के रूप सौंदर्य का वर्णन करते हुए उनसे यमुना किनारे दर्शन देने का अनुरोध करती हैं। इन पदों में मीरा का कृष्ण के प्रति एकनिष्ठ प्रेम दिखाई देता है।

2. मीरा ने 'जागीर' किसको कहा है? समझाइए।

उत्तर– किसी भी सच्चे भक्त के लिए सबसे बड़ी जागीर है उसका भगवान अर्थात आराध्य। किसी भी जागीर को प्राप्त करना अत्यंत कठिन कार्य है। मीरा श्रीकृष्ण की भावपूर्ण भक्ति करती हैं। मीरा श्रीकृष्ण को ही सब कुछ मानती हैं। भाव-भक्ति के माध्यम से वह अपने श्रीकृष्ण को पा सकती हैं। वह सोचती हैं कि दासी बनकर वह कृष्ण के दर्शन और नाम स्मरण करके भाव-भक्ति प्राप्त कर लेंगी। भावपूर्ण भक्ति ही उनके लिए सबसे प्रमुख है। भाव-भक्ति हेतु अपने आराध्य के दर्शन करना, उनके गुणों का स्मरण करना तथा उन्हें मन में धारण करना अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार मीरा ने भाव-भक्ति को जागीर कहकर पुकारा है।

3. प्रह्लाद कौन था और भगवान नरहरि ने किस प्रकार उसकी रक्षा की?

उत्तर– प्रह्लाद भगवान हरि का भक्त था। उसके पिता का नाम हिरण्यकश्यप था। हिरण्यकश्यप एक अत्याचारी राजा था। वह स्वयं को ईश्वर मानता था। वह प्रजा से भी स्वयं को ईश्वर मानने के लिए कहता था। परंतु उसका पुत्र प्रह्लाद उसे ईश्वर नहीं मानता था। इस कारण हिरण्यकश्यप ने उस पर अनेक अत्याचार किए। कभी उसे ऊँची चोटियों से नीचे फेंका, कभी खोलते हुए तेल की कड़ाही में डाला। इस प्रकार उसे मार डालने के अनेक प्रयास किए, परंतु वह विष्णु भक्त प्रभु कृपा से बच जाता था। होलिका जो हिरण्यकश्यप की बहन थी जिसके पास वरदानी चादर थी जिसे ओढ़कर वह आग में प्रह्लाद को लेकर गोद में बैठी, लेकिन तेज़, आँधी आई और उस चादर को उड़ा ले गई जिसमें प्रह्लाद बच जाता है और होलिका का दहन हो जाता है। फिर भी हिरण्यकश्यप के अत्याचार नहीं रुकते। हिरण्यकश्यप को वरदान मिला हुआ था कि उसे न कोई पशु मार पाएगा, न मनुष्य। इसलिए भगवान ने अपने भक्त प्रह्लाद की रक्षा के लिए आधा नर और आधा सिंह का रूप धारण किया और हिरण्यकश्यप को मारकर अपने भक्त प्रह्लाद की रक्षा की।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

मनुष्यता

3

मैथिलीशरण गुप्त (1886-1964)

– अभ्यास हेतु प्रश्न–

कविता पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. ……………… से उदार व्यक्ति की पहचान होती है।

(क) शरीर से

(ख) चेहरे से

(ग) सुंदरता से

(घ) परोपकार के कार्यों से

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

2. किस प्रकार के व्यक्ति का गुणगान सारा संसार करता है?

(क) स्वार्थी व्यक्ति का (ख) कृतघ्न व्यक्ति का

(ग) उदारशील व्यक्ति का (घ) बलशाली व्यक्ति का

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. इनमें से किस राजा ने अपने भोजन के थाल का दान किया था?

(क) उशीनर (ख) दशरथ

(ग) कर्ण (घ) रंतिदेव

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

4. कवि के अनुसार कौन धनवान होता है?

(क) जिसके पास धन हो

(ख) जिसके पास भूमि हो

(ग) जिसके पास सहानुभूति हो

(घ) उपरोक्त सभी

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

5. मनुष्यता कविता क्या संदेश देती है?

(क) त्याग का (ख) परोपकार का

(ग) दान का (घ) ये सभी

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

6. कवि के अनुसार किस मनुष्य का जीना और मरना बेकार है?

(क) जो खुद के लिए जीते हैं।

(ख) जो अपने परिवार के लिए जीते हैं।

(ग) जो सिर्फ़ अपने लिए ही काम करते हैं।

(घ) जो दूसरों के लिए कुछ करते हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

7. कवि ने असली मनुष्य किसे बताया है?

(क) जो दूसरों की चिंता करे।

(ख) जो अपने लिए कार्य करे।

(ग) जो अपनी तरक्की के लिए मेहनत करे।

(घ) जो अपने फ़ायदे के लिए काम करे।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

8. किस महर्षि ने वज्र बनाने के लिए अपने पूरे शरीर की हड्डियाँ तक दान दे दी थीं?

(क) महर्षि विश्वामित्र (ख) महर्षि दधीचि

(ग) महर्षि गौतम (घ) महर्षि वेदव्यास

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

9. वीर कर्ण ने अपनी खुशी से क्या दान किया था?

(क) अपने शरीर का मांस

(ख) अपने शरीर की हड्डियाँ

(ग) अपने धनुष और बाण

(घ) अपने शरीर का कवच कुंडल

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

10. दया व करुणा का सबसे बड़ा उदाहरण कवि किसे मानते हैं–

(क) महात्मा गाँधी

(ख) जवाहरलाल नेहरू

(ग) महात्मा बुद्ध

(घ) ऋषि वशिष्ठ

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

11. 'विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी' इस पंक्ति में कवि क्या विचारने को कह रहे हैं?

(i) मनुष्य मरणशील है।

(ii) उसे मृत्यु से नहीं डरना चाहिए।

(iii) मनुष्य पशु के समान है।

(iv) मनुष्य चिंतनशील है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(क) (i), (iii) (ख) (ii), (iv)

(ग) (ii), (iii) (घ) (i), (ii)

उत्तर– सही विकल्प (घ) है।

12. कवि के अनुसार प्रभु के होते हुए जो व्याकुल है–

(i) वह व्यक्ति दुःखी है। (ii) वह लाचार है।

(iii) भाग्यहीन होता है। (iv) अनाथ है।

(क) (i), (iii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– सही विकल्प (क) है।

13. 'फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं' इस पंक्ति से कवि का आशय है–

(i) सभी मनुष्य के कर्म अलग-अलग हैं।

(ii) उनकी आत्मा एक है।

(iii) सभी मनुष्य एक-दूसरे से अलग हैं।

(iv) सभी मनुष्य एक समान हैं।

(क) (i), (ii) (ख) (iii), (iv)

(ग) (i), (iii) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– सही विकल्प (क) है।

14. किस व्यक्ति ने भूख से व्याकुल होने के बावजूद अपने भोजन का थाल दूसरे को दे दिया–

(i) उशीनर ने

(ii) महर्षि दधीचि ने

(iii) रंतिदेव ने

(iv) भूख से व्याकुल रंतिदेव ने

(क) (i), (ii) (ख) (iii), (iv)

(ग) (ii), (iii) (घ) (iii), (iv)

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

15. इच्छित मार्ग पर चलते हुए मनुष्य को क्या ध्यान रखना चाहिए?

(i) उनका आपसी सामंजस्य न घटे।

(ii) हर बाधा को पार करते हुए चलें।

(iii) दूसरों के साथ बंधुत्व का भाव न रखें।

(iv) परेशानियों से घबराकर हिम्मत हार जाएँ।

(क) (i), (ii) (ख) (i), (iii)

(ग) (i), (iv) (घ) (ii), (iii)

उत्तर– सही विकल्प (क) है।

पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित पद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

पद्यांश 1

क्षुधार्त रंतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।
उशीनर क्षितीश ने स्वमांस दान भी किया,
सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर-चर्म भी दिया।
अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे?
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

1. रंतिदेव ने ऐसा क्या किया जिसके कारण वे आज भी याद किए जाते हैं?

(क) अपना परिवार और सुख-साधन प्रजा पर बलिदान कर दिया।

(ख) अपना सबकुछ गरीबों और ऋषि-मुनियों को दान में दे दिया।

(ग) अपना भोजन तब किसी को दे दिया, जब वे स्वयं कई दिनों से भूखे थे।

(घ) अपना जीवन समाज कल्याण के लिए अर्पण कर दिया।

उत्तर– सही विकल्प (ग) है।

2. कवि ने परोपकार का महत्त्व बताने के लिए पद्यांश में किसका उल्लेख किया है?

(क) तत्कालीन महान हस्तियों का

(ख) पौराणिक प्रसंग में आए महान विभूतियों का

(ग) प्रसिद्ध देवी-देवताओं का

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– सही विकल्प (ख) है।

3. निम्नलिखित कथन (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।**

अभिकथन (A)ः हमें समाज कल्याण के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने से तनिक भी नहीं डरना चाहिए।

कारण (R)ः हमें स्वयं पर गर्व होना बहुत आवश्यक है।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– सही विकल्प (घ) है।

4. 'अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे'- पंक्ति का क्या अभिप्राय है?

(क) अपने शरीर के लिए मोह होना आवश्यक है

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(ख) शरीर और धन के मोह के कारण डरना मूर्खता है

(ग) आत्मा अमर है इसलिए नश्वर शरीर का भय निकाल देना चाहिए

(घ) विकल्प 'क' और 'ख' दोनों

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. प्रस्तुत पद्यांश का मूलभाव नहीं है –

(क) आत्मा अमर है

(ख) नश्वर शरीर के समाप्त होने का भय निकाल देना चाहिए

(ग) मानव जाति के कल्याण के लिए जिएँ और मरें

(घ) स्वयं को और समाज को देश के प्रति समर्पण के लिए तैयार कीजिए

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

पद्यांश 2

रहो न भूल के कभी मदांध तुच्छ वित्त में,
सनाथ जान आपको करो न गर्व चित्त में।
अनाथ कौन है यहाँ? त्रिलोकनाथ साथ हैं,
दयालु दीनबंधु के बड़े विशाल हाथ हैं।
अतीव भाग्यहीन है अधीर भाव जो करे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

1. प्रस्तुत पद्यांश का मूलभाव क्या है? **(मूल्यपरक प्रश्न)**

(क) उपकार करके भूल जाओ

(ख) उपकार करो और दूसरों को भी प्रेरित करो

(ग) समृद्धिशाली होने पर अहंकार मत करो

(घ) ईश्वर पर विश्वास करते हुए आगे बढ़ो

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. भाग्यहीन किस प्रकार के व्यक्ति को कहा गया है?

(क) जो स्वयं को सुख-सुविधा से संपन्न मानता है

(ख) जो दूसरों को स्वयं से छोटा समझता है

(ग) जो अपनी श्रेष्ठता और समृद्धि पर अहंकार करता है

(घ) जो मनुष्य धैर्य के गुण से विहीन है

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

3. पद्यांश के आधार पर बताइए कि हमें समृद्धिशाली होने पर गर्व क्यों नहीं करना चाहिए?

(क) क्योंकि इससे बुद्धि का विनाश होता है

(ख) क्योंकि यह तुच्छ वस्तु है

(ग) क्योंकि यह हमारे गुणों पर दुष्प्रभाव डालता है

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. 'त्रिलोकनाथ साथ हैं'- ऐसा कहने के पीछे कवि का क्या आशय है?

(क) स्वयं को अकेला मत समझें क्योंकि ईश्वर सबके साथ है।

(ख) समृद्धिशाली होने पर अहंकर मत करें क्योंकि ईश्वर सब देख रहा है।

(ग) ईश्वर किसी को अकेला नहीं छोड़ता है।

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

5. नीचे दिए गए किस विकल्प में सामासिक शब्द नहीं दिया गया है?

(क) मदांध (ख) त्रिलोकनाथ

(ग) दीनबंधु (घ) चित्त

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

पद्यांश 3

'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है,
पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है।
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं,
परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं।
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।
चलो अभीष्ट मार्ग में सहर्ष खेलते हुए,
विपत्ति विघ्न जो पड़ें उन्हें ढकेलते हुए।
घटे न हेलमेल हाँ, बढ़े न भिन्नता कभी,
अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी।
तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

1. जीवन में निर्धारित लक्ष्य कैसे प्राप्त किया जा सकता है?

(क) संपर्क बढ़ाने से

(ख) साधन जुटाने से

(ग) सतत प्रयत्नशील रहने से

(घ) लक्ष्य का ध्यान करने से

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. कवि को किस बात का डर है?

(क) दूरियाँ बढ़ने की (ख) प्रेम कम होने की

(ग) सहयोग में कमी (घ) एकता की भावना में कमी

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

3. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।**

अभिकथन (A): कवि मनुष्य के लिए मनुष्यता का होना अनिवार्य मानता है।

कारण (R): मनुष्यता के लिए संतोष का होना आवश्यक नहीं है।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

4. **कवि भाव किसे मानता है?**

(क) स्वार्थ भावना को सबल बनाना
(ख) कार्य में सफलता प्राप्त करना
(ग) कार्य के प्रति लगनशील रहना
(घ) स्वयं के साथ दूसरे को भी आगे बढ़ाना

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

5. **"अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी"– पंक्ति का भाव है–**

(क) तर्कहीनता (ख) भावुकता
(ग) नकारात्मकता (घ) सकारात्मकता

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. मनुष्य को कैसे कार्य करने चाहिए?

उत्तर– मनुष्य को सदा-सर्वदा ऐसे कार्य करने चाहिए जिनसे दूसरे मनुष्यों का भी भला हो व उनका भी कल्याण हो।

2. लोकवर्ग किनके आगे झुकता है?

उत्तर– लोकवर्ग उन्हीं के आगे झुकता है जो परंपरा के विरुद्‌ध जाकर भी लोकहित का कार्य करते हैं।

3. 'वित्त' शब्द का अर्थ बताएँ।

उत्तर– 'वित्त' से आशय है धन से परिपूर्ण।

4. 'मनुष्यता' कविता में मनुष्य की क्या-क्या पहचान बताई गई है?

उत्तर– दूसरों की मदद करना, उदार होना, त्यागी होना आदि मनुष्य होने की पहचान बताई गई है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. 'पशु-प्रवृत्ति' से कवि का अभिप्राय क्या है?

उत्तर– पशु सदा केवल अपना पेट भरने की कोशिश करता है। पशु सदा-सर्वदा अपना जीवन बिना किसी उद्‌देश्य के व्यतीत करता है। इसी स्वभाव अथवा प्रवृत्ति को कवि ने पशु-प्रवृत्ति कहा है।

2. ईश्वर का आशीर्वाद कैसे प्राप्त हो सकता है?

उत्तर– जब सभी मनुष्य एक-दूसरे की सहायता करें तथा बिना किसी को नुकसान पहुँचाए विकास की ऊँचाइयों को छुएँ, तो ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त किया जा सकता है।

3. कवि ने समर्थ भाव किसे कहा है?

उत्तर– कवि ने समर्थ भाव उसे कहा है जब लोग मिलकर आगे बढ़ते हैं व आपसी एकता व सहयोग से कार्य करते हैं। अर्थात औरों का कल्याण करने की शक्ति ही समर्थ भाव कहलाता है।

4. 'मनुष्यता' कविता में कवि ने सबको एक होकर चलने की प्रेरणा क्यों दी है? **[CBSE 2017]**

उत्तर– कवि ने सबको एक होकर चलने की प्रेरणा इसलिए दी है कि इससे आपसी मेल-भाव बढ़ता है तथा प्रेम व सहानुभूति के संबंध बनते हैं। यदि हम एक-दूसरे का साथ देंगे तो प्रगति की ओर अग्रसर हो सकेंगे।

5. कबीर और मैथिलीशरण गुप्त ने मनुष्य के लिए मनुष्यता का होना अनिवार्य माना है। किन्हीं तीन मानवीय मूल्यों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर– कबीर और मैथिलीशरण गुप्त जैसे महान कवियों ने अपने साहित्य में यह स्पष्ट किया है कि केवल मनुष्य के रूप में जन्म लेना ही पर्यास नहीं है– जब तक उसके भीतर मानवीय मूल्य नहीं हैं, तब तक वह सच्चे अर्थों में "मनुष्य" नहीं कहलाता। नीचे तीन महत्त्वपूर्ण मानवीय मूल्यों का वर्णन किया गया है:

1. **करुणा (दया):** करुणा वह भावना है जो हमें दूसरों के दुःख और पीड़ा को समझने और उनके प्रति सहानुभूति रखने की प्रेरणा देती है। करुणाशील व्यक्ति न केवल दूसरों की मदद करता है, बल्कि समाज में प्रेम और सह-अस्तित्व की भावना को भी बढ़ावा देता है। कबीर भी कहते हैं, "पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय। ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।"
2. **सत्यनिष्ठा (ईमानदारी):** सत्य के प्रति निष्ठा रखना एक बुनियादी मानवीय मूल्य है। ईमानदार व्यक्ति समाज में विश्वास और नैतिकता की नींव रखता है। मैथिलीशरण गुप्त ने अपने काव्य में नायक-नायिकाओं को सदैव सत्य के मार्ग पर चलते हुए दिखाया है, चाहे परिस्थिति कैसी भी हो।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

3. **क्षमा (माफ़ करने की क्षमता):** क्षमा एक ऐसा गुण है जो हमें अहंकार से दूर रखता है और दूसरों को सुधरने का अवसर देता है। क्षमाशीलता न केवल दूसरों को शांत करती है, बल्कि हमारे भीतर भी मानसिक शांति और स्थिरता लाती है। इन मूल्यों को अपनाकर ही मनुष्य सच्चे अर्थों में मानवता की ओर अग्रसर हो सकता है। कबीर और गुप्त जी का यही संदेश है कि "मनुष्यता" के बिना "मनुष्य" अधूरा है।

6. 'मनुष्यता' कविता के संदर्भ में लिखिए कि उदार लोगों के प्रति संसार कैसा आचरण करता है? **[CBSE 2023]**

उत्तर– "मनुष्यता" कविता के संदर्भ में देखा जाए तो उदार और मानवीय गुणों से युक्त व्यक्ति अपने भीतर करुणा, सहानुभूति और परोपकार की भावना रखते हैं, लेकिन संसार अक्सर उनके साथ अनुचित और असंवेदनशील व्यवहार करता है।

संसार का आचरण उदार लोगों के प्रति:

1. **उपेक्षा करता है:** उदार व्यक्ति अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर दूसरों के लिए जीता है, लेकिन संसार उसे अक्सर महत्त्व नहीं देता। लोग उसकी भलमनसाहत को कमजोरी समझ बैठते हैं।
2. **शोषण करता है:** उदार व्यक्ति की सहनशीलता और सहायता करने की प्रवृत्ति का कई बार लोग अनुचित लाभ उठाते हैं। वे उसकी उदारता को मज़बूरी समझ कर उसका शोषण करते हैं।
3. **निंदा करता है या उपहास उड़ाता है:** जब कोई व्यक्ति सत्य और मानवीय मूल्यों की बात करता है, तो समाज अक्सर उसे 'अव्यवहारिक' या 'दुनियादारी से अंजान' समझ कर उसकी आलोचना करता है।
4. **प्रशंसा में भी कंजूसी करता है:** उदार व्यक्ति चाहे कितनी ही बड़ी सेवा क्यों न करे, समाज उसकी प्रशंसा करने में संकोच करता है या उसे हल्के में लेता है।

लेकिन फिर भी कविता यह भी दर्शाती है कि सच्चे मनुष्य (उदार व्यक्ति) संसार के व्यवहार से विचलित नहीं होते। वे अपने कर्तव्य और मानवीय मूल्यों को निभाते रहते हैं, क्योंकि उनका विश्वास बाहरी दुनिया में नहीं, भीतर की सच्चाई में होता है।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. वर्तमान समय में कविता 'मनुष्यता' की प्रासंगिकता सिद्ध कीजिए।

उत्तर– मनुष्यता का अर्थ है—मानव में विद्यमान वे गुण जिनके कारण मनुष्य मनुष्य कहलाता है। प्रस्तुत कविता में हर शब्द मानवीय गुणों का वर्णन करता है। या प्रत्येक शब्द में मनुष्यता की गूँज है। मनुष्यता मानव को मानव से प्रेम करना, आपसी एकता व भेदभावों को मिटाकर एकरूपता और जीवन व्यतीत करना सिखाती है। सभी को हृदय में एक-दूसरे के लिए दया, करुणा, त्याग, बलिदान व सहानुभूति के भाव रखना सिखाती है। कविता में कवि ने अपने विचारों को सार्थकता देने के लिए दधीचि, कर्ण, रंतिदेव, उशीनर व महात्मा बुद्ध आदि के उदाहरण भी दिए हैं। अतः इस प्रकार यह कविता 'मनुष्यता' शब्द की प्रासंगिकता को वर्तमान समय में पूर्ण करती है।

2. 'मनुष्य मात्र बंधु है'– कवि के इस कथन पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर– कवि के अनुसार ईश्वर सर्वत्र व्याप्त है और सभी मनुष्यों में ईश्वर का अंश है। वह मनुष्यों की सहायता मनुष्य के रूप में ही करता है। सभी मनुष्य उस परमपिता ईश्वर की संतान हैं तथा एक पिता की संतान होने के नाते सभी मनुष्य एक-दूसरे के भाई के समान हैं। इसलिए हमें छोटे-बड़े, ऊँच-नीच, रंग-रूप, जाति के आधार पर भेदभाव नहीं करना चाहिए। मनुष्यों ने आपस में जाति-पाँति, छुआछूत के भेद पैदा किए हैं, अतः हमें आपसी भेदभावों को भुलाकर भाईचारे में रहना चाहिए। जिस प्रकार हम अपने भाई-बंधुओं का अहित नहीं करते, ठीक उसी तरह हमें विश्व में किसी का अहित न कर भाई समान एक-दूसरे की सहायता करनी चाहिए तथा अहंकार का परित्याग करना चाहिए। अतः इस प्रकार 'मनुष्य मात्र बंधु है।'

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

पर्वत प्रदेश में पावस

सुमित्रानंदन पंत (1900-1977)

4

– अभ्यास हेतु प्रश्न –

कविता पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. कवि को पर्वत पर खिले हज़ारों फूल कैसे प्रतीत हो रहे हैं?

(क) दर्पण जैसे (ख) करधनी जैसे

(ग) हज़ारों नेत्रों जैसे (घ) ये सभी

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. पर्वत का गुणगान कौन कर रहा है?

(क) हवा (ख) नदी

(ग) झरना (घ) वर्षा

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. मेखलाकार का शाब्दिक अर्थ क्या है?

(क) तिकोना (ख) चौकोर

(ग) षट्भुजाकार (घ) गोलाकार

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. कवि ने तालाब की समानता किससे दिखाई है?

(क) अमृत से (ख) पुष्प से

(ग) जल से (घ) दर्पण से

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

5. कवि के अनुसार बादलों के छा जाने से क्या होता है?

(क) प्रकृति मनोरम लगता है

(ख) पर्वत अदृश्य हो जाते हैं

(ग) सिर्फ झरने दिखाई नहीं देते हैं

(घ) मौसम सुहावना लगता है

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

6. पर्वतों की शृंखला किस आकार में दिखाई दे रही है?

(क) कोण के आकार में

(ख) मंडप के आकार में

(ग) फूलों के आकार में

(घ) करघनी के आकार में

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

7. पर्वत पर उगे फूल कवि को कैसे लग रहे हैं–

(क) पर्वत रंग-बिरंगे लग रहे हैं।

(ख) फूलों ने पर्वत को ढक रखा है।

(ग) पर्वत की खूबसूरती बढ़ गई है।

(घ) पर्वत के नेत्र जैसे लग रहे हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

8. पल-पल बदलते मौसम में बादल छाने पर कवि को लगता है कि–

(क) पर्वत का रंग बदल गया हो।

(ख) बादलों के रंग में परिवर्तित हो गया हो।

(ग) पर्वत जैसे गायब हो गया हो।

(घ) पर्वत टुकड़ों में बँट गया हो।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

9. तेज़ बारिश के कारण जब धुंध-सा उठता है तो ऐसा लगता है मानो–

(क) पूरे पहाड़ पर धुएँ-सा दिखाई देता है।

(ख) पहाड़ धुएँ के पीछे कहीं छिप जाता है।

(ग) तालाब में आग लगी हो।

(घ) पूरा आसमान धुंधला हो गया हो।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

10. कौन कवि के नस-नस में उत्साह का संचार करती है–

(क) पर्वत पर रंग-बिरंगे फूल

(ख) पर्वत के चरणों में पला तालाब

(ग) पर्वत पर दिखने वाला धुंध

(घ) झरनों की करतल ध्वनि

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

11. कवि के अनुसार पर्वतीय क्षेत्र में मौसम में क्या बदलाव हो रहा है?

(i) कभी बारिश होती है।

(ii) कभी मौसम सर्द हो जाता है।

(iii) कभी भयानक गरमी पड़ती है।

(iv) कभी धूप निकल आती है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(क) (i), (iv) (ख) (i), (ii)

(ग) (i), (iii) (घ) (ii), (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

12. **'मोती की लड़ियों से सुंदर झरते हैं झाग भरे निर्झर।' इस पंक्ति में झरना कैसा बताया जा रहा है–**

(i) झाग से भरा

(ii) मोतियों की लड़ी

(iii) नस-नस में उत्साह भरने वाला

(iv) शांत और निर्भर

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (ii), (i)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

13. **तेज़ बारिश के कारण पर्वत पर कैसा प्रतीत होता है–**

(i) चारों तरफ़ धुंध-सा दिखाई देता है।

(ii) तूफ़ान-सा प्रतीत होता है।

(iii) मानो तालाब में आग लगी हो।

(iv) झरने शोर मचा रहे हों।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iv), (ii) (घ) (i), (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

14. **पर्वत पर उगे रंग-बिरंगे फूल कवि को कैसे प्रतीत हो रहे हैं–**

(i) मानो पर्वत के नेत्र हों।

(ii) पर्वत के चरणों में पला हो।

(iii) दर्पण जैसा विशाल दिखाई दे रहा है।

(iv) पर्वत अपनी तलहटी में स्थित तालाब के सौंदर्य का अवलोकन कर रहा है।

(क) (i), (iv) (ख) (ii), (iii)

(ग) (i), (iii) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

15. **'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में कवि ने पर्वत प्रदेश के किस ऋतु का वर्णन किया गया है–**

(i) शीत ऋतु का

(ii) वर्षा ऋतु का

(iii) ग्रीष्म ऋतु का

(iv) अचानक बदलते मौसम का

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (ii), (iv) (घ) (iii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित पद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

पद्यांश 1

गिरि का गौरव गाकर झर-झर
मद में नस-नस उत्तेजित कर
मोती की लड़ियों-से सुंदर
झरते हैं झाग भरे निर्झर!

1. **कवि ने झरनों के बहने के स्वर को किस रूप में चित्रित किया है?**

(क) सम्मान के रूप में

(ख) गौरवगान के रूप में

(ग) प्रेमगीत के रूप में

(घ) देशभक्ति के गीत के रूप में

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. **यशगान प्रायः हम अपने देश का करते हैं। झरने किसके यश का गान कर रहे होंगे? (मूल्यपरक प्रश्न)**

(क) स्वयं का (ख) पर्वतों का

(ग) वर्षा ऋतु का (घ) आकाश का

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

3. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।**

अभिकथन (A): कवि के अनुसार झरने बहते हुए आवाज़ कर रहे हैं।

कारण (R): यह यशगान नस-नस में उत्तेजना भरने के लिए काफी हैं।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. **झाग से भरे झरने के बहने के सौंदर्य को कवि ने किसके स्वरूप से जोड़कर प्रस्तुत किया है?**

(क) हीरे की कड़ियों (ख) मोतियों की लड़ियों

(ग) दूध की धार (घ) हंस के श्वेत पंख

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

5. **प्रस्तुत पद्यांश किस पर आधारित है?**
(क) पर्वतीय क्षेत्र के सौंदर्य पर
(ख) पर्वतों में व्याप्त झरनों के सौंदर्य पर
(ग) पर्वतों में व्याप्त झीलों पर
(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

पद्यांश 2

रव-शेष रह गए हैं निर्झर।
है टूट पड़ा भू पर अंबर!
धँस गए धरा में सभय शाल!
उठ रहा धुआँ, जल गया ताल!
-यों जलद-यान में विचर-विचर
था इंद्र खेलता इंद्रजाल।

1. **आकाश के धरती पर टूटने की किस रूप में परिकल्पना की गई है?**
(क) इंद्र देव के क्रोध के रूप में
(ख) मूसलाधार वर्षा के रूप में
(ग) उल्का पिंड के गिरने के रूप में
(घ) बिजली के गिरने के रूप में

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. **कोहरा छाने के कारण कवि को धरती के अंदर ………… समाते हुए प्रतीत होते हैं।**
(क) पर्वत (ख) शाल वृक्ष
(ग) झरने (घ) तालाब

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

3. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।**

अभिकथन (A): कवि के अनुसार इंद्र का जाल चारों ओर फैला हुआ है।

कारण (R): उनके प्रभाव से आकाश पर धरती टूट कर गिर गया है।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

4. **कवि के अनुसार ऐसा लगता है कि मानो ताल जल रहा हो। कवि ने ऐसी कल्पना क्या देखकर की है?**
(क) आकाश में दूर-दूर तक छाए श्वेत बादलों को देखकर
(ख) तालाब से उठने वाली धुंध को देखकर
(ग) भयंकर गर्मी के कारण तपती धरती को देखकर
(घ) जलते हुए जंगलों को देखकर

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. **प्रस्तुत कविता में इंद्र को जादू करने वाला बताया गया है। कवि ने इंद्र का ही उल्लेख कविता में क्यों किया है**

(मूल्यपरक प्रश्न)

(क) इंद्र प्रकृति के देवता हैं।
(ख) इंद्र पर्वतों के देवता हैं।
(ग) इंद्र वर्षा के देवता हैं।
(घ) इंद्र बसंत के देवता हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. कवि ने पर्वत को कहाँ स्वयं को निहारते बताया है?

उत्तर– कवि ने पर्वत को अपने चरणों में बने ताल में स्वयं को निहारते बताया है।

2. झरने की जलधारा को किसके समान बताया गया है?

उत्तर– झरने की जलधारा को उच्च स्वर में पर्वत के गौरव का गान करते बताया गया है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. कविता में प्रयुक्त 'मेखलाकार' शब्द का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– कविता में 'मेखलाकार' शब्द का आशय है कि पर्वत की ढलान कमर की तरह थोड़ा-सा गोलाकार रूप लिए होती है इसलिए पर्वत को मेखलाकार कहा है।

2. कविता में झरने की तुलना किससे और किस प्रकार की गई है?

उत्तर– बहते हुए झरने की तुलना मोती रूपी लड़ियों से की गई है। पर्वतों की ऊँची चोटियों से बहते झरने देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि वे पर्वतों की गौरव-गाथा गा रहे हों।

3. 'है झाँक रहे नीरव नभ पर' पर्वत प्रदेश में पावस' कविता से ली गई पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। **[CBSE 2024]**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

उत्तर– कविता की पंक्ति "*है झाँक रहे नीरव नभ पर*" पर्वत प्रदेश में पावस में वर्षा ऋतु के आगमन की शांत और सौम्य छवि प्रस्तुत की गई है। पर्वतीय क्षेत्र में शांत आकाश के नीचे वर्षा के लक्षण उभर रहे हैं। प्रकृति गंभीर, सुंदर और सजीव प्रतीत हो रही है।

4. जीवन में सुख-दुख धूप और बादल की तरह होते हैं। 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता से कोई एक उदाहरण देकर सिद्ध कीजिए।

उत्तर– 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में प्रकृति के बदलते दृश्य जीवन के सुख-दुःख का प्रतीक हैं। जैस बादलों के आने से पहले पर्वत क्षेत्र में नीरवता छा जाती है, वैसे ही जीवन में दुःख के क्षण आते हैं। फिर धीरे-धीरे वर्षा की फुहारें आकर उस नीरवता को तोड़ती हैं, जो सुख के आगमन का संकेत देती हैं।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. 'पर्वत प्रदेश में वापस' कविता में वर्षा ऋतु में पर्वतीय क्षेत्रों में होने वाले प्राकृतिक परिवर्तनों का उल्लेख किया गया है। आप अपने क्षेत्र में वर्षा ऋतु के दौरान होने वाले परिवर्तनों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर– 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में वर्षा ऋतु में पर्वतीय क्षेत्रों में होने वाले प्राकृतिक परिवर्तनों का उल्लेख किया गया है। ठीक उसी प्रकार हमारे क्षेत्र में पर्वतीय क्षेत्रों की तरह वर्षा ऋतु में पल-पल प्रकृति के रूप में परिवर्तन आ जाता है। कभी गहरा बादल, कभी तेज़ वर्षा व तालाबों से उठता धुआँ। ऐसे वातावरण को देखकर लगता है मानो वर्षा का देवता इंद्र बादल रूपी यान पर बैठकर जादू का खेल दिखा रहा हो। आकाश में उमड़ते-घुमड़ते बादलों को देखकर ऐसा लगता था जैसे बड़े-बड़े पहाड़ अपने पंखों को फड़फड़ाते हुए उड़ रहे हों। बादलों का उड़ना, चारों ओर धुआँ होना और मूसलाधार वर्षा का होना ये सब जादू के खेल के समान दिखाई दे रहे थे। हमारे पहाड़ी क्षेत्रों में ठीक इसी प्रकार का प्रकृति परिवेश वर्षा ऋतु में होता है।

2. कविता में प्रस्तुत प्राकृतिक परिवर्तनों का अपने शब्दों में वर्णन करें।

उत्तर– कविता में प्रस्तुत प्राकृतिक परिवर्तनों का वर्णन करते हुए कवि कहता है कि पर्वतीय प्रदेश में प्रतिक्षण, प्रतिपल प्रकृति में परिवर्तन होते हैं। कभी मूसलाधार वर्षा, कभी धूप तो कभी बादलों का छा जाना। धूप के निकलने पर आस-पास के वातावरण का सौंदर्य स्पष्ट होना। बादलों के आने से चारों ओर अँधेरा छा जाना, वृक्षों का धरती में धँस जाना-सा प्रतीत होना। झरनों का मोती की लड़ियों के समान सुशोभित होना। झरनों का झर-झर के स्वर से पर्वत का यशोगान करना आदि। कवि ने चित्रमयी भाषा में प्रकृति की मनुष्यों जैसी भावनाओं का वर्णन किया है। ऐसा लगता है कि प्रकृति सचमुच पल-पल अपना रूप बदलती है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

तोप

वीरेन डंगवाल (1947-2015)

5

– अभ्यास हेतु प्रश्न –

कविता पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. **तोप कहाँ स्थित है?**
   (क) लाल किला पर (ख) संग्रहालय में
   (ग) कंपनी बाग के मुहाने पर (घ) हावड़ा स्टेशन पर

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. **तोप कविता द्वारा कवि ने क्या संदेश दिया है?**
   (क) संघर्ष करने का
   (ख) पूर्व की गलतियों को नहीं दुहराने का
   (ग) दुश्मनों को हराने का
   (घ) अंतिम दम तक का लड़ने का

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

3. **कंपनी बाग में रखी तोप किसका प्रतीक है?**
   (क) अंग्रेज़ों की ताकत का
   (ख) अंग्रेज़ों के ज्ञान का
   (ग) अंग्रेज़ों द्वारा किए गए अत्याचारों का
   (घ) अंग्रेज़ों की इंसानियत का

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. **कवि के अनुसार कभी शक्तिशाली रही तोप अब किस काम आती है?**
   (क) युद्ध लड़ने में
   (ख) शक्ति प्रदर्शन में
   (ग) इतिहास को याद करने में
   (घ) छोटे बच्चों की घुड़सवारी में

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

5. **तोप को साल में कितनी बार चमकाया जाता था?**
   (क) एक बार (ख) दो बार
   (ग) चार बार (घ) पाँच बार

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

6. **कंपनी बाग में क्या रखा गया है?**
   (क) अंग्रेज़ों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले हथियार
   (ख) भारतीयों पर प्रयोग किए जाने वाले औज़ार
   (ग) इंगलैंड से मँगवाए गए आधुनिक हथियार
   (घ) पहले स्वतंत्रता-संग्राम के समय अंग्रेज़ों द्वारा उपयोग की गई तोप

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

7. **कवि के अनुसार तोप आने-जाने वाले सैलानियों से कहती है–**
   (क) एक वक्त था, जब मेरा इस्तेमाल खूब किया जाता था।
   (ख) अब मैं एक वस्तु बनकर रह गई हूँ।
   (ग) मुझे देखकर बड़े-बड़े सूरमाओं के पसीने छूट जाते थे।
   (घ) कई लोग मिलकर भी मुझे चला नहीं पाते थे।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

8. **तोप की वर्तमान स्थिति कैसी बताई गई है–**
   (क) एक सामान की तरह
   (ख) एक यादगार ऐतिहासिक निशानी के रूप में
   (ग) एक लोहे का विशाल हथियार
   (घ) दयनीय

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

9. **'छोटे लड़कों की घुड़सवारी से अगर वह फ़ारिग हो, तो उसके ऊपर बैठकर चिड़ियाँ ही अकसर करती हैं गपशप।' इस पंक्ति में कवि तोप की कौन-सी दशा को दर्शा रहे हैं–**
   (क) दयनीय दशा को
   (ख) भयंकर न भयानक दशा को
   (ग) बड़बोलेपन को
   (घ) शांत रूप को

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

10. **हमें एक मनुष्य के रूप में क्या शोभा देती है–**
   (क) विनम्र रहकर सज्जनों का आदर करना
   (ख) हमेशा खुश रहना
   (ग) दूसरों को तकलीफ़ में देखकर दुःखी होना
   (घ) दूसरों को खुश रखने का प्रयास करना

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

11. **'कंपनी बाग ················ दो बार।' इस पंक्ति में कवि क्या कहना चाह रहे हैं–**

(i) जिस तरह कंपनी बाग को साल में चमकाया जाता है उसी तरह तोप को दो बार चमकाया जाता है।

(ii) कंपनी बाग की साल में दो बार साफ़-सफ़ाई की जाती है।

(iii) तोप की सफ़ाई साल में दो बार होती है।

(iv) साल में दो बार तोप को चलाया जाता है।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iv)

(ग) (ii), (iii) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

12. **कविता में किन दो अवसरों पर तोप चमकाई जाती है–**

(i) 9 अगस्त (ii) 26 जनवरी

(iii) 25 दिसंबर (iv) 15 अगस्त

(क) (i), (ii) (ख) (iii), (iv)

(ग) (ii), (iv) (घ) (ii), (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

13. **'अब तो बहरहाल ················ घुस जाती हैं' इन पंक्तियों में तोप के किस स्थिति को कवि ने दर्शाने की कोशिश की है–**

(i) उसके बेकार होने की

(ii) सिर्फ़ देखने मात्र की वस्तु बनने की

(iii) दयनीय स्थिति की

(iv) नाकामी की

(क) (i), (ii) (ख) (iii), (iv)

(ग) (ii), (iv) (घ) (ii), (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

14. **तोप की बदहाली पर कवि क्या व्यंग्य कर रहे हैं–**

(i) कोई कितना भी बड़ा होता है, एक दिन तो उसका मुँह बंद होता है।

(ii) कोई कितना भी ताकतवर होता है ताकत हमेशा साथ नहीं रहती।

(iii) अपनी ताकत पर कभी घमंड नहीं करना चाहिए।

(iv) कोई कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो उसका अंत निश्चित है।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

15. **कवि के अनुसार तोप की वर्तमान स्थिति कैसी है–**

(i) आज किसी को उसके सामने आने से डर नहीं लगता।

(ii) बच्चे भी उसपर कूदते-फ़ाँदते रहते हैं।

(iii) यहाँ तक कि पक्षी भी उसपर बैठकर बातें करते हैं।

(iv) वह जहाँ खडी थी आज भी वहीं खड़ा दिखती है।

(क) (i), (ii)

(ख) (ii), (iv)

(ग) (iii), (iv)

(घ) (ii), (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित पद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

पद्यांश 1

सुबह-शाम कंपनी बाग में आते हैं बहुत से सैलानी
उन्हें बताती है यह तोप
कि मैं बड़ी जबर
उड़ा दिए थे मैंने
अच्छे-अच्छे सूरमों के धज्जे
अपने जमाने में

1. **'कि मैं बड़ी जबर थी'- प्रस्तुत पंक्तियों का आशय बताइए।**

(क) मैं बड़ी ही विवेकशील थी

(ख) मैं बड़ी ही जबरदस्त थी

(ग) मैं बड़ी ही मासूम थी

(घ) मैं बड़ी ही उपेक्षित थी

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. **'सूरमाओं' शब्द किसके लिए प्रयोग में लाया गया है?**

(क) अंग्रेज़ी सरकार के लिए

(ख) देशद्रोहियों के लिए

(ग) स्वतंत्रता सेनानियों के लिए

(घ) मुगलों के लिए

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।**

अभिकथन (A): कवि के अनुसार शक्ति हर कोई चाहता है।
कारण (R): मगर बीते समय में इसका प्रदर्शन हमें प्रसन्नता देता है।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. प्रस्तुत पंक्तियों में एक विडंबना दृष्टिगोचर होती है, वह क्या है?

(क) अपने ही देश में, अपने ही साधनों से, अपने ही लोगों का विनाश होना

(ख) अपने देश के समृद्धशाली, वैभवशाली और शक्तिशाली स्थिति का पता चलना

(ग) जीवन के एक कड़वे पहलू का पता चलना

(घ) तोप की तत्कालीन स्थिति का पता चलना

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

5. पद्यांश के अनुसार बताइए कि तोप अपनी कहानी .... को सुना रही है।

(क) वक्ताओं (ख) दर्शकों

(ग) पर्यटकों (घ) सभी

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. तोप का उद्देश्य क्या था?

उत्तर– तोप का उद्देश्य आम भारतीयों को आतंकित करना था।

2. तोप के ऊपर बैठकर शैतानी कौन करता है?

उत्तर– तोप के ऊपर बैठकर शैतानी गौरैया करती हैं।

3. गौरैया क्या शैतानी करती हैं?

उत्तर– गौरैया तोप पर बैठकर गपशप करती हैं और तोप के मुँह में घुस जाती हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. कविता में पूर्वजों से मिली विरासत की ओर संकेत किया गया है। कविता में इनकी सँभाल कैसे की जाती है?

उत्तर– विरासत में मिली चीज़ों की सँभाल होती है क्योंकि ये हमारी धरोहर होती हैं। 'तोप' को साल में दो बार चमकाया जाता है।

2. तोप और चिड़ियाँ किसका प्रतीक हैं? 'तोप' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **[CBSE 2014]**

उत्तर– 'तोप' प्रतीक है–अत्याचारी शासन व्यवस्था की और 'चिड़ियाँ' प्रतीक हैं उस आज़ादी की जो इस सत्य को उद्घाटित करती है कि कितना भी बड़ा अत्याचारी क्यों न हो एक-न-एक दिन तो उसका मुँह बंद हो ही जाता है।

3. विरासत में मिली धरोहरें हमारी भावी पीढ़ियों के लिए बहुत उपयोगी हैं। 'तोप' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– विरासत में मिली धरोहरें हमारी भावी पीढ़ियों के लिए बहुत उपयोगी हैं। 'तोप' कविता के आधार पर कहा जा सकता है कि धरोहर अनेक प्रकार की होती हैं। कुछ धरोहरें पूरे राष्ट्र के लिए होती हैं इसलिए उन्हें राष्ट्रीय धरोहर कहते हैं। तोप भी हमारी राष्ट्रीय धरोहर है। यह तोप हमें 1857 के स्वतंत्रता संघर्ष की याद दिलाती है तथा देशवासियों को संघर्ष करने की प्रेरणा देती है। धरोहरें हमें हमारी संस्कृति व इतिहास से जोड़ती हैं। ये हमें हमारे पूर्वजों, परंपरागत उपलब्धियों आदि से परिचय कराती हैं। इसी माध्यम से हम अपनी पीढ़ियों से जुड़े रहते हैं। साथ यह सीख मिलती है कि हमें अपने अतीत की गलतियों को दोहराना नहीं चाहिए। अपने देश की स्वतंत्रता की रक्षा एवं सम्मान करना चाहिए।

4. कंपनी बाग की तोप से हमें क्या जानकारी मिलती है? उससे मिलने वाली सीख का उल्लेख कीजिए। **[CBSE 2024]**

उत्तर– कंपनी बाग की तोप 1857 की क्रांति की प्रतीक है, जो नाना साहब और भारतीय सैनिकों के संघर्ष की गवाही देती है। यह तोप हमें स्वतंत्रता के लिए किए गए बलिदानों की याद दिलाती है। इससे हमें देशभक्ति, एकता और अन्याय के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा मिलती है। यह इतिहास की अमूल्य धरोहर है।

5. तोप जैसे लोगों का परिणाम भी तोप जैसा ही होता है, विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर– तोप जैसे लोग शक्तिशाली, प्रभावशाली और निर्णायक होते हैं। उनका प्रभाव समाज पर गहरा होता है, लेकिन यदि उनका उपयोग गलत दिशा में हो, तो विनाशकारी परिणाम सामने आते हैं। इसलिए, शक्ति के साथ विवेक आवश्यक है। सही दिशा में प्रयुक्त शक्ति समाज का उद्धार करती है, जबकि गलत दिशा में यह विनाश का कारण बनती है।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. 'तोप' पर्यटकों के लिए क्या संदेश देती है?

उत्तर– 'तोप' पर्यटकों के सम्मुख शेखी बघारते हुए कहती है कि एक ज़माने में उसका बहुत आतंक था और बड़े-बड़े

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

क्रांतिकारियों को उसके मुँह पर बाँधकर उड़ा दिया जाता था और उससे लोग आतंकित रहते थे। तोप अपना परिचय देते हुए बाग में आने वाले सैलानियों से कहती है कि वह सन् 1857 की तोप है। ऐसी तोपों का प्रयोग करके ही ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारतीयों के स्वतंत्रता पाने के प्रथम प्रयास को विफल कर दिया था।

2. 'तोप' का प्रयोग प्रायः रण-क्षेत्र में किया जाता है। पता लगाइए कि 'तोप' का आविष्कार कब और कहाँ हुआ?

उत्तर– तोप का प्रयोग प्रायः रण-क्षेत्र में किया गया है तथा आज भी युद्ध में प्रयोग किया जाता है। जिस प्रकार सन् 1857 के स्वतंत्रता संग्राम को अंग्रेज़ी सरकार ने तोप अर्थात ताकत के बलबूते पर अवश्य कुचल दिया था। तोप ने अपने ज़बरदस्त होने की विशेषता से सभी को परिचित करवाया है कि कैसे उसने अपने गोलों से एक से एक सूरमाओं की धज्जियाँ उड़ा दीं और अनगिनत वीरों ने उसके समक्ष अपने प्राणों की बाजी लगा दी। ठीक आज के समय में भी तोप का इस्तेमाल किया जाता है। किंतु सामान्यतः रूप से नहीं किया जाता है। सन् 1313 ई. में यूरोप में तोप के प्रयोग का प्रमाण मिलता है। भारत में बाबर ने पानीपत की लड़ाई (1526 ई.) में तोप का प्रयोग किया था। 1855 में लॉर्ड आर्मस्ट्रांग ने पिटवाँ लोहे की तोप का निर्माण किया।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

कर चले हम फ़िदा

कैफ़ी आज़मी (1919-2002)

6

– अभ्यास हेतु प्रश्न –

कविता पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. **कविता में रावण ·············· प्रतीक है।**

(क) ईर्ष्या का (ख) बुराई का

(ग) शत्रुओं का (घ) राक्षसों का

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. **प्रस्तुत गीत के माध्यम से गीतकार देशवासियों को क्या प्रेरणा देना चाह रहा है?**

(क) गीत गाने की

(ख) युद्ध में भाग लेने की

(ग) देशप्रेम का भाव जगाने की

(घ) कोरस गान करने की

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. **इस गीत में धरती की तुलना ·············· की गई है।**

(क) माँ से (ख) बहन से

(ग) दुलहन से (घ) गंगा नदी से

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. **मृत्यु के समय सैनिकों की अवस्था कैसी थी?**

(क) देशप्रेम से भरी (ख) दुःख से भरी

(ग) संकट से भरी (घ) वेदना से भरी

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

5. **गीत के अनुसार एक व्यक्ति के जीवन काल में कौन-सा समय बार-बार मिलता है?**

(क) मृत्यु का समय (ख) बालपन का समय

(ग) बलिदान का समय (घ) जीवित रहने का समय

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

6. **'कर चले हम फ़िदा जानो-तन साथियो, अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।' इस पंक्ति के माध्यम से कवि ने किनके बारे में बताया है–**

(क) उन लोगों के बारे में जो युद्ध में मारे गए

(ख) जो सैनिक युद्ध में घायल थे

(ग) जो शहीद हो गए थे

(घ) उन सैनिकों के बारे में जिन्होंने युद्ध करते-करते अपनी जान न्योछावर कर दीं।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

7. **'कट गए सर ·············· झुकने दिया।' इस पंक्ति में सैनिक क्या कहना चाह रहे हैं–**

(क) सर भले ही झुक जाए पर हिमालय पर आँच नहीं आनी चाहिए।

(ख) हिमालय देश का प्रहरी है वो देश की रक्षा करता है।

(ग) सर हमारा झुक जाए पर हम देश की शान को कम नहीं होने दें।

(घ) हिमालय का सर नहीं झुकना चाहिए।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

8. **'राह कुर्बानियों ·············· नए काफ़िले।' इस पंक्ति में सैनिक क्या संदेश दे रहे हैं–**

(क) कुर्बानी की राह वीरान नहीं होनी चाहिए।

(ख) कुर्बानियों को याद रखना चाहिए।

(ग) कुर्बानी देने का सिलसिला जो उन्होंने शुरू किया है वो रुकना नहीं चाहिए।

(घ) उनकी कुर्बानियाँ ज़रूर रंग लाएँगी।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

9. **सैनिकों ने देशवासियों को अपने सर पर कफ़न बाँधने को क्यों कहा है क्योंकि**

(क) कफ़न बाँधने से आज़ादी आसानी से मिल जाएगी।

(ख) इससे लोग मरने से डरने लगेंगे।

(ग) अपने देश को बचाने के लिए लोग पूरी तरह से तैयार होंगे।

(घ) कफ़न आजादी का प्रतीक होता है।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

10. **'तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले' इस पंक्ति में सैनिक हमसे क्या कहने की कोशिश कर रहे हैं–**

(क) नए-नए काफ़िले के साथ युद्‌ध में आना है।

(ख) एक जुटता से युद्‌ध करना है।

(ग) दुश्मनों को हराना है।

(घ) मरने का सिलसिला खत्म नहीं होना चाहिए।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

11. **'साँस थमती गई ……………… रुकने दिया' इस पंक्ति में कवि क्या कहना चाह रहे हैं–**

(i) भारत-चीन युद्‌ध में चीन लगातार आक्रमण कर रहा था।

(ii) हमारे हज़ारों सैनिक मारे गए।

(iii) सैनिकों की स्थिति मरणासन्न थी फिर भी वो अंतिम साँस तक लड़ते रहे।

(iv) वहाँ की ठंड से उनकी नाड़ियाँ जम रही थीं फिर भी वो लड़ते रहे।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (ii)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

12. **सैनिक देश के नौजवानों को किसके लिए प्रेरित कर रहे हैं–**

(i) सुंदरता और प्रेम को त्यागने के लिए

(ii) अपनी सुंदरता और प्रेम को देश के लिए त्याग दो

(iii) अपनी ताकत दूसरों पर मत आजमाना

(iv) ताकत का सही इस्तेमाल करना

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

13. **'खींच दो अपने खूं से ……………… न रावण कोई' इस पंक्ति में कवि क्या कहना चाहते हैं–**

(i) जिस तरह सीता माँ को रावण से बचाने के लिए लक्ष्मण ने एक लकीर खींची थी उसी प्रकार खून की लकीर खींच दो।

(ii) एक लकीर खींचकर रावण को आने से रोक लो।

(iii) रावण रूपी दुश्मन देश में आ न पाए ऐसी रेखा खींचो।

(iv) सैनिक अपने साथियों से ऐसी कुरबानी देने को कह रहे हैं जिससे वो रावण रूपी दुश्मन से देश को बचा सकें।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

14. **'तोड़ दो हाथ अगर ……………… दामन कोई।' इस पंक्ति के माध्यम से कवि देशवासियों को कौन-सी नसीहत दे रहे हैं–**

(i) दुश्मन का हाथ अगर सीता के दामन पर पड़े तो तोड़ दो।

(ii) देश की अस्मत की रक्षा सीता माँ की अस्मत की तरह ही करनी है।

(iii) जिस तरह रावण को माँ सीता के अस्मत पर प्रहार करने की सज़ा मिली उसी प्रकार देश की अस्मत पर प्रहार करने वालों के हाथ काट दो।

(iv) दुश्मनों के हाथ-पाँव सब तोड़ दो।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

15. **यह कविता एक फिल्म के लिए कैफ़ी आज़मी के द्‌वारा लिखी गई है। वह फिल्म है–**

(i) एक देशभक्ति फ़िल्म (ii) हकीकत

(iii) बार्डर (iv) एल ओ सी

(क) (i), (ii) (ख) (i), (iii)

(ग) (i), (iv) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

पद्‌यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित पद्‌यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

पद्‌यांश 1

जिंदा रहने के मौसम बहुत हैं मगर
जान देने की रुत रोज़ आती नहीं
हुस्न और इश्क दोनों को रुस्वा करे
वह जवानी जो खूँ में नहाती नहीं
आज धरती बनी है दुलहन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

1. **कवि ने मृत्यु को …………… संज्ञा दी है।**

(क) बलिदान की (ख) ऋतु की

(ग) वसंत की (घ) प्रेम की

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. **किस प्रकार का सैनिक हुस्न और इश्क दोनों की रुस्वाई करवाता है?**

(क) जो देश हित की बातें करता हैं मगर समय आने पर कठिनाइयों का रोना रोता है

(ख) जो अपनी प्रेमिका और उसके प्रेम के नाम पर युद्‌धभूमि से भाग आता है

(ग) जो युद्‌धभूमि पर देश के शत्रुओं से मिल जाता है और अपना कर्तव्य छोड़ देता है

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(घ) जो देश के सौंदर्य और प्रेम के गीत गाता है मगर समय आने पर बलिदान से भाग जाता है

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

3. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।**

अभिकथन (A): कवि कहता है कि हमें जीने के अवसर मिलते रहते हैं।

कारण (R): जीने से अधिक मृत्यु सौंदर्यशाली हैं।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

4. **प्रस्तुत पद्यांश में किस भाव का समावेश है?**

(क) शक्ति का (ख) वीरता का

(ग) प्रेम का (घ) गर्व का

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. **'रुस्वा' शब्द से सैनिक का क्या अभिप्राय है?**

(क) नाराज़ होने वाला (ख) प्रेम करने वाला

(ग) बदनाम करने वाला (घ) मूर्ख बनाने वाला

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

पद्यांश 2

खींच दो अपने खूँ से ज़मी पर लकीर
इस तरफ़ आने पाए न रावन कोई
तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे
छू न पाए सीता का दामन कोई
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

1. **सैनिकों को राम-लक्ष्मण कहा गया है क्योंकि**

(क) उन्होंने सीता को रावण से मुक्त करवाकर उसका नाश किया था

(ख) उन्होंने अधर्मी को सज़ा देकर धर्म की रक्षा की थी

(ग) उन्होंने राक्षसराज को समाप्त करके पृथ्वी पर शांति कायम की थी

(घ) उन्होंने हार नहीं मानी और अपने कर्तव्य का पालन किया था

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

2. **'भारतमाता के मान-सम्मान पर आँच न आए।'- प्रस्तुत वाक्य किस पंक्ति के अर्थ को प्रकट करता है?**

(क) खींच दो अपने खूँ से ज़मी पर लकीर

(ख) इस तरफ़ आने पाए न रावण कोई

(ग) तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे

(घ) छू न पाए सीता का दामन कोई

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

3. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।**

अभिकथन (A): कवि के अनुसार देश रूपी सीता की रक्षा करने की आवश्यकता है।

कारण (R): हमें राम तथा लक्ष्मण बनने को तत्पर हो जाना चाहिए।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. **'तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे'- प्रस्तुत पंक्ति के माध्यम से सैनिक क्या कहना चाहता है?**

(क) अपनी शक्ति का दुरुपयोग करने वाले को छोड़ो मत

(ख) देश के शत्रु पर दया मत करो, उसे मुँहतोड़ जवाब दो

(ग) देश के शत्रुओं से शांति से बात मत करो

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. **प्रस्तुत पद्यांश का क्या संदेश है?** **(मूल्यपरक प्रश्न)**

(क) देश की रक्षा हमारा कर्तव्य है इसलिए अपने प्राणों का मोह छोड़ दो

(ख) देश के मान-सम्मान की रक्षा के लिए हर हद पार कर जाओ

(ग) देश के शत्रुओं पर दया के स्थान पर मुँहतोड़ जवाब दो

(घ) ये सभी

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. 'रुत' एवं 'वतन' शब्दों का अर्थ बताएँ।

उत्तर– 'रुत' का अर्थ है मौसम तथा 'वतन' का अर्थ है देश।

2. सैनिक देशवासियों से क्या अपेक्षा कर रहा है?

उत्तर– सैनिक देशवासियों से अपेक्षा कर रहा है कि वे देश रक्षा हेतु हँसते-हँसते आत्म-बलिदान करेंगे।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. 'ज़िंदा रहने के मौसम बहुत हैं मगर जान देने की रुत रोज़ आती नहीं' इन पंक्तियों के द्वारा कवि क्या कहना चाहता है?

उत्तर– कवि का आशय है कि मनुष्य को ज़िंदा रहने के कई अवसर मिलते हैं किंतु देश के लिए बलिदान करने की रुत कभी-कभी आती है।

2. गीत में 'दुलहन' किसे और क्यों कहा गया है?

उत्तर– कविता में कवि ने धरती को दुलहन कहा है क्योंकि देश की रक्षा करते हुए, शहीद हुए सैनिकों के खून से धरती का रंग सुर्ख लाल हो गया है, जो किसी दुलहन के जोड़े का होता है।

3. कविता में 'रावण' शब्द का संदर्भ स्पष्ट करें।

उत्तर– 'रावण' शब्द देश के शत्रुओं के लिए प्रयुक्त किया गया है। यहाँ रावण शत्रुता का प्रतीक है।

4. आपकी दृष्टि में एक विद्यार्थी और एक सैनिक का जीवन किन अर्थों में लगभग समान होता है। अपने विचार सरल शब्दों में लिखिए।

उत्तर– विद्यार्थी और सैनिक दोनों देश की सेवा करते हैं – सैनिक सीमा पर, और विद्यार्थी ज्ञान से समाज को सशक्त बनाकर। 'कर चले हम फ़िदा' कविता में सैनिक देश के लिए बलिदान देता है, वैसे ही विद्यार्थी भी कठिन परिश्रम से राष्ट्र की भविष्य सँवारता है। दोनों अनुशासन, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक हैं।

5. 'खींच दो अपने ख़ूँ से ज़मीं पर लकीर
इस तरफ़ आने पाए न रावन कोई।'

(क) उपर्युक्त पंक्तियों द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं?

(ख) एक सजग नागरिक के रूप में देश की शांति और सुरक्षा में आपका क्या योगदान होना चाहिए? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर– (क) कवि कहना चाहते हैं कि देश की रक्षा के लिए हमें ऐसा मजबूत संकल्प लेना चाहिए कि कोई भी दुश्मन, चाहे वह रावण जैसा शक्तिशाली क्यों न हो, हमारे देश की सीमाओं को पार न कर सके।

(ख) एक सजग नागरिक के रूप में हमें कानून का पालन करना चाहिए, एकता बनाए रखनी चाहिए और समाज में शांति व सद्भाव फैलाना चाहिए। जरूरत पड़ने पर देश सेवा के लिए तत्पर रहना हमारा कर्तव्य है।

6. 'कर चले हम फिदा' कविता की पंक्ति 'साँस थमती गई, नब्ज जमती गई' में किस स्थिति का वर्णन किया गया है? इसमें सैनिक के हृदय की कौन-सी भावना व्यक्त हुई है?

[CBSE 2024]

उत्तर– प्रस्तुत पंक्ति 'साँस थमती गई, नब्ज जमती गई' में युद्धभूमि में घायल सैनिक की अंतिम स्थिति का वर्णन है। इसमें उसकी जीवन-लीला समाप्त होने का चित्रण है। इस पंक्ति के माध्यम से सैनिक के हृदय की राष्ट्रभक्ति और बलिदान की भावना व्यक्त होती है, जहाँ वह अपने प्राण त्यागते समय भी देश के लिए समर्पित रहता है।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. क्या वर्तमान समय में यह गीत सार्थक है? इस विषय पर अपने विचार लिखें।

उत्तर– इस देशभक्ति से पूर्ण कविता से हम सहमत हैं कि यह वर्तमान समय में सार्थक है क्योंकि देश की सीमा रेखा पर सैनिक मौजूद न हों तो रावण जैसा शत्रु देश को हानि पहुँचा सकता है। यह गीत हमारे अंदर देश रक्षा के लिए ऊर्जा का विस्तार करता है। यह कविता हमारे कर्तव्यों को समझाती है व देशवासियों को आत्म बलिदान करने के लिए तत्पर रहना सिखाती है। वर्तमान समय में भी यह कविता सभी देशवासियों के अंदर जोश भरती दिखती है तथा सैनिकों के जीवन संबंधी संघर्ष व आत्म बलिदान के कारणों को स्पष्ट करती है। सैनिकों के बलिदान की याद दिलाती है और उनके खून से धरती का शृंगार करने के बारे में बताती है। इस कविता के माध्यम से जीवन भर याद रह जाने वाले गीतों में हृदय का स्पर्श मिलता है। अतः कहा जा सकता है कि यह कविता वर्तमान समय में भी सार्थक है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

2. सैनिक अपनी जान देकर देश की रक्षा करते हैं। उनके प्रति हमारा क्या कर्तव्य होना चाहिए? लिखिए।

उत्तर– सैनिक अपनी जान देकर देश की रक्षा करते हैं। उनके प्रति हमारा कर्तव्य यह है कि हमें सैनिकों की तरह देश की रक्षा का भार सँभालने के लिए तत्पर रखना चाहिए। साथ ही यह ध्यान देना चाहिए कि देश का सम्मान किसी भी परिस्थिति में कम न हो जाए। हम सभी भारतीयों को, देश-प्रेमियों को देश की धरती को ही अपनी दुलहन समझना चाहिए। हमारा कर्तव्य है कि हम सभी साथियों को सिर पर कफ़न बाँधकर देश की रक्षा हेतु तत्पर रहना चाहिए। हमें भी राम और लक्ष्मण की भाँति धरती माता की पवित्रता की रक्षा करनी होगी। देश के प्रत्येक व्यक्ति को सैनिक बनना होगा और अपने देश के प्रति कर्तव्यों का पालन करने की आदत डालनी होगी।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

आत्मत्राण

रवींद्रनाथ ठाकुर (1861-1941)

7

– अभ्यास हेतु प्रश्न –

कविता पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. आत्मत्राण कविता में कवि किस पर जीत पाना चाहता है?

(क) दुःखों पर (ख) मन पर

(ग) दूसरों पर (घ) विरोधियों पर

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

2. आत्मत्राण का क्या अर्थ है?

(क) आत्मा के भय का निवारण

(ख) मन के भय का निवारण

(ग) अपनी रक्षा करना

(घ) उपरोक्त सभी

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

3. कवि कठिन परिस्थिति में भी क्या नहीं करना चाहता?

(क) चिंता करना (ख) जीतना

(ग) हारना (घ) दुःख में जीना

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. अंत में कवि ईश्वर से क्या प्रार्थना करता है?

(क) ईश्वर में आस्था बनी रहे।

(ख) आत्मविश्वास बनी रहे।

(ग) शारीरिक सुख मिलता रहे।

(घ) अपनों का सहयोग मिलता रहे।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

5. इस कविता का मूल क्या है?

(क) दुःख झेलना

(ख) सुखपूर्वक जीना

(ग) संघर्ष करना

(घ) पूर्ण समर्पण करना

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

6. कवि ईश्वर से किस बात के लिए विनती कर रहे हैं–

(क) जब उनपर दुःख आए तो ईश्वर उनके साथ खड़े रहें।

(ख) दुःख विपदा आने पर ईश्वर उनकी विपदा हर लें।

(ग) उनको विपदा को झेलने की शक्ति प्रदान करें।

(घ) उनके दुःख दूर करें।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

7. कवि अगर अपने जीवन-रूपी नाव को पार लगाने के लिए ईश्वर से प्रार्थना नहीं कर रहे तो किसके लिए प्रार्थना कर रहे हैं–

(क) उस शक्ति को पाने के लिए जिससे वे बिना किसी सहायता के अपनी नाव पार ले जाए।

(ख) उस तूफ़ान से न घबराएँ, ऐसी प्रार्थना कर रहे हैं।

(ग) उनके नाव को निकालने में उनकी मदद करें।

(घ) तूफ़ान को जल्दी से खत्म कर दे।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

8. 'केवल इतना रखना अनुनय वहन कर सकूँ इसको निर्भय' इस पंक्ति से कवि का क्या आशय है–

(क) केवल इतनी प्रार्थना है कि निर्भय होकर अपना जीवन निर्वाह करे।

(ख) जीवन में कोई भय न रहे।

(ग) कोई दुःख हमें छू न पाए।

(घ) अपने दुःख को कम कर सकूँ इतनी शक्ति दें।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

9. 'तुम पर करूँ नहीं कुछ संशय' कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

(क) क्योंकि जब मनुष्य दुःखी होता है तो ईश्वर के ऊपर दोष मढ़ता है।

(ख) ईश्वर को उस दुःख का ज़िम्मेदार मानता है।

(ग) ऐसे दुःख के समय भी कवि का ईश्वर पर से विश्वास न डिगे।

(घ) दुःख के समय सभी साथ छोड़ दें।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

10. दुःख के समय ही ईश्वर को याद करना मनुष्य के किस स्वभाव को दर्शाता है–

(क) उसकी महानता को

(ख) निर्बलता को

(ग) निर्भरता को

(घ) निर्भीकता को

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

11. 'कोई कहीं सहायक न मिले तो अपना बल पौरुष न हिले' कविता की इस पंक्ति से कवि का क्या तात्पर्य है–

(i) मेरे दुःख में किसी को सहायक बनाकर भेजिए।

(ii) अगर कोई सहायता न करे तो आप मेरी सहायता करो।

(iii) मुझे अपने दुःख से बाहर आने के लिए सहायता की आवश्यकता नहीं है।

(iv) मेरी आत्म-शक्ति को बनाए रखिए।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

12. कवि ईश्वर से बस वो शक्ति, बल चाहते हैं जिससे वो अपने कष्टों को हँसते-हँसते खत्म कर सकें। प्रस्तुत वाक्य कविता के किस पंक्ति की व्याख्या है–

(i) मेरा त्राण करो अनुदित तुम

(ii) बस इतना होवे (करुणामय)

(iii) यह मेरी प्रार्थना है

(iv) तरने की हो शक्ति अनामय

(क) (i), (iii) (ख) (ii), (iv)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

13. कवि ईश्वर से किस तरह की सहायता चाहते हैं–

(i) ईश्वर उनके दुःखों को कम करने में मदद करें।

(ii) कवि अकेले उस कष्ट से उबर सकें।

(iii) अपने आत्मविश्वास और हौसले को बनाए रखें।

(iv) ईश्वर उन्हें कोई दुःख प्रदान न करे।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

14. कोई भी उनके दुःख में सहायता न करे तो भी इतनी शक्ति ईश्वर से माँग रहे हैं कि उनका आत्मविश्वास न डगमगाए। ये पंक्ति कविता की किस पंक्ति का अर्थ है–

(i) हानि उठानी पड़े तो आप मेरी सहायता करो

(ii) मेरा त्राण करो अनुदित तुम यह मेरी प्रार्थना नहीं

(iii) हानि उठानी पड़े जगत् में लाभ अगर वंचना रही

(iv) तो भी मन में न मानूँ क्षय

(क) (i), (ii) (ख) (i), (iii)

(ग) (ii), (iv) (घ) (iii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

15. 'आत्मत्राण' कविता में कवि ईश्वर से क्या माँग रहे हैं?

(i) अपने लिए दुःख से लड़ने की शक्ति

(ii) अपने पौरुष को बनाए रखने का वरदान

(iii) दुःख दूर करने का वरदान

(iv) खुद के व परिवार वालों के लिए खुशी का वरदान

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित पद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

पद्यांश 1

कोई कहीं सहायक न मिले
तो अपना बल पौरुष न हिले;
हानि उठानी पड़े जगत् में लाभ अगर वंचना रही
तो भी मन में ना मानूँ क्षय।।
मेरा त्राण करो अनुदिन तुम यह मेरी प्रार्थना नहीं
बस इतना होवे (करुणायम)
तरने की हो शक्ति अनामय।

1. पद्यांश के आधार पर बताइए कि मुसीबत के समय सहायक न मिलने पर हम किस प्रकार से परिस्थितियों का सामना कर सकते हैं? (मूल्यपरक प्रश्न)

(क) भगवान से प्रार्थना करके

(ख) शांतिपूर्वक हल निकालकर

(ग) अपने आत्मबल पर विश्वास करके

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. 'हानि उठानी पड़े जगत् में लाभ अगर वंचना रही तो भी मन में ना मानूँ क्षय।'- प्रस्तुत पंक्ति का आशय नहीं होगा?

(क) इस जगत् में मुझे हर समय हानि प्राप्त हो

(ख) लाभ से वंचित रहना पड़े

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(ग) ऐसी स्थिति में मेरी मानसिक शक्ति का कभी नाश नहीं हो

(घ) मेरी प्रार्थना है कि मेरा आत्मबल बना रहे

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

3. निम्नलिखित कथन (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।**

अभिकथन (A): हमें लोगों द्वारा की गई अवहेलना को हृदय से नहीं लगानी चाहिए।

कारण (R): हमें केवल आत्मबल पर विश्वास होना चाहिए।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

4. 'त्राण' से कवि का अभिप्राय ……………… से है।

(क) प्राणों की रक्षा (ख) धन की रक्षा

(ग) भय से रक्षा (घ) शत्रुओं से रक्षा

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. कवि ईश्वर को किस नाम से पुकार रहा है?

(क) सहायक

(ख) करुणामय

(ग) अनामय

(घ) वंचना

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. 'निखिल मही' का शाब्दिक अर्थ बताइए।

उत्तर– निखिल मही का अर्थ है—संपूर्ण पृथ्वी।

2. 'करुणामय' शब्द किसके लिए प्रयोग हुआ है?

उत्तर– करुणामय शब्द यहाँ ईश्वर के लिए प्रयोग हुआ है।

3. 'आत्मत्राण' कविता में कोई सहायक न मिलने पर कवि की क्या प्रार्थना है? **[CBSE 2017]**

उत्तर– कवि कोई सहायक न मिलने पर प्रार्थना करता है कि विपत्ति में उसका बल और पौरुष न हिले, उसका आत्मबल और विश्वास न डिगे।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. कवि प्रभु से सांत्वना क्यों नहीं चाहता?

उत्तर– कवि संसार के सुख और दुःख से भरे दोनों रूपों को जीना चाहता है, उनका अनुभव करना चाहता है, इसलिए वह प्रभु से कोई सांत्वना नहीं चाहता।

2. सुख के दिनों में ईश्वर के प्रति लोगों का व्यवहार कैसा होता है? कारण सहित अपने विचार लिखिए।

उत्तर– सुख के दिनों में भी हमारी आस्था व विश्वास प्रभु में बना रहे। मुसीबत के क्षण में भी परमात्मा को याद करें। उसके प्रति विनम्र भाव प्रकट करना न भूलें। प्रायः दुःख में तो ईश्वर को सभी याद करते हैं परंतु सुख के दिनों में भूल जाते हैं। हमें सुख के प्रत्येक पल में परमात्मा का स्मरण करना चाहिए। उन्हें याद करना चाहिए। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि सुख के समय लोगों का व्यवहार घमंडी हो जाता है और वे परमात्मा को भूल बैठते हैं।

3. 'आत्मत्राण' कविता में चारों ओर से दुःखों से घिरने पर कवि परमेश्वर में विश्वास करते हुए भी स्वयं से क्या अपेक्षा करता है? **[All India 2013]**

उत्तर– 'आत्मत्राण' कविता में कवि चारों ओर से दुःखों से घिरने पर परमेश्वर में विश्वास करते हुए भी स्वयं से यह अपेक्षा करता है कि वह भयभीत, कायर, पराश्रित तथा नास्तिक होने से बचे। उसमें हर दुःख को सहन करने और संघर्ष पर विजय पाने का पौरुष बना रहे।

4. 'उस दिन ऐसा हो करुणामय,
तुम पर करूँ नहीं कुछ संशय।।'

उपर्युक्त पंक्तियों में कवि क्या कहना चाहते हैं? यदि आप किसी संशय की स्थिति में आते हो, तो आप क्या करोगे? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

5. मनुष्य को अपने साहस और पुरुषार्थ पर भाग्य से अधिक भरोसा रखना चाहिए। 'आत्मत्राण' कविता के आधार पर सिद्ध कीजिए।

उत्तर– वस्तुतः भगवान भी उसी की मदद करते हैं जो अपनी मदद स्वयं करता है। 'आत्मत्राण' कविता में कवि ईश्वर से विपत्ति पर जीत की शक्ति चाहते हैं। वे चाहते हैं कि किसी भी कठिनाई को साहस से पराजित किया जाए।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. 'मेरा भार अगर लघु करके न दो सांत्वना नहीं सही।' इस पंक्ति का क्या तात्पर्य है?

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

उत्तर– इस पंक्ति का तात्पर्य है कि हे ईश्वर, यदि मेरे ऊपर आए हुए संकटों का भार आप लघु करके सांत्वना नहीं देना चाहते तो कोई बात नहीं, आप मुझे इतनी शक्ति दे दो कि मैं उस विपदा रूपी सागर में तैरकर पार हो जाऊँ अर्थात् अपने संकटों, ज़िम्मेदारियों के भार को कम करके विपत्तियों से तर जाऊँ। यहाँ कवि अपने लिए आत्मबल की कामना करता है।

2. 'जब जगत् वंचना करे तो भी मैं ईश्वर पर न करूँ संशय' इस पंक्ति से कवि के विषय में क्या ज्ञात होता है?

उत्तर– इस पंक्ति से कवि का आशय है कि दुःख की रात में संपूर्ण जगत भले ही मुझे धोखा दे परंतु मैं आप पर किसी प्रकार का संदेह न करूँ। मेरे मन में आपके प्रति भक्ति भाव बना रहे। प्रायः ऐसा देखा जाता है कि लोग अपने साथ हुए अच्छी बातों के लिए स्वयं श्रेय लेता है, उसे अपने अच्छे कर्म का प्रतिफल मानता है। लेकिन जब उसी व्यक्ति के साथ कुछ अनिष्ट या बुरी घटना घटती है तो वह उसके लिए ईश्वर को दोषी मान लेता है। यहाँ कवि ऐसा नहीं चाहते। वे सदैव ईश्वर को धन्यवाद देना चाहते हैं। उनके लिए अपने मन में भक्ति की कामना करते हैं।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

स्पर्श—भाग 2

गद्य खंड

8. बड़े भाई साहब
9. डायरी का एक पन्ना
10. तताँरा-वामीरो कथा
11. तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र
12. अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले
13. पतझर में टूटी पत्तियाँ
    (*i*) गिन्नी का सोना
    (*ii*) झेन की देन
14. कारतूस

बड़े भाई साहब

प्रेमचंद (1880–1936)

8

– अभ्यास हेतु प्रश्न –

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. बड़े भाई साहब अपने अनुज से हमेशा कौन-सा पहला प्रश्न पूछते थे?

(क) अब तक तुम कहाँ थे?
(ख) तुम पढ़ते क्यों नहीं हो?
(ग) तुम खेलने कब जाओगे?
(घ) क्या तुम अपने दोस्तों के साथ थे?

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

2. लेखक को कौन-सा काम पहाड़ जैसा लगता था?

(क) घर का काम करना
(ख) दोस्तों के साथ मस्ती करना
(ग) पढ़ना
(घ) साइकिल चलाना

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. कहानी के अनुसार बड़े भाई साहब अपने मन की इच्छा क्यों दबाते थे?

(क) पिताजी के दबाव के कारण
(ख) अपने छोटे भाई के कारण
(ग) घर का बड़ा बेटा होने के कारण
(घ) अपनी अच्छी छवि दिखाने के कारण

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

4. कहानी के अनुसार बड़े भाई साहब वर्तमान शिक्षा प्रणाली का विरोध क्यों करते हैं?

(क) क्योंकि यह वास्तविकता से दूर है।
(ख) क्योंकि यह छात्रों को केवल किताबी ज्ञान देती है।
(ग) क्योंकि यह ज़्यादा खेल-कूद पर ध्यान देती है।
(घ) विकल्प (क) और (ख) दोनों

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

5. हेडमास्टर साहब द्वारा घर की स्वयं देख-रेख करने का क्या परिणाम हुआ?

(क) अच्छी बचत होने लगी।
(ख) वे सरदार बन गए।
(ग) खर्च का हिसाब ठीक से रहने लगा।
(घ) घर का प्रबंधन सुधर गया।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

6. 'तालीम जैसे भवन की बुनियाद खूब मज़बूत डालना चाहते थे।' इस पंक्ति के माध्यम से लेखक बड़े भाई साहब की किस विशेषता को बता रहे हैं–

(क) वे पढ़ाई को महत्त्व का विषय मानते थे।
(ख) वे पढ़ाई को जल्दबाज़ी में नहीं करना चाहते थे।
(ग) वे पढ़ाई में कमज़ोर थे।
(घ) पढ़ाई के मामले में वे मज़बूती से डटे थे।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

7. भाई साहब की लताड़ सुनकर लेखक क्या सोचते थे–

(क) क्यों न पढ़ाई छोड़ दें।
(ख) क्यों न भाई साहब को जवाब दे दें।
(ग) क्यों न वे घर चले जाएँ।
(घ) पढ़ाई उनके बूते की नहीं है।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

8. 'फिर भी जैसे मौत और विपत्ति के बीच आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है।' रेखांकित पंक्ति से लेखक का क्या अभिप्राय था–

(क) फटकार और घुड़कियाँ खाकर खेल-कूद का तिरस्कार नहीं कर सकता।
(ख) डाँट के डर से खेल-कूद को तिलांजलि दे दिया।
(ग) डाँट सुनकर पढ़ने बैठ जाता था।
(घ) भाई साहब का सम्मान करने के कारण उनकी बात मान लेता था।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

9. लेखक के भाई साहब उन्हें हमेशा क्या सलाह देते थे?

(क) पढ़ाई पर न ध्यान दें, बल्कि खेती की तरफ़ ध्यान दें।
(ख) खेल-कूद व्यर्थ है, उसमें समय न गंवाएँ।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(ग) उनसे कुछ सीखें।

(घ) हमेशा खेलते रहो।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

10. भाई साहब किस बात की जल्दबाज़ी नहीं करते थे?

(क) पढ़ाई के मामले में (ख) खेलने में

(ग) निर्णय लेने में (घ) किसी काम में

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

11. लेखक जब दूसरी बार भी पास हो गए तो उनके स्वभाव में क्या परिवर्तन आया?

(i) वे पढ़ाई में ध्यान देने लगे।

(ii) बड़े भाई साहब की सलाह मानने लगे।

(iii) वे बेबाक व घमंडी हो गए।

(iv) अब खेल-कूद पर अधिक ध्यान देने लगे।

(क) (i), (ii) (ख) (iii), (iv)

(ग) (ii), (iv) (घ) (iii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

12. लेखक के बिना पढ़े पास होने पर घमंड बढ़ जाने पर भाई साहब किसका उदाहरण देते थे?

(i) अंग्रेज़ों का

(ii) दुर्योधन का

(iii) रावण का, जो बुद्धिमान सम्राट था

(iv) वह रावण जिसके आगे देवतागण भी नतमस्तक थे

(क) (i), (ii) (ख) (iii), (iv)

(ग) (ii), (iii) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

13. बड़े भाई साहब के अनुसार वर्तमान समय में शिक्षा पद्धति कैसी है?

(i) जो वास्तविकता से दूर ले जाती है।

(ii) खेल-कूद पर ज़ोर देती है।

(iii) सिर्फ़ किताबी ज्ञान देती है।

(iv) ज़्यादा लाभकारी नहीं होती है।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

14. लेखक के पास होने पर भी भाई साहब क्या उपदेश देते थे?

(i) पास होने पर ही बुद्धिमान नहीं कहलाते।

(ii) शिक्षक की मेहरबानी से पास होते हैं।

(iii) सिर्फ़ इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज़ नहीं।

(iv) असल चीज़ है बुद्धि का विकास होना।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (ii), (iv) (घ) (iii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

15. कहानी के अंत में भाई साहब ने अपनी किस दबी हुई इच्छा का जिक्र लेखक से किया?

(i) गुल्ली डंडा खेलने का

(ii) क्रिकेट खेलने का

(iii) कनकौआ उड़ाने का

(iv) कटे कनकौए को लूटने का

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

गद्यांश 1

इतने मेले-तमाशे होते हैं, मुझे तुमने कभी देखने जाते देखा है? रोज़ ही क्रिकेट और हॉकी मैच होते हैं। मैं पास नहीं फटकता। हमेशा पढ़ता रहा हूँ, उस पर भी एक-एक दरजे में दो-दो, तीन-तीन साल पड़ा रहता हूँ फिर तुम कैसे आशा करते हो कि तुम यों खेल-कूद में वक्त गँवाकर पास हो जाओगे? मुझे तो दो ही तीन साल लगते हैं, तुम उम्र-भर इसी दरजे में पड़े सड़ते रहोगे। अगर तुम्हें इस तरह उम्र गँवानी है, तो बेहतर है, घर चले जाओ और मज़े से गुल्ली-डंडा खेलो। दादा की गाढ़ी कमाई के रुपये क्यों बरबाद करते हो?

मैं यह लताड़ सुनकर आँसू बहाने लगता। जवाब ही क्या था। अपराध तो मैंने किया, लताड़ कौन सहे? भाई साहब उपदेश की कला में निपुण थे। ऐसी-ऐसी लगती बातें कहते, ऐसे-ऐसे सूक्ति-बाण चलाते कि मेरे जिगर के टुकड़े-टुकड़े हो जाते और हिम्मत टूट जाती। इस तरह जान तोड़कर मेहनत करने की शक्ति मैं अपने में न पाता था और उस निराशा में ज़रा देर के लिए मैं सोचने लगता – 'क्यों न घर चला जाऊँ। जो काम मेरे बूते के बाहर है, उसमें हाथ डालकर क्यों अपनी ज़िंदगी खराब करूँ।'

1. प्रस्तुत गद्यांश में बड़े भाई साहब किसके महत्व को दर्शाना चाहते हैं? (मूल्यपरक प्रश्न)

(क) डाँट के (ख) शिक्षा के

(ग) बड़ों के (घ) खेल के

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. भाई साहब किस कला में निपुण कहे गए हैं?

(क) डाँटने की (ख) समझाने की

(ग) उपदेश देने की (घ) समस्या सुलझाने की

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

3. **बड़े भाई साहब के अनुसार विद्वान बनने के लिए क्या-क्या करना पड़ता है?**

(क) कठोर परिश्रम और निरंतर अभ्यास

(ख) दृढ़ता और आत्मविश्वास

(ग) सच्चाई और धैर्य

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

4. **'क्यों न घर चला जाऊँ। जो काम मेरे बूते के बाहर है, उसमें हाथ डालकर क्यों अपनी ज़िंदगी खराब करूँ।' प्रस्तुत पंक्ति से लेखक के स्वभाव का कौन-सा पक्ष उभरकर आता है?**

(क) परिश्रम से डरने वाला

(ख) सकारात्मक विचार वाला

(ग) मूल्यांकन करने की क्षमता में कमी

(घ) समस्याओं का डटकर सामना करने वाला

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

5. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**

कथन (A)ः दादा की गाढ़ी कमाई का सदुपयोग किया जा सकता है।

कारण (R)ः वह सही खेल को जीविका के साधन के रूप में चुने।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

गद्यांश 2

शैतान का हाल भी पढ़ा ही होगा। उसे यह अभिमान हुआ था कि ईश्वर का उससे बढ़कर सच्चा भक्त कोई है ही नहीं। अंत में यह हुआ कि स्वर्ग से नरक में ढकेल दिया गया। शाहेरूम ने भी एक बार अहंकार किया था। भीख माँग-माँगकर मर गया। तुमने तो अभी केवल एक दरजा पास किया है और अभी से तुम्हारा सिर फिर गया, तब तो तुम आगे पढ़ चुके। यह समझ लो कि तुम अपनी मेहनत से नहीं पास हुए, अंधे के हाथ बटेर लग गई। मगर बटेर केवल एक बार हाथ लग सकती है, बार-बार नहीं। कभी-कभी गुल्ली-डंडे में भी अंधा चोट निशाना पड़ जाता है। उससे कोई सफल खिलाड़ी नहीं हो जाता। सफल खिलाड़ी वह है, जिसका कोई निशाना खाली न जाए।

1. **गद्यांश के अनुसार शैतान की किस गलती ने उसे भक्त से शैतान बना दिया? (मूल्यपरक प्रश्न)**

(क) ईश्वर की सत्ता पर अविश्वास करना

(ख) ईश्वर की सत्ता पर विश्वास करना

(ग) अन्य भक्तों पर अत्याचार करना

(घ) अपनी भक्ति पर अहंकार करना

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

2. **शाहेरूम को अभिमान करने की क्या सज़ा मिली?**

(क) ईश्वर द्वारा छोड़ दिया गया

(ख) संसार द्वारा अपमानित किया गया

(ग) सारी उम्र भिक्षा माँगकर व्यतीत करना

(घ) देवदूत के प्रतिष्ठित पद से निरस्त किया गया

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. **तुम अपनी मेहनत से नहीं पास हुए, अंधे के हाथ बटेर लग गई।–प्रस्तुत कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।**

(क) मेहनत के स्थान पर बिना कुछ किए कीमती चीज़ मिल जाना

(ख) प्रयास किसी और चीज़ के लिए करना और कुछ और मिलना

(ग) भाग्य के कारण बड़ा अवसर प्राप्त हो जाना

(घ) बड़ों की डाँट के कारण लक्ष्य प्राप्त करना

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

4. **बड़े भाई साहब सफलता की निशानी किसे मानते हैं?**

(क) अहंकार को समाप्त करना

(ख) लगातार प्रयास करते रहना

(ग) हार होने पर भी रुकना नहीं

(घ) किया गया हर वार निशाने पर लगे

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

5. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**

कथन (A)ः शैतान को यह अभिमान हुआ था कि ईश्वर का उससे बढ़कर सच्चा भक्त कोई है ही नहीं।

कारण (R)ः स्वर्ग से नर में ढकेल दिया क्योंकि अहंकार ने उसका पतन कर दिया था।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

गद्यांश 3

फिर सालाना इम्तिहान हुआ और कुछ ऐसा संयोग हुआ कि मैं फिर पास हुआ और भाई साहब फिर फ़ेल हो गए। मैंने बहुत मेहनत नहीं

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

की, पर न जाने कैसे दरजे में अव्वल आ गया। मुझे खुद अचरज हुआ। भाई साहब ने प्राणांतक परिश्रम किया था। कोर्स का एक-एक शब्द चाट गये थे, दस बजे रात तक इधर, चार बजे भोर से उधर, छः से साढ़े नौ तक स्कूल जाने के पहले। मुद्रा कांतिहीन हो गई थी, मगर बेचारे फ़ेल हो गए। मुझे उन पर दया आती थी। नतीजा सुनाया गया, तो वह रो पड़े और मैं भी रोने लगा। अपने पास होने वाली खुशी आधी हो गई। मैं भी फ़ेल हो गया होता, तो भाई साहब को इतना दुःख न होता, लेकिन विधि की बात कौन टाले? मेरे और भाई साहब के बीच में अब केवल एक दरजे का अंतर और रह गया। मेरे मन में एक कुटिल भावना उदय हुई कि कहीं भाई साहब एक साल और फ़ेल हो जाएँ, तो मैं उनके बराबर हो जाऊँ, फिर वह किस आधार पर मेरी फ़जीहत कर सकेंगे, लेकिन मैंने इस विचार को दिल से बलपूर्वक निकाल डाला। आखिर वह मुझे मेरे हित के विचार से ही तो डाँटते हैं। मुझे इस वक्त अप्रिय लगता है अवश्य, मगर यह शायद उनके उपदेशों का ही असर है कि मैं दनादन पास होता जाता हूँ और इतने अच्छे नंबरों से।

1. **लेखक का अंतर्मन उसे कब कचोटता है? (मूल्यपरक प्रश्न)**
   (क) जब उसने बड़े भाई से अधिक अंक प्राप्त किए
   (ख) जब उसने बड़े भाई को फ़ेल होने पर रोते हुए देखा
   (ग) जब उसने देखा कि बड़े भाई फ़ेल हो गए हैं और वह प्रथम आया है
   (घ) जब उसके मन में बड़े भाई के पुनः फ़ेल होने की कुटिल भावना का उदय हुआ

उत्तर–**सही विकल्प (घ) है।**

2. **गद्यांश के आधार पर बताइए कि कौन-सा विकल्प लेखक के स्वभाव से विपरीत है?**
   (क) अपने बड़ों से प्रेम करने वाला
   (ख) दूसरों के दुःख पर दुःखी होने वाला
   (ग) दूसरों के दुःख में अपना सुख खोजने वाला
   (घ) बड़ों के महत्व और उनकी फटकार में छिपे प्रेम को समझने वाला

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. **लेखक ने अपनी सफलता का श्रेय किसे दिया?**
   (क) भाग्य को (ख) बड़े भाई को
   (ग) कठिन परिश्रम को (घ) ये सभी

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. **'यह शायद उनके उपदेशों का ही असर है कि मैं दनादन पास होता जाता हूँ और इतने अच्छे नंबरों से।' प्रस्तुत कथन के माध्यम से लेखक ने जो कहा है, वह उचित क्यों है?**
   (क) क्योंकि उपदेशों से उत्पन्न भय हमें मार्ग से भटकने नहीं देता।
   (ख) क्योंकि उपदेश सुनने से बचने के लिए हम कार्य को अनदेखा कर देते हैं।
   (ग) क्योंकि उपदेश हमारे लिए प्रेरणा-स्रोत की तरह कार्य करते हैं।
   (घ) क्योंकि उपदेश दिमाग में पड़ी धूल को साफ़ कर देते हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

5. **निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**
   कथन (A)ः मेरे मन में एक कुटिल भावना उदय हुई।
   कारण (R)ः मैं उनके बराबर हो जाऊँ, फिर वह किस आधार पर मेरी फ़जीहत कर सकेंगे।
   (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
   (ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।
   (ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।
   (घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

गद्यांश 4

हम-तुम तो इतना भी नहीं जानते कि महीने-भर का खर्च महीना-भर कैसे चले। जो कुछ दादा भेजते हैं, उसे हम बीस-बाईस तक खर्च कर डालते हैं और फिर पैसे-पैसे को मुहताज हो जाते हैं। नाश्ता बंद हो जाता है, धोबी और नाई से मुँह चुराने लगते हैं, लेकिन जितना आज हम और तुम खर्च कर रहे हैं, उसके आधे में दादा ने अपनी उम्र का बड़ा भाग इज़्ज़त और नेकनामी के साथ निभाया है और कुटुम्ब का पालन किया है जिसमें सब मिलकर नौ आदमी थे। अपने हेडमास्टर साहब ही को देखो। एम.ए. हैं कि नहीं और यहाँ के एम.ए. नहीं, आक्सफोर्ड के। एक हज़ार रुपये पाते हैं; लेकिन उनके घर का इंतज़ाम कौन करता है? उनकी बूढ़ी माँ। हेडमास्टर साहब की डिग्री यहाँ बेकार हो गई। पहले खुद घर का इंतज़ाम करते थे। खर्च पूरा न पड़ता था। कर्ज़दार रहते थे। जब से उनकी माता जी ने प्रबंध अपने हाथ में ले लिया है, जैसे घर में लक्ष्मी आ गई।

1. **प्रस्तुत गद्यांश के माध्यम से किन दो छिपे विषयों पर हमारा ध्यान केंद्रित करने का प्रयास किया गया है? (मूल्यपरक प्रश्न)**
   (क) हेडमास्टर साहब की अनुभवहीनता और उनकी माता की समझदारी पर
   (ख) दो पीढ़ियों के विचारों और कार्य प्रणाली के मध्य व्याप्त अंतर पर
   (ग) बड़े भाई साहब और छोटे भाई के स्वभाव में व्याप्त अंतर पर
   (घ) किताबी ज्ञान और जीवन से प्राप्त अनुभव पर

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

2. **घर में लक्ष्मी आना से लेखक का क्या तात्पर्य है? उचित विकल्प का चयन कीजिए।**

(i) देवी लक्ष्मी के दर्शन होना

(ii) धन वैभव आना

(iii) घर का कुशलता से प्रबंधन होना

(iv) नव वधू का आना

(क) (i) और (ii) (ख) (i) और (iii)

(ग) (ii) और (iii) (घ) (i) और (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. **बड़े भाई साहब के अनुसार शिक्षा का महत्त्व किसके आगे महत्त्वहीन हो जाता है?**

(क) बड़ों द्वारा कुटुंब पालन के कर्तव्य के आगे

(ख) जीवनभर कमाए सम्मान के आगे

(ग) जीवन से प्राप्त अनुभव के आगे

(घ) अपने घर के बड़ों के आगे

उत्तर–**सही विकल्प (ग) है।**

4. **यहाँ के एम.ए. नहीं, आक्सफोर्ड के।–प्रस्तुत पंक्ति किस विडंबना को दर्शाती प्रतीत होती है?**

(क) भारतीय शिक्षा प्रणाली में भारतीयों के विश्वास पर

(ख) विदेशी शिक्षा प्रणाली में भारतीयों के विश्वास पर

(ग) भारतीय शिक्षा प्रणाली में व्याप्त गड़बड़ी पर

(घ) विदेशी शिक्षा प्रणाली में व्याप्त गड़बड़ी पर

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**

कथन (A): हेड मास्टर साहब की डिग्री यहाँ बेकार हो गई।

कारण (R): हेड मास्टर साहब के जीवन के प्रति अनुभवहीनता के कारण वे घर का कुशल प्रबंधन नहीं कर पाते थे।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. बड़े भाई साहब ने क्रोधित होकर छोटे भाई को क्या हिदायत दी?

उत्तर– बड़े भाई साहब ने क्रोधित होकर छोटे भाई को कहा कि वह घर जाकर आराम से गुल्ली-डंडा खेले और दादा (पिता) की गाढ़ी कमाई के रुपये पढ़ाई के नाम पर बरबाद न करे।

2. रौद्र रूप धारण करने का क्या तात्पर्य है?

उत्तर– इसका तात्पर्य है—बहुत अधिक क्रोधित हो जाना।

3. लेखक को कनकौए लूटने के लिए दौड़ते देख भाई साहब की क्या प्रतिक्रिया हुई?

उत्तर– भाई साहब बहुत नाराज़ हुए।

4. नतीजा सुनने पर बड़े भाई साहब की क्या प्रतिक्रिया हुई?

उत्तर– नतीजा सुनने पर बड़े भाई साहब रो पड़े और लेखक के अपने पास होने की खुशी आधी हो गई।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. लेखक का जी किस काम में बिलकुल भी नहीं लगता था और कौन-से कार्यों में उनकी रुचि थी?

उत्तर– लेखक का जी पढ़ने में बिलकुल न लगता था। लेखक को कनकौए उड़ाने, गिल्ली-डंडा खेलने तथा कागज़ की तितलियाँ उड़ाने में रुचि थी।

2. बड़े भाई साहब के अनुसार बड़े-बड़े विद्वान भी क्या नहीं कर सकते?

उत्तर– बड़े भाई साहब के अनुसार बड़े-बड़े विद्वान भी शुद्ध अंग्रेज़ी नहीं लिख सकते।

3. बड़े भाई साहब अनुभव का महत्त्व बताते हुए किस-किस का उदाहरण देते हैं?

उत्तर– बड़े भाई साहब अनुभव का महत्त्व बताते हुए अपने पिता, अपने हेडमास्टर व उनकी माता जी का उदाहरण देते हैं।

4. दूसरी बार बड़े भाई के फ़ेल हो जाने पर छोटे भाई की मनोदशा कैसी थी?

उत्तर– दूसरी बार बड़े भाई के फ़ेल हो जाने पर छोटे भाई को उन पर दया आ गई।

5. बड़े भाई साहब पाठ के आधार पर यह सिद्ध कीजिए कि एक उच्च शिक्षा प्राप्त व्यक्ति भी प्रबंधन की कला में अक्षम हो सकता है।

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

6. खेलों में रुचि होते हुए भी बड़े भाई साहब अपने शौक को पूरा क्यों नहीं कर पाते थे? **[CBSE 2023]**

उत्तर– खेलों में रुचि होते हुए भी बड़े भाई साहब अपने शौक को पूरा नहीं कर पाते थे क्योंकि उनका मानना था कि खेलों में

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

समय बिताने से पढ़ाई पर बुरा असर पड़ेगा। वे स्वयं को अपने छोटे भाई के लिए आदर्श बनाना चाहते थे।

7. 'मेरे रहते तुम बेराह न चल पाओगे'— पंक्ति से बड़े भाई के कर्तव्य और अधिकार का पता कैसे चलता है?

उत्तर– प्रस्तुत पाठ में बड़े भाई का मानना था कि बड़ा होने के नाते यह उनका कर्तव्य है कि उनको छोटे भाई के मार्गदर्शक के रूप में होना चाहिए। सही राह दिखाने की ज़िम्मेदारी उनकी है। साथ ही यह उनका अधिकार है कि वह अपने छोटे भाई पर नियंत्रण रख सकें। अपने भाई को अनुशासन में रख सकें।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. दूसरी बार भी कक्षा में अव्वल आ जाने पर लेखक के व्यवहार में क्या अंतर आया?

उत्तर– दूसरी बार भी कक्षा में अव्वल आ जाने पर छोटे भाई के व्यवहार में स्वच्छंदता का समावेश हो गया था क्योंकि उनके बड़े भाई साहब फेल हो गए थे और लेखक और उनके बड़े भाई के बीच केवल एक कक्षा का अंतर रह गया था। बड़े भाई साहब अब कुछ नरम पड़ गए थे। उन्हें लगता था कि अब डाँटने का अधिकार बड़े भाई साहब के पास नहीं रहा। उसे इस बात का अभिमान हो गया था कि वह पढ़े या न पढ़े पास हो ही जाएगा। तकदीर उसका साथ दे रही थी। इसलिए वह बड़े भाई साहब की सहनशीलता का अनुचित लाभ उठाने लग गया था। बड़े भाई साहब के प्रति उसका पहले जैसा आदर भाव भी नहीं रहा था जो उसके हाव-भाव, रंग-ढंग से स्पष्ट दिखाई दे रहा था।

2. 'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर छोटे भाई का चरित्र चित्रण कीजिए।

उत्तर– छोटे भाई की उम्र बड़े भाई साहब से पाँच साल कम है। छोटा भाई बड़े भाई की अपेक्षा अक्लमंद है। छोटे भाई का मन पढ़ने-लिखने में बिलकुल भी नहीं था। वह एक घंटा भी किताब लेकर बैठना पहाड़ मानता था। मौका पाते ही होस्टल से निकलकर मैदान में चला जाता, कभी कंकरियाँ उछालता, कभी कागज़ की तितलियाँ उड़ाता और अगर कोई साथी मिल जाए, तो पूछना ही क्या। कभी चारदीवारी पर चढ़कर नीचे कूदता, कभी फाटक पर सवार, उसे आगे-पीछे चलाते हुए मोटरकार का आनंद उठाता। कभी-कभी छत पर चढ़कर दूसरे लड़कों के साथ पतंग लूटता। छोटे भाई का मन खेलकूद तथा मनोरंजन में अधिक रहता था। इस प्रकार छोटा भाई शरारती किस्म का व्यक्ति है।

3. 'बड़े भाई साहब' नामक कहानी से आपको क्या प्रेरणा मिलती है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **[CBSE 2016]**

उत्तर– बड़े भाई साहब कहानी हमें यह प्रेरणा देती है कि हमें अपनी स्थिति, शक्ति को समझना चाहिए। उसी के अनुसार व्यवहार करना चाहिए। जो कार्य हम स्वयं नहीं करते हैं, उसकी दूसरों से उम्मीद करना व्यर्थ है। यदि हम खुद योग्य नहीं, सफल नहीं तो हम किसी को उपदेश देने का अधिकार खो बैठते हैं। इस पाठ से हमें यह संदेश मिलता है कि परीक्षा के तनाव में सारा समय किताबों में घुसे रहने की अपेक्षा पढ़ाई सहज रूप से करें। पढ़ाई को रटने की बजाय उसे समझने की कोशिश करें। अपनी समझ को हमें विकसित करना चाहिए ताकि हम रटने की बजाय समझने में अधिक समय व्यतीत करें। पाठ में लेखक की रुचि खेलने-कूदने में है। इसलिए खेलकूद भी पढ़ाई में बाधक नहीं होता है बल्कि सहायक होता है। जिससे हमारा शरीर हृष्ट-पुष्ट बना रहता है।

4. बड़े भाई साहब का चरित्र-चित्रण कीजिए। **[CBSE 2017, 2018]**

उत्तर– बड़े भाई साहब की स्वभावगत विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(क) अध्ययनशील व गंभीर प्रवृत्ति—बड़े भाई साहब स्वभाव से ही अध्ययनशील थे। वे हरदम किताबें खोले बैठे रहते थे। वे गंभीर प्रवृत्ति के थे।

(ख) घोर परिश्रमी—बड़े भाई साहब भले ही पढ़ाई को ठीक प्रकार से नहीं समझ पाते थे लेकिन उन्होंने परिश्रम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वे दिन-रात पढ़ते थे। उनकी तपस्या बड़े-बड़े तपस्वियों को भी मात करती थी।

(ग) वाक्पटु—बड़े भाई साहब वाक् कला में निपुण थे।

(घ) उपदेश देने की कला में निपुण—बड़े भाई साहब उपदेश देने की कला में निपुण थे।

(ङ) बड़ों का आदर—बड़े भाई साहब बड़ों का आदर करते थे।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

डायरी का एक पन्ना

9

सीताराम सेकसरिया (1892–1982)

– अभ्यास हेतु प्रश्न –

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. इनमें से कौन कोलकाता विद्यार्थी संघ के मंत्री थे?

(क) पूर्णोदास (ख) अविनाश बाबू
(ग) नेताजी सुभाष (घ) डॉ. दासगुप्ता

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. 26 जनवरी 1931 का दिन क्यों महत्वपूर्ण है?

(क) इसी दिन भारत का संविधान लागू हुआ था।
(ख) देशवासियों ने इस दिन को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया था।
(ग) इस दिन देश आज़ाद हुआ था।
(घ) सुभाष बाबू को इसी दिन गिरफ़्तार किया गया था।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

3. युद्ध मंत्री हरिश्चंद्र ने किस पार्क में झंडा फहराने का प्रयास किया?

(क) मिलेनियम पार्क (ख) तारा सुंदरी पार्क
(ग) श्रद्धानंद पार्क (घ) बड़ा बाज़ार पार्क

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. पाठ के अनुसार प्रथम स्वतंत्रता दिवस कब मनाया गया?

(क) 15 अगस्त 1947 (ख) 26 जनवरी 1950
(ग) 26 जनवरी 1930 (घ) 26 जनवरी 1931

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. डॉ. दासगुप्ता कौन-सा कार्य कर रहे थे?

(क) जुलूस का संचालन
(ख) घायलों का फोटो उतरवा रहे थे।
(ग) घायलों की देखभाल कर रहे थे।
(घ) विकल्प (ख) और (ग) दोनों

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

6. 26 जनवरी 1931 को सारे हिंदुस्तान में क्या मनाया गया था?

(क) गणतंत्र दिवस (ख) मजदूर दिवस
(ग) स्वतंत्रता दिवस (घ) महिला दिवस

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

7. क्रांतिकारियों को सभा न करने का नोटिस किसने निकाला था?

(क) पुलिस इंसपेक्टर
(ख) पुलिस कमिश्नर
(ग) पुलिस अधीक्षक
(घ) सारजेंट

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

8. जुलूस जैसे ही मैदान के मोड़ पर पहुँची अचानक से क्या हुआ?

(क) सारे कार्यकर्ता ज़ोर-ज़ोर से वंदे मातरम् का नारा लगाने लगे।
(ख) जुलूस एकदम शांत हो गई।
(ग) पुलिस की कई गाड़ियाँ सायरन बजाती वहाँ से गुज़र गईं।
(घ) पुलिस ने लाठियाँ चलानी शुरू कर दी।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

9. सुभाष बाबू को पकड़कर कहाँ भेजा गया?

(क) लाल बाज़ार लॉकअप
(ख) सेंट्रल जेल
(ग) तड़ीपार किया गया
(घ) नज़रबंद कर दिया गया

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

10. सब मिलाकर कितनी स्त्रियाँ गिरफ़्तार हुईं?

(क) 100 (ख) 105
(ग) 160 (घ) 95

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

11. गुजराती सेविका संघ की ओर से जुलूस निकला जिसमें–

(i) बहुत-सी महिला कार्यकर्ता थीं।
(ii) बहुत से पुरुष कार्यकर्ता भी थे।
(iii) बहुत-सी लड़कियाँ थीं।
(iv) सभी सेविका संघ के साथ थी।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

12. **कौंसिल ने क्या नोटिस दिया?**

(i) मोनुमेंट के नीचे ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर झंडा फहराया जाएगा।

(ii) अंग्रेज़ों के खिलाफ़ सविनय अवज्ञा की जाएगी।

(iii) स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी।

(iv) अंग्रेज़ों के सभा करने से रोकने पर भी सभा होगी।

(क) (i), (ii) (ख) (i), (iv)

(ग) (i), (iii) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

13. **जब पुलिस सभा पर लाठियाँ बरसा रही थी, उस समय स्त्रियाँ क्या कर रही थीं?**

(i) उनके ऊपर लाठियाँ पड़ रही थीं, पर वो वहाँ से हिल नहीं रही थीं।

(ii) मोनुमेंट की सीढ़ियों पर चढ़कर झंडा फहरा रही थीं।

(iii) घोषणा पढ़ रही थीं।

(iv) वंदे मातरम् का नारा लगा रही थीं।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (ii), (iv) (घ) (iii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

14. **लालबाज़ार में स्त्रियों के जुलूस के साथ क्या हुआ?**

(i) कुल मिलाकर 105 स्त्रियों को गिरफ़्तार किया गया।

(ii) कलकत्ता में आज तक इतनी स्त्रियाँ एक साथ गिरफ़्तार नहीं की गई थीं।

(iii) पुलिस ने वहाँ लाठी चार्ज कर दिया।

(iv) वहाँ कई स्त्रियों को गहरी चोटें आईं।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

15. **लेखक ने 'डायरी का एक पन्ना' किस दिन लिखा?**

(i) 25 दिसंबर 1932

(ii) 26 जनवरी 1931

(iii) जिस दिन पूरे देश में अंग्रेज़ों के खिलाफ़ आंदोलन शुरू हुआ।

(iv) जिस दिन कलकत्ता में अघोषित स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था।

(क) (i), (ii) (ख) (i), (iii)

(ग) (ii), (iv) (घ) (iii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

गद्यांश 1

मोनुमेंट के नीचे जहाँ शाम को सभा होने वाली थी उस जगह को तो भोर में छह बजे से ही पुलिस ने बड़ी संख्या में घेर लिया था पर तब भी कई जगह तो भोर में ही झंडा फहराया गया। श्रद्धानंद पार्क में बंगाल प्रांतीय विद्यार्थी संघ के मंत्री अविनाश बाबू ने झंडा गाड़ा तो पुलिस ने उनको पकड़ लिया तथा और लोगों को मारा या हटा दिया। तारा सुंदरी पार्क में बड़ा-बाज़ार कांग्रेस कमेटी के युद्ध मंत्री हरिश्चंद्र सिंह झंडा फहराने गए पर वे भीतर न जा सके। वहाँ पर काफी मारपीट हुई और दो-चार आदमियों के सिर फट गए। गुजराती सेविका संघ की ओर से जुलूस निकाला जिसमें बहुत-सी लड़कियाँ थीं उनको गिरफ्तार कर लिया।

11 बजे मारवाड़ी बालिका विद्यालय की लड़कियों ने अपने विद्यालय में झंडोत्सव मनाया। जानकीदेवी, मदालसा (मदालसा बजाज–नारायण) आदि भी गई थीं। लड़कियों को, उत्सव का क्या मतलब है, समझाया गया। एक बार मोटर में बैठकर सब तरफ घूमकर देखा तो बहुत अच्छा मालूम हो रहा था। जगह-जगह फ़ोटो उतर रहे थे। अपने भी फ़ोटो का काफ़ी प्रबंध किया गया था।

1. **पुलिस का कार्य देश में शासन-व्यवस्था लागू करना होता है। गद्यांश में दी गई पुलिस भी देश में शासन-व्यवस्था लागू करती दिखाई दे रही है मगर उसका कार्य हमारे लिए निंदनीय क्यों है? (मूल्यपरक प्रश्न)**

(क) क्योंकि वह शांति से आंदोलन करने वाले लोगों पर अत्याचार कर रही है

(ख) क्योंकि वह स्वतंत्रता प्राप्ति के मार्ग में बाधक है

(ग) क्योंकि वह सही-गलत को समझने में असमर्थ है

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

2. **गद्यांश के आधार पर बताइए कि पुलिस द्वारा मोनुमेंट को घेरने के पीछे क्या कारण था?**

(क) आंदोलन को समाप्त करना

(ख) लोगों में डर उत्पन्न कर आज़ादी प्राप्त करने से रोकना

(ग) संध्याकाल में होने वाली सभा को रोकना

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

3. **पुलिस के अत्याचारों का शिकार कौन-कौन हुए थे?**
   (क) अविनाश बाबू
   (ख) लड़कियाँ
   (ग) साधारण जनसमूह
   (घ) ये सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

4. **जानकीदेवी का मारवाड़ी बालिका विद्यालय में जाने के पीछे मुख्य उद्देश्य क्या था?**
   (क) लड़कियों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना
   (ख) लड़कियों को देश के हालातों के प्रति जागरूक करना
   (ग) लड़कियों को झंडोत्सव के उद्देश्य को समझाना
   (घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**

   कथन (A): पुलिस ने संध्या को 6 बजे शाम को ही मोनुमेंट को घेरकर सबको रोक दिया।

   कारण (R): परिणामस्वरूप लोगों ने बाहर ही रुक कर विरोध किया।
   (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
   (ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।
   (ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।
   (घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

गद्यांश 2

क्षितीश चटर्जी का फटा हुआ सिर देखकर तथा उसका बहता हुआ खून देखकर आँख मिंच जाती थी। इधर यह हालत हो रही थी कि उधर स्त्रियाँ मोनुमेंट की सीढ़ियों पर चढ़ झंडा फहरा रही थीं और घोषणा पढ़ रही थीं। स्त्रियाँ बहुत बड़ी संख्या में पहुँच गई थीं। प्रायः सबके पास झंडा था। जो वालेंटियर गए थे वे अपने स्थान से लाठियाँ पड़ने पर भी हटते नहीं थे।

सुभाष बाबू को पकड़ लिया गया और गाड़ी में बैठाकर लालबाज़ार लॉकअप में भेज दिया गया। कुछ देर बाद ही स्त्रियाँ जुलूस बनाकर वहाँ से चलीं। साथ में बहुत बड़ी भीड़ इकट्ठी हो गई। बीच में पुलिस कुछ ठंडी पड़ी थी, उसने फिर डंडे चलाने शुरू कर दिए। अबकी बार भीड़ ज़्यादा होने के कारण बहुत आदमी घायल हुए। धर्मतल्ले के मोड़ पर आकार जुलूस टूट गया और करीब 50–60 स्त्रियाँ मोड़ पर बैठ गईं। पुलिस ने उनको पकड़कर लालबाज़ार भेज दिया।

1. **पुलिस लोगों को मार रही थीं। पुलिस की मार भी लोगों को तोड़ने में कामयाब नहीं हो पा रही थी क्योंकि**
   (मूल्यपरक प्रश्न)
   (क) पुलिसवालों में जोश और एकता की कमी थी।
   (ख) आंदोलनकारियों की हिम्मत और साहस उनकी ढाल थे।
   (ग) आंदोलनकारी की संख्या पुलिस की संख्या से तीन गुनी अधिक थी।
   (घ) पुलिस की हिम्मत जवाब दे रही थी।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. **स्त्रियों को शारीरिक रूप से कमज़ोर और कोमल समझा जाता है। - प्रस्तुत गद्यांश से आपने उनके बारे में क्या जाना?**
   (मूल्यपरक प्रश्न)
   (क) वे ठान लें, तो किसी से भी टकरा जाती हैं
   (ख) वे शारीरिक रूप से कमज़ोर और कोमल हों मगर मानसिक रूप से मज़बूत होती हैं
   (ग) वे पुरुषों की तुलना में किसी भी रूप में कमज़ोर नहीं होती हैं
   (घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

3. **वालेंटियर की क्या विशेषता थी, जिनका उल्लेख लेखक अपनी डायरी में करना नहीं भूलता?**
   (क) बिना स्वार्थ के कार्य करना
   (ख) धन इकट्ठा करना और लोगों को प्रोत्साहित करना
   (ग) लाठी मारे जाने पर भी अडिगता से खड़े रहना
   (घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।** उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. **कहाँ आकर जुलूस बिखर गया था?**
   (क) लालबाज़ार
   (ख) मोनुमेंट
   (ग) धर्मतल्ले
   (घ) ये सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**

   कथन (A): स्त्रियाँ बहुत बड़ी संख्या में पहुँच गई थीं।

   कारण (R): वे आंदोलन को सफल बनाने में अपनी भागीदारी दे रही थीं।
   (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
   (ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. श्रद्धानंद पार्क में पुलिस ने किसको झंडा गाड़ने से रोका?

उत्तरः श्रद्धानंद पार्क में बंगाल प्रांतीय विद्यार्थी संघ के मंत्री अविनाश बाबू को झंडा गाड़ने पर रोक लिया गया।

2. स्त्रियों के जुलूस के एक भाग का नेतृत्व कौन कर रहा था?

उत्तरः विमल प्रतिभा स्त्रियों के जुलूस के एक भाग का नेतृत्व कर रही थी।

3. उस दिन लगभग कितनी स्त्रियों को गिरफ़्तार किया गया था?

उत्तरः उस दिन लगभग 105 स्त्रियों को गिरफ़्तार किया गया था।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. पुलिस ने गश्त की तैयारी कैसे की थी?

उत्तर– पुलिस ने मोटर लारियों में गोरखे तथा सारजेंट प्रत्येक मोड़ पर तैनात किए थे। पुलिस पूरी ताकत से शहर में गश्त देकर प्रदर्शन कर रही थी।

2. ट्रैफ़िक पुलिस क्यों नज़र नहीं आ रही थी?

उत्तर– प्रशासन ने उत्सव को रोकने एवं सभाओं एवं जुलूस के आयोजन को भंग करने की पूर्ण तैयारी की थी और इसके लिए ट्रैफ़िक पुलिस को भी इस काम पर लगाया गया था इसलिए ट्रैफ़िक पुलिस नज़र नहीं आ रही थी।

3. स्वाधीनता दिवस पर पुलिस ने सुबह से ही क्या तैयारियाँ की थीं?

उत्तर– स्वाधीनता दिवस के दिन पुलिस सुबह से ही कोशिश कर रही थी कि कोई जुलूस न निकाले, न कहीं सभा हो। इसके लिए पुलिस अपनी पूरी ताकत से शहर में घूम रही थी। प्रत्येक मोड़ पर पुलिस की तैनाती थी।

4. 'आज तो जो कुछ हुआ वह अपूर्व हुआ है।' लेखक ने ऐसा क्यों कहा? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

5. 'डायरी का एक पन्ना' पाठ में वर्णित स्वतंत्रता आंदोलन और अंग्रेज़ी सत्ता की क्रूरता का उल्लेख संक्षेप में कीजिए। **[CBSE 2024]**

उत्तर– 'डायरी का एक पन्ना' पाठ में स्वतंत्रता आंदोलन और अंग्रेज़ी सत्ता की क्रूरता को मार्मिक रूप से दर्शाया गया है। इसमें एक क्रांतिकारी की डायरी का एक पन्ना प्रस्तुत किया गया है, जिसमें वह जेल में बिताए गए अंतिम क्षणों को व्यक्त करता है। अंग्रेज़ों द्वारा भारतीयों पर किए गए अत्याचारों, कठोर यातनाओं और अन्यायपूर्ण फाँसी जैसी सज़ाओं का उल्लेख किया गया है। इसमें अंग्रेज़ों द्वारा भारतीयों को अमानवीय यातनाएँ देकर उनके दमन का वर्णन किया गया है।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. स्वतंत्रता दिवस की दूसरी वर्षगाँठ मनाने के लिए क्या-क्या तैयारियाँ की गई थीं?

उत्तर– स्वाधीनता दिवस की दूसरी वर्षगाँठ को मनाने के लिए विस्तृत आयोजन किए गए थे। घरों व बाज़ारों को सजाया गया था। विद्यालयों में झंडोत्सव मनाए जा रहे थे। पार्कों व खुले मैदानों में जनसभाएँ आयोजित की गई थीं। मोनूमेंट पर 4 बजकर 24 मिनट पर झंडा फहराने व आज़ादी की शपथ पढ़ने का आयोजन किया गया था इसलिए सुबह 6 बजे से ही पुलिस ने भारी बंदोबस्त किया था। मोनूमेंट के पास पुलिस का जैसा प्रबंध भोर में था वैसा दोपहर में एक बजे नहीं रहा परंतु फिर लोगों की भीड़ बढ़ने पर पुलिस का प्रबंध पुनः बढ़ गया।

2. कलकत्ता में द्वितीय स्वाधीनता समारोह किस प्रकार मनाया गया? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर– कलकत्तावासियों ने पराधीन भारत में स्वतंत्रता की पहली वर्षगाँठ धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर बड़े बाज़ार के सभी मकानों को सजाया गया था। उन पर राष्ट्रीय झंडा फहराया गया। कुछ मकान तो ऐसे सजे थे मानो उन्हें स्वतंत्रता मिल गई हो। झंडे और साज-सज्जा देखकर सब लोग उत्साहित थे। जिस रास्ते से लोग जाते थे, वहाँ से नवीनता, उत्साह और देशभक्ति का अद्भुत परिचय प्राप्त होता था। लोग घरों पर राष्ट्रीय झंडे फहरा रहे थे। जगह-जगह पर जुलूस निकाले गए। इस अवसर को असफल बनाने के लिए पुलिस भी पूरी ताकत से गश्त लगा रही थी। मोटर लारियों में गोरखे तथा सारजेंट प्रत्येक मोड़ पर तैनात थे। पुलिस की बहुत-सी लारियाँ शहर में घुमाई जा रही थीं। सारी पुलिस इस कोशिश में थी कि कहीं जुलूस न निकले व सभा न हो। ऐसा कलकत्ता के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। इसलिए यह सब अपने आप में अपूर्व और निराला था।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

ततांरा-वामीरो कथा

लीलाधर मंडलोई (1954)

10

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. ततांरा किसलिए प्रसिद्ध था?

(क) सुंदरता के लिए (ख) अपनी शक्ति के लिए
(ग) त्याग के लिए (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. पाठ के अनुसार वामीरो कहाँ छिपी हुई थी?

(क) शिलाखंड के पीछे
(ख) नारियल के पेड़ के नीचे
(ग) बालू निकलने से बने गड्ढे में
(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

3. निकोबार द्वीप समूह के विभाजित होने का क्या कारण था?

(क) आपसी वैमनस्य
(ख) प्राकृतिक आपदा
(ग) ततांरा-वामीरो की प्रेमकथा
(घ) युद्ध की विभीषिका

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. अपने आयोजनों में आसपास के लोग ततांरा को क्यों बुलाते थे?

(क) उसकी सुंदरता के कारण
(ख) उसकी अमीरी के कारण
(ग) उसके बलशाली होने के कारण
(घ) उसके आत्मीय स्वभाव के कारण

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

5. ततांरा की तलवार के विषय में लोगों का क्या मानना था?

(क) वह बहुत मज़बूत है।
(ख) वह बहुत कमज़ोर है।
(ग) उसमें अद्भुत दैवीय शक्ति है।
(घ) वह असली नहीं है क्योंकि लकड़ी की है।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

6. ततांरा कैसा व्यक्ति था?

(क) एक बददिमाग व गुस्सैल आदमी था।
(ख) नेक और मददगार आदमी था।
(ग) निकोबारी उसे पसंद नहीं करते थे।
(घ) वह हमेशा लोगों की बुराइयाँ करता रहता था।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

7. एक दिन विचारमग्न ततांरा जब समुद्री बालू पर बैठकर सूरज की रंग-बिरंगी किरणों को समुद्र में निहार रहा था तभी अचानक–

(क) कोयल की मधुर आवाज़ सुनाई दी।
(ख) समुद्र की लहरों का तेज़ स्वर सुनाई दिया।
(ग) पास के जंगल में शेर की आवाज़ सुनाई दी।
(घ) कहीं पास से एक मधुर गीत गूँजता सुनाई दिया।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

8. उस युवती ने अपना क्या नाम बताया?

(क) वामीरो (ख) कासीरो
(ग) शोआन (घ) गिरि

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

9. वामीरो के गाँव का क्या नाम था?

(क) नरार (ख) लपाती
(ग) एल्कामेरो (घ) तामलु

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

10. ततांरो और वामीरो के गाँव में कौन-सी प्रथा प्रचलित थी?

(क) शादी में एक ही गाँव के वर-वधू हों।
(ख) वर-वधू के परिवार एक-दूसरे को जानते हों।
(ग) वर-वधू एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते हों।
(घ) वर-वधू एक-दूसरे के लिए अनजान हों।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

11. ततांरा के कमर में बंधी लकड़ी के तलवार के बारे में लोगों का क्या मत था?

(i) तलवार में धार नहीं है।
(ii) ततांरा सिर्फ़ जंगली जानवरों को डराने के लिए रखता है।
(iii) तलवार में एक अद्भुत शक्ति है।
(iv) ततांरा की तलवार में विलक्षण रहस्य था।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(क) (i), (ii)   (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv)   (घ) (i), (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

12. द्वीपवासी उसके करीब क्यों रहना चाहते थे?

(i) क्योंकि वह गठीला नौजवान था।

(ii) देखने में सुंदर था।

(iii) उसका व्यक्तित्व बहुत आकर्षक था।

(iv) साथ ही उसका स्वभाव आत्मीय था।

(क) (i), (ii)   (ख) (iii), (iv)

(ग) (i), (iii)   (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

13. पासा गाँव में 'पशु-पर्व' में क्या होता था?

(i) पशुओं की खरीद-फ़रोख्त होती थी।

(ii) हृष्ट-पुष्ट पशुओं का प्रदर्शन होता था।

(iii) पशुओं से युवकों के साथ शक्ति प्रदर्शन प्रतियोगिता होती थी।

(iv) पशुओं के बीच शक्ति प्रदर्शन होता था।

(क) (i), (ii)   (ख) (ii), (iii)

(ग) (i), (iv)   (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

14. तताँरा के लिए कौन-सी बात असहनीय थी?

(i) वामीरो की माँ को वामीरो को डाँटना

(ii) वामीरो की माँ का उसपर क्रोध करना

(iii) वामीरो की माँ का गाँववालों की उपस्थिति में तताँरा को डाँटना

(iv) गाँववालों का तताँरा के विरोध में आवाज़ उठाना

(क) (i), (ii)   (ख) (iii), (iv)

(ग) (ii), (iii)   (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

15. तताँरा धरती पर जहाँ लकीर खींची थी वहाँ क्या हुआ?

(i) एक दरार होने लगी।

(ii) मानो धरती दो टुकड़ों में बँटने लगी हो।

(iii) वामीरो की माँ तताँरा का क्रोध देखकर बेहोश हो गई।

(iv) द्वीप के सभी लोग डरकर भाग गए।

(क) (i), (ii)   (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv)   (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

गद्यांश 1

एक शाम तताँरा दिनभर के अथक परिश्रम के बाद समुद्र किनारे टहलने निकल पड़ा। सूरज समुद्र से लगे क्षितिज तले डूबने को था। समुद्र से ठंडी बयारें आ रही थीं। पक्षियों की सायंकालीन चहचहाहटें शनैः शनैः क्षीण होने को थीं। उसका मन शांत था। विचारमग्न तताँरा समुद्री बालू पर बैठकर सूरज की अंतिम रंग-बिरंगी किरणों को समुद्र पर निहारने लगा। तभी कहीं पास से उसे मधुर गीत गूँजता सुनाई दिया। गीत मानो बहता हुआ उसकी तरफ आ रहा हो। बीच-बीच में लहरों का संगीत सुनाई देता है। गायन इतना प्रभावी था कि वह अपनी सुध-बुध खोने लगा। लहरों के एक प्रबल वेग ने उसकी तंद्रा भंग की। चैतन्य होते ही वह उधर बढ़ने को विवश हो उठा जिधर से अब भी गीत के स्वर बह रहे थे। वह विकल-सा उस तरफ़ बढ़ता गया। अंततः उसकी नज़र एक युवती पर पड़ी जो ढलती हुई शाम के सौंदर्य में बेसुध, एकटक समुद्र की देह पर डूबते आकर्षक रंगों को निहारते हुए गा रही थी। यह एक श्रृंगार गीत था।

उसे ज्ञात ही न हो सका कि कोई अजनबी युवक उसे निःशब्द ताके जा रहा है। एकाएक एक ऊँची लहर उठी और उसे भिगो गई। वह हड़बड़ाहट में गाना भूल गई। इसके पहले कि वह सामान्य हो पाती, उसने अपने कानों में गूँजती गंभीर आकर्षक आवाज़ सुनी।

1. ततांरा के होश क्यों विलीन हो रहे थे?

(क) संध्या समय समुद्र के सौंदर्य को देखकर

(ख) संध्या समय समुद्र के सौंदर्य और लहरों के संगीत को सुनकर

(ग) संध्या समय समुद्र के सौंदर्य को निहारते समय मधुर गीत सुनकर

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. ततांरा की दृष्टि जब युवती पर पड़ी तो उसने क्या देखा?

(क) शाम के सौंदर्य में बेसुध

(ख) एकटक समुद्र की देह पर डूबते आकर्षक रंगों को निहारती हुई

(ग) एक श्रृंगार गीत गा रही थी

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

3. श्रृंगार गीत से लेखक का क्या तात्पर्य है?

(क) लोक गीत   (ख) प्रेम गीत

(ग) भक्ति गीत   (घ) ये सभी

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा कथन मेल खाता है–

(क) संगीत भावों की आशुलिपि है – टॉल्सटॉय

(ख) संगीत दो आत्माओं के अनंत को भरता है – टैगोर

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(ग) नरक संगीत के शौकीनों से भरा है — जॉर्ज बर्नार्ड शॉ

(घ) संगीत हवा की कविता है — पॉल रिक्टर

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**

कथन (A): तताँरा अचानक बेसुध, एकटक समुद्र की देह पर डूबते हुए आकर्षक रंगों को निहारते हुए देख रहा था।

कारण (R): वामीरो उसे देखकर सम्मोहित हो गई।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

गद्यांश 2

दोनों रोज़ उसी जगह पहुँचते और मूर्तिवत एक-दूसरे को निर्निमेष ताकते रहते। बस भीतर समर्पण था जो नवरत गहरा रहा था। लपाती के कुछ युवकों ने इस मूक प्रेम को भाँप लिया और खबर हवा की तरह बह उठी। वामीरो लपाती ग्राम की थी और तताँरा पासा का। दोनों का संबंध संभव न था। रीति अनुसार दोनों को एक ही गाँव का होना आवश्यक था। वामीरो और तताँरा को समझाने-बुझाने के कई प्रयास हुए किंतु दोनों अडिग रहे। वे नियमतः लपाती के उसी समुद्री किनारे पर मिलते रहे। अफवाहें फैलती रहीं।

कुछ समय बाद पासा गाँव में 'पशु-पर्व' का आयोजन हुआ। पशु-पर्व में हृष्ट-पुष्ट पशुओं के प्रदर्शन के अतिरिक्त पशुओं से युवकों की शक्ति परीक्षा प्रतियोगिता भी होती है। वर्ष में एक बार सभी गाँव के लोग हिस्सा लेते हैं। बाद में नृत्य-संगीत और भोजन का भी आयोजन होता है। शाम से सभी लोग पासा में एकत्रित होने लगे। धीरे-धीरे विभिन्न कार्यक्रम शुरू हुए। तताँरा का मन इन कामों में तनिक नहीं था। उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को ढूँढ़ने में व्यस्त थीं। नारियल के झुंड के एक पेड़ के पीछे से उसे जैसे कोई झाँकता दिखा। उसने थोड़ा और करीब जाकर पहचानने की चेष्टा की। वह वामीरो थी जो भयवश सामने आने में झिझक रह थी।

1. **लपाती के कुछ युवकों ने इस मूक प्रेम को भाँप लिया- प्रस्तुत पंक्ति में मूक प्रेम से लेखक का क्या अभिप्राय है?**

(क) ऐसा प्रेम जो गूँगा-बहरा था।

(ख) ऐसा प्रेम जिसका अभी तक इज़हार नहीं किया गया था।

(ग) ऐसा प्रेम जो पवित्र और श्रद्धा से युक्त था।

(घ) ऐसा प्रेम जो जीवन की आधार शिला था।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. **तताँरा वामीरो के प्रेम के मध्य क्या बाधा थी?**

(क) ततााँरा का दूसरे गाँव का होना

(ख) वामीरो का पासा गाँव का होना

(ग) ततााँरा-वामीरो के मध्य पारिवारिक संबंध होना

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

3. **'पशु-पर्व' से कौन-सा कथन संबंध नहीं रखता है?**

(क) पशुओं का प्रदर्शन होता था।

(ख) पशुओं के समान ही मनुष्य भी प्रदर्शन करते थे।

(ग) युवाओं की पशुओं के साथ शक्ति प्रदर्शन की प्रतियोगिता भी होती थी।

(घ) नाच-गाना तथा भोजन आदि भी आयोजित किया जाता था।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. **ततााँरा एक शक्तिशाली और आदरणीय व्यक्ति था, उसके बाद भी वह अपने प्रेम को प्राप्त नहीं कर सकता था। ऐसा क्या कारण था कि लोग ततााँरा जैसे व्यक्ति के लिए भी अपनी रीति को नहीं छोड़ पा रहे थे?** **(मूल्यपरक प्रश्न)**

(क) उनकी आस्था अपनी परंपराओं पर बहुत कमज़ोर पकड़ बनाए हुए थी।

(ख) उनकी समझ पूर्ण रूप से विकसित नहीं हुई थी।

(ग) उनकी सोच बहुत गहरी और तर्कशील थी।

(घ) उनकी सोच और समझ बहुत संकीर्ण थी।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

5. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**

कथन (A): दोनों का संबंध संभव न था।

कारण (R): दोनों को एक ही गाँव का होना आवश्यक था।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

गद्यांश 3

द्वीप दो टुकड़ों में विभक्त हो चुका था। एक तरफ ततााँरा था दूसरी तरफ वामीरो। ततााँरा को जैसे ही होश आया, उसने देखा उसकी तरफ़ का द्वीप समुद्र में धँसने लगा है। वह छटपटाने लगा उसने छलाँग लगाकर दूसरा सिरा थामना चाहा किंतु पकड़ ढीली पड़ गई। वह नीचे की तरफ़ फिसलने लगा। वह लगातार समुद्र की सतह की

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

तरफ़ फिसल रहा था। उसके मुँह से सिर्फ़ एक चीख उभरकर डूब रही थी, ''वामीरो...वामीरो...वामीरो...वामीरो...'' उधर वामीरो भी ''तताँरा...तताँरा...ता...ताँ...रा'' पुकार रही थी।

तताँरा लहूलुहान हो चुका था... वह अचेत होने लगा और कुछ देर बाद उसे कोई होश नहीं रहा। वह कटे हुए द्वीप के अंतिम भूखंड पर पड़ा हुआ था जो कि दूसरे हिस्से से संयोगवश जुड़ा था। बहता हुआ तताँरा कहाँ पहुँचा, बाद में उसका क्या हुआ कोई नहीं जानता। इधर वामीरो पागल हो उठी। वह हर समय तताँरा को खोजती हुई उसी जगह पहुँचती और घंटों बैठी रहती। उसने खाना-पीना छोड़ दिया। परिवार से वह एक तरह विलग हो गई। लोगों ने उसे ढूँढ़ने की बहुत कोशिश की किंतु उसका कोई सुराग नहीं मिल सका।

आज न तताँरा है न वामीरो किंतु उनकी यह प्रेमकथा घर-घर में सुनाई जाती है। निकोबारियों का मानना है कि तताँरा की तलवार से कार-निकोबार के जो टुकड़े हुए, उसमें दूसरा लिटिल अंदमान है जो कार-निकोबार से आज 96 कि.मी. दूर स्थित है। निकोबारी इस घटना के बाद दूसरे गाँवों में भी आपसी वैवाहिक संबंध करने लगे। तताँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु शायद इसी सुखद परिवर्तन के लिए थी।

1. प्रस्तुत गद्यांश हमें क्या सोचने पर विवश करता है? **(मूल्यपरक प्रश्न)**

(क) क्रोध उचित नहीं है।
(ख) समाज का विरोध करके प्रेम नहीं करना चाहिए।
(ग) मनुष्य को अपनी शक्तियों का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।
(घ) ऐसी परंपरा जो मनुष्य का दम घोटने लगे, उसे हटाना ही उचित है।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

2. तताँरा की छटपटाहट के पीछे क्या कारण रहा होगा?

(क) अपने परिवार से बिछड़ना
(ख) अपनी प्रेमिका से बिछड़ना
(ग) अपने द्वीप से अलग होना
(घ) अपने क्रोध के दुष्परिणाम को देखना

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

3. तताँरा-वामीरो की कथा के क्या परिणाम देखने को मिलते हैं?

(क) समाज की सोच में बदलाव
(ख) सड़ी-गली परंपराओं में बदलाव
(ग) नई सोच का विकसित होना
(घ) ये सभी

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

4. गद्यांश के आधार पर बताइए कि वामीरो किस प्रकार की युवती थी?

(क) प्रेम के प्रति समर्पित
(ख) सुलझी हुई किंतु भोली
(ग) शांत और समझदार
(घ) आहत और दुःखी

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

5. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।

कथन (A): तताँरा के मुँह से सिर्फ़ एक चीख उभरकर डूब रही थी—वामीरो, वामीरो।

कारण (R): द्वीप दो टुकड़ों में विभक्त हो चुका था।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।
(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।
(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. 'पशु-पर्व' का आयोजन कहाँ हुआ?

उत्तर– पासा गाँव में 'पशु-पर्व' का आयोजन किया गया।

2. तताँरा और वामीरो के गाँवों का नाम बताएँ।

उत्तर– तताँरा के गाँव का नाम पाशा तथा वामीरो के गाँव का नाम लपाती था।

3. भयानक शोर के बीच किसकी करुण चीख सुनाई दे रही थी?

उत्तर– भयानक शोर के बीच वामीरो की करुण चीख सुनाई दे रही थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. तताँरा की तलवार को विलक्षण क्यों कहा जाता था?

उत्तर– तताँरा किसी के भी सामने अपनी तलवार का प्रयोग नहीं करता था और न ही उसे अपने से अलग करता था। लोगों का विश्वास था कि तताँरा के साहसिक कारनामों के पीछे यही लकड़ी की तलवार थी इसलिए उसे विलक्षण कहा जाता था।

2. तताँरा के निकट रोती हुई वामीरो को देख, वामीरो की माँ और गाँववालों ने क्या किया?

उत्तर– तताँरा के निकट रोती हुई वामीरो को देख वामीरो की माँ को अपमानजनक लगा। वह क्रोधित हो उठी। उसने तताँरा को अपमानित किया। गाँव के लोग भी तताँरा के विरुद्ध आवाज़ें उठाने लगे।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

3. आशय स्पष्ट कीजिए– 'कुछ था जो दोनों के भीतर बह रहा था।'

उत्तर– ततााँरा आकुलता से वामीरो की प्रतीक्षा कर रहा था और उधर वामीरो भी ततााँरा से मिलने को व्याकुल थी। वे दोनों जब पहली बार मिले तो संकोच एवं भावनाओं की प्रबलता के कारण एक-दूसरे से कुछ कह नहीं सके, बस चुपचाप खड़े एक-दूसरे को देखते रहे। दोनों के हृदय में प्रेम का भाव निरंतर प्रवाहमान था जिसके कारण दोनों प्रतिदिन एक-दूसरे से मिलने पहुँच जाते थे। ततााँरा और वामीरो दोनों ही जानते थे कि उनके गाँव की परंपरा के अनुसार दोनों का विवाह असंभव था परंतु प्रेम परंपराओं के बंधन को स्वीकार नहीं करता। दोनों प्रेम के इसी भाव में बह रहे थे।

4. 'जीवन में पहली बार मैं इस तरह विचलित हुआ हूँ'– ततााँरा ने ऐसा क्यों कहा होगा?

उत्तर– ततााँरा ने यह कथन इसलिए कहा क्योंकि वह जीवन में पहली बार किसी के प्रति गहरी भावनाएँ महसूस कर रहा था। वह द्वीप पर एक नेक और लोकप्रिय युवक था, लेकिन जब उसने पहली बार वामीरो को देखा, तो वह विचलित हो गया। उसके मन में वामीरो के प्रति कोमल भावनाएँ उत्पन्न हुईं और वह उन भावनाओं को महसूस करके असंयत हो गया। यह अनुभव उसके लिए नया था, इसलिए उसने कहा कि जीवन में पहली बार वह इस तरह विचलित हुआ है।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. धरती फटने पर क्या हुआ?

उत्तर– धरती फटने पर द्वीप दो हिस्सों में बँट गया। एक तरफ़ ततााँरा था तो दूसरी तरफ़ वामीरो थी। ततााँरा की तरफ़ वाला द्वीप का हिस्सा धीरे-धीरे धरती में धँसने लगा। ततााँरा ने छलाँग लगाकर दूसरे छोर को पकड़ना चाहा परंतु पकड़ ढीली पड़ गई और वह समुद्र में फिसल गया। इस प्रकार ततााँरा और वामीरो सदा के लिए बिछुड़ गए तथा द्वीप का एक हिस्सा दूसरे हिस्से से 96 किलोमीटर दूर हो गया।

2. ततााँरा के क्षोभ और खीझ के क्या कारण थे? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– ततााँरा के क्षोभ और खीझ के कई कारण थे जिनमें से मुख्य था कि वामीरो की माँ ने सभी गाँववालों के सामने उसको तरह-तरह से अपमानित किया। पाशा गाँव में पशु-पर्व का आयोजन चल रहा था। वहाँ ततााँरा तथा वामीरो को एक साथ देख वामीरो की माँ को अच्छा नहीं लगा। उसने गाँववालों के सामने ही ततााँरा को भला-बुरा कहा। गाँववाले भी उन दोनों के प्रेम का विरोध करने लगे जिससे ततााँरा को क्रोध आ गया। खीझ के मारे वह झल्ला उठा। तब उसके मन में गाँव की परंपरा पर जबरदस्त क्रोध भड़क उठा। वह समझ नहीं पाया कि गाँववाले उनके प्रेम में रुकावट क्यों डाल रहे हैं। उसे जहाँ विवाह की निषेध परंपरा पर क्षोभ था वहीं अपनी असहायता पर खीझ।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र

11

प्रहलाद अग्रवाल (1947)

– अभ्यास हेतु प्रश्न –

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. तीसरी कसम फ़िल्म के नायक कौन थे?

(क) मनोज कुमार (ख) राजकपूर

(ग) राजेंद्र कुमार (घ) राजकुमार

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. पाठ के अनुसार तीसरी कसम को इनमें से कौन-सा पुरस्कार मिला?

(क) फ़िल्मफेयर अवार्ड

(ख) सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार

(ग) राष्ट्रपति स्वर्णपदक

(घ) दादा साहब फाल्के अवार्ड

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. 'सजनवा बैरी हो गए हमार......' गीत के गायक कौन थे?

(क) रफी साहब (ख) मुकेश

(ग) किशोर कुमार (घ) के एल सहगल

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. तीसरी कसम में हीराबाई के किरदार को पर्दे पर किसने निभाया?

(क) साधना (ख) वहीदा रहमान

(ग) आशा पारेख (घ) तनुजा

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. फणीश्वरनाथ रेणु की अमर कृति तीसरी कसम का अन्य नाम क्या था?

(क) निर्मला (ख) मैला आँचल

(ग) मारे गए गुलफ़ाम (घ) आधा सच

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

6. 'संगम' के बाद राजकपूर ने कितने फ़िल्मों के निर्माण की घोषणा की?

(क) तीन फ़िल्मों की (ख) दो फ़िल्मों की

(ग) चार फ़िल्मों की (घ) पाँच फ़िल्मों की

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

7. 'तीसरी कसम' शैलेंद्र के जीवन की कौन-सी फ़िल्म थी?

(क) दूसरी और अंतिम (ख) चौथी

(ग) पहली (घ) पहली और अंतिम

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

8. शैलेंद्र ने किस अदाकार की भावनाओं को शब्द दिए हैं?

(क) राजकुमार (ख) धर्मेंद्र

(ग) गुरुदत्त (घ) राजकपूर

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

9. 'तीसरी कसम' को लेकर एक दुःखद सत्य क्या है?

(क) इसके प्रदर्शित होते ही रातों-रात शैलेंद्र के चर्चे हर जगह होने लगे।

(ख) उनके पास कई अन्य फ़िल्मों की लाइन लगने लगी।

(ग) प्रदर्शित करने के लिए बमुश्किल वितरक मिले।

(घ) प्रदर्शित करने के लिए कई वितरक मिले।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

10. 'श्री 420' फ़िल्म के लोकप्रिय गीत–'प्यार हुआ इकरार हुआ है' के अंतरे की पंक्ति 'रातें दस दिशाओं से कहेगी' पर किसने आपत्ति की?

(क) जयकिशन (ख) सरदार मल्लिक

(ग) लक्ष्मीकांत प्यारेलाल (घ) मजरूह सुल्तानपुरी

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

11. 'तीसरी कसम' को खरीदने वाला कोई नहीं था क्योंकि

(i) इस फ़िल्म की संवेदना किसी दो से चार बनाने का गणित जानने वाले की समझ से परे थी।

(ii) उसमें रची-बसी करुणा तराजू पर तौली जा सकने वाली चीज़ नहीं थी।

(iii) उस जमाने में मार-धाड़ वाली फ़िल्में चलती थी।

(iv) उसका संवाद स्तरहीन था।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

12. **'तीसरी कसम' फ़िल्म की क्या विशेषताएँ थीं?**

(i) इसमें संगीत बहुत ही उम्दा किस्म का था।

(ii) शैलेंद्र की संवेदनशीलता पूरी शिद्दत के साथ मौजूद थी।

(iii) ये फ़िल्म और फ़िल्मों की तरह ही मसाले से भरी थी।

(iv) ये एक सच्चे कवि के हृदय की भावना थी।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (ii), (iv) (घ) (iii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

13. **'तीसरी कसम' राजकपूर के लिए क्यों खास फ़िल्म रही?**

(i) क्योंकि वह उनके दोस्त की फ़िल्म थी।

(ii) वह उनकी खुद के निर्देशन में तैयार की गई थी।

(iii) इसमें राजकपूर हीरामन के चरित्र के साथ एकाकार हो गए थे।

(iv) वह कहीं हीरामन का अभिनय नहीं करते, अपितु खुद हीरामन में ढल गए थे।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

14. **फ़िल्म समीक्षक की नज़रों में राजकपूर कैसे अभिनेता थे?**

(i) एक कला मर्मज्ञ कथा को परदे पर उभारने वाले

(ii) आँखों से बात करनेवाले कुशल अभिनेता

(iii) ज़्यादा पैसे लेने वाले अभिनेता

(iv) पैसा मिलने पर ही फ़िल्म में काम करने के लिए तैयार होते थे।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

15. **जब राजकपूर ने 'तीसरी कसम' फ़िल्म में काम करना शुरू किया तब उनका अभिनय-जीवन किस मुकाम पर था?**

(i) वे विश्व के सबसे बड़े शोमैन के रूप में स्थापित हो गए थे।

(ii) उनका अपना जीवन एक किवदंती बन चुका था।

(iii) वह एशिया के सबसे बड़े शोमैन के रूप में स्थापित हो चुके थे।

(iv) उनका कैरियर अभी डाँवाडोल स्थिति में था।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

गद्यांश 1

'तीसरी कसम' शैलेंद्र के जीवन की पहली और अंतिम फ़िल्म है। 'तीसरी कसम' को 'राष्ट्रपति स्वर्णपदक' मिला, बंगाल फ़िल्म जर्नलिस्ट एसोसियशन द्वारा सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म और कई अन्य पुरस्कारों द्वारा सम्मानित किया गया। मास्को फ़िल्म फेस्टिवल में भी यह फ़िल्म पुरस्कृत हुई। इसकी कलात्मकता की लंबी-चौड़ी तारीफ़ें हुईं। इसमें शैलेंद्र की संवेदनशीलता पूरी शिद्दत के साथ मौजूद है। उन्होंने ऐसी फ़िल्म बनाई थी जिसे सच्चा कवि-हृदय ही बना सकता था।

शैलेंद्र ने राजकपूर की भावनाओं को शब्द दिए हैं। राजकपूर ने अपने अनन्य सहयोगी की फ़िल्म में उतनी ही तन्मयता के साथ काम किया, किसी पारिश्रमिक की अपेक्षा किए बगैर। शैलेंद्र ने लिखा था कि वे राजकपूर के पास 'तीसरी कसम' की कहानी सुनाने पहुँचे तो कहानी सुनकर उन्होंने बड़े उत्साहपूर्वक काम करना स्वीकार कर लिया। पर तुरंत गंभीरतापूर्वक बोले - ''मेरा पारिश्रमिक एडवांस देना होगा।'' शैलेंद्र को ऐसी उम्मीद नहीं थी कि राजकपूर ज़िंदगी-भर की दोस्ती का ये बदला देंगे। शैलेंद्र का मुरझाया हुआ चेहरा देखकर राजकपूर ने मुस्कराते हुए कहा, ''निकालो एक रुपया, मेरा पारिश्रमिक! पूरा एडवांस।'' शैलेंद्र राजकपूर की इस याराना मस्ती से परिचित तो थे लेकिन एक निर्माता के रूप में बड़े व्यावसायिक सूझबूझ वाले भी चक्कर खा जाते हैं, फिर शैलेंद्र तो फ़िल्म-निर्माता बनने के लिए सर्वथा अयोग्य थे। राजकपूर ने एक अच्छे और सच्चे मित्र की हैसियत से शैलेंद्र को फ़िल्म की असफलता के खतरों से आगाह भी किया था। पर वह तो एक आदर्शवादी भावुक कवि था।

1. **एक दोस्त से हम उसकी दोस्ती के रूप में क्या आशा रखते हैं? (मूल्यपरक प्रश्न)**

(क) वह हमारी हर सही-गलत बात का खंडन करे।

(ख) वह हमें बुरे वक्त पर अधर में छोड़कर चला जाए।

(ग) वह दोस्ती में रुपए-पैसे को महत्व न दे।

(घ) वह हमारे बुरे व्यवहार को भी प्रेम से देखे।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. **शैलेंद्र की फ़िल्म 'तीसरी कसम' की क्या विशेषता थी?**

(क) कलात्मकता से बनाई गई

(ख) संवेदनशीलता से युक्त

(ग) व्यावसायिक सूझबूझ से बनी

(घ) विकल्प 'क' और 'ख' दोनों

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

3. **'सच्चा कवि-हृदय' कहकर लेखक क्या दर्शाना चाहता है?**

(क) प्रेम और वियोग के भावों से भरा हृदय

(ख) कोमलता, मार्मिकता, संवेदनशीलता जैसे गुणों से युक्त हृदय

(ग) मन के हर भावों को पढ़ने में प्रवीण

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. **लेखक ने शैलेंद्र के इतने गुणों का बखान किया है मगर फिर भी उन्हें अयोग्य क्यों कहा है?**

(क) वे आवश्यकता से अधिक समझदार और चतुर थे।

(ख) वे आवश्यकता से अधिक सीधे और सरल थे।

(ग) वे आवश्यकता से अधिक भावुक थे।

(घ) वे आवश्यकता से अधिक मित्रों पर विश्वास करते थे।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. **निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**

कथन (A): इसकी कलात्मकता की लंबी-चौड़ी तारीफ़ें हुईं मगर हॉल नहीं मिले।

कारण (R): उन्होंने ऐसी फिल्म बनाई थी जिसे सच्चा व्यक्ति ही समझ सकता था।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

गद्यांश 2

हमारी फ़िल्मों की सबसे बड़ी कमज़ोरी होती, लोक-तत्त्व का अभाव। वे ज़िंदगी से दूर होती है। यदि त्रासद स्थितियों का चित्रांकन होता है तो उनमें ग्लोरीफ़ाई किया जाता है। दुःख का ऐसा वीभत्स रूप प्रस्तुत होता है जो दर्शकों का भावनात्मक शोषण कर सके। और 'तीसरी कसम' की यह खास बात थी कि वह दुःख को भी सहज स्थिति में, जीवन-साक्षेप प्रस्तुत करती है।

मैंने शैलेंद्र को गीतकार नहीं, कवि कहा है। वे सिनेमा की चकाचौंध के बीच रहते हुए यश और धन-लिप्सा से कोसों दूर थे। जो बात उनकी जिंदगी में थी वही उनके गीतों में भी। उनके गीतों में सिर्फ़ करुणा नहीं, जूझने का संकेत भी था और वह प्रक्रिया भी मौजूद थी जिसके तहत अपनी मंजिल तक पहुँचा जाता है। व्यथा आदमी को पराजित नहीं करती, उसे आगे बढ़ने का संदेश देती है।

शैलेंद्र ने 'तीसरी कसम' को अपनी भावप्रवणता का सर्वश्रेष्ठ तथ्य प्रदान किया। मुकेश की आवाज़ में शैलेंद्र का यह गीत तो अद्वितीय बन गया है-

सजनवा बैरी हो गए हमार चिठिया हो तो हर कोई बाँचै भाग न बाँचै कोय...

1. **गद्यांश में भावनात्मक शोषण से कवि का क्या तात्पर्य है?**

(क) आवश्यकता से अधिक किसी घटना का नाटकीय रूप प्रस्तुत करना

(ख) आवश्यकता से अधिक किसी दुःखद घटना का चित्रण कर रुलाना या दुःखी करना

(ग) आवश्यकता से अधिक मार-पिटाई दिखाना

(घ) आवश्यकता से अधिक लोक-तत्त्व में कमी करना

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. **हिंदी फ़िल्मों में व्याप्त किस कमी को लेखक ने उजागर किया है?**

(क) प्रेम-तत्त्व की कमी

(ख) लोक-तत्त्व की कमी

(ग) भाव-तत्त्व की कमी

(घ) केवल 'ख' और 'ग' विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

3. **ग्लोरीफ़ाई का क्या आशय है?**

(क) किसी घटना को चित्रित करना

(ख) किसी घटना को बढ़ा-चढ़ाकर चित्रित करना

(ग) किसी घटना के मूल रूप को बदल देना

(घ) किसी घटना में सच-झूठ का मिश्रण करना

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. **लेखक के अनुसार शैलेंद्र को किस बात का मोह नहीं है?**

(क) धन और यश का (ख) जीवन का

(ग) प्राणों का (घ) ये सभी

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

5. **निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**

कथन (A): शैलेंद्र संगीतकार नहीं कवि थे।

कारण (R): जो बात उनकी जिंदगी में थी वह उनके गीतों में भी थी।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. राजकपूर ने शैलेंद्र को किस खतरे से आगाह किया था?

उत्तर– राजकपूर ने शैलेंद्र को फ़िल्म की असफलता के खतरे से आगाह किया था।

2. 'तीसरी कसम' फ़िल्म की मूल कहानी का नाम बताएँ।

उत्तर– 'तीसरी कसम' फ़िल्म की मूल कहानी का नाम मारे गए गुलफाम है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. संगीतकार शंकर जयकिशन को फ़िल्म 'श्री 420' के किस गीत पर आपत्ति थी और क्यों?

उत्तर– सुप्रसिद्ध फ़िल्म 'श्री 420' का एक लोकप्रिय गीत 'प्यार हुआ इकरार हुआ' के अंतरे की एक पंक्ति 'रातें दसों दिशाओं से कहेंगी अपनी कहानियाँ' पर संगीतकार जयकिशन ने आपत्ति जताई थी कि दर्शक चार दिशा समझ जाएँगे लेकिन दस दिशाएँ नहीं।

2. 'दर्शकों की रुचि की आड़ में हमें उथलेपन को उन पर नहीं थोपना चाहिए।' वर्तमान समय में प्रदर्शित फ़िल्मों के आलोक में इस कथन की विवेचना करें।

उत्तर– शैलेंद्र, तीसरी कसम के शिल्पकार, सिनेमा को केवल मनोरंजन नहीं बल्कि एक सृजनात्मक और संवेदनशील माध्यम मानते थे। उन्होंने दर्शकों की रुचि का आदर करते हुए भी फ़िल्म को साहित्यिक और भावनात्मक गहराई प्रदान की। वर्तमान में फ़िल्मों में व्यावसायिकता के नाम पर उथलेपन को थोपना आम हो गया है। शैलेंद्र की तरह फ़िल्मकारों को चाहिए कि वे दर्शकों के स्तर को ऊपर उठाएँ, न कि केवल तात्कालिक लाभ के लिए उनकी रुचि का शोषण करें।

3. शैलेंद्र ने राजकपूर की भावनाओं को शब्द दिए हैं, कैसे?

उत्तर– शैलेंद्र ने राजकपूर की संवेदनाओं और भावनात्मक दृष्टि को शब्दों में ढालकर जीवंत किया। उन्होंने न केवल गीतों के माध्यम से बल्कि पटकथा और संवादों में भी राजकपूर की भीतरी भावनाओं को अभिव्यक्ति दी। शैलेंद्र की सरल, मार्मिक भाषा और गहरे भाव राजकपूर की कला-दृष्टि को शब्दबद्ध करते हैं। वे उनके आत्मिक सहयोगी बनकर सिनेमा को एक नई ऊँचाई पर ले गए।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. 'तीसरी कसम' फ़िल्म को एक अच्छी फ़िल्म होने के बावजूद वितरक नहीं मिल पाए। क्यों? अपने तर्क विस्तार से लिखें।

उत्तर– तीसरी फ़िल्म कितनी ही महान क्यों न थी परंतु परदे पर न चल पाई जिसका कारण था कि यह फ़िल्म जनता की रुचि के अनुसार खरी न उतर पाई। तीसरी फ़िल्म में राजकपूर और वहीदा रहमान जैसे नामजद सितारे थे। शंकर-जयकिशन का संगीत था जिनकी लोकप्रियता सातवें आसमान पर थी और इसके गीत भी फ़िल्म के प्रदर्शन के पूर्व ही बेहद लोकप्रिय हो चुके थे लेकिन इस फ़िल्म को खरीदने वाला कोई न था। दरअसल इस फ़िल्म की संवेदना किसी दो चार बनाने का गणित जानने वाले की समझ से परे थी। उसमें रची-बसी करुणा तराजू पर तौली जा सकने वाली चीज़ नहीं थी इसलिए बेमुश्किल इस फ़िल्म को वितरक मिले। 'तीसरी कसम' रिलीज हुई तो इसका कोई प्रचार नहीं हुआ।

2. 'तीसरी कसम' हिंदी सिनेमा के क्षेत्र में मील का एक पत्थर है। कैसे?

उत्तर– कवि और गीतकार शैलेंद्र ने जब फणीश्वरनाथ रेणु की अमर कृति 'मारे गए गुलफाम' को तीसरी कसम के रूप में सिने परदे पर उतारा तो वह मील का पत्थर साबित हुई। इस फ़िल्म ने न केवल अपने गीत-संगीत, कहानी आदि के लिए प्रसिद्धि प्राप्त की बल्कि इसमें अपने ज़माने के सबसे बड़े शोमैन राजकपूर ने अपने फ़िल्मी जीवन का सबसे बेहतरीन अभिनय कर सबको हैरान कर दिया। इस फ़िल्म को अनेक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जैसे—राष्ट्रपति स्वर्णपदक, बंगला जर्नलिस्ट एसोसिएशन का सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म पुरस्कार, मास्को फ़िल्म फेस्टिवल पुरस्कार आदि मिले। यह फ़िल्म ज़िंदगी से जुड़ी है। आज भी इस फ़िल्म की गणना हिंदी जगत की अमर फ़िल्मों में की जाती है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले

12

निदा फ़ाज़ली (1938–2016)

– अभ्यास हेतु प्रश्न –

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. महाकवि शेज अयाज के पिता ने खाना खाते समय अपने बाजू पर क्या देखा?

(क) एक च्योंटे को रेंगते हुए

(ख) एक तिलक का निशान

(ग) एक काला तिल

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

2. आज जीवन कैसे घरों में सिमटने लगा है?

(क) महलनुमा घरों में (ख) वातानुकूलित घरों में

(ग) डिब्बानुमा घरों में (घ) बड़े-बड़े सोसाइटी में

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. पाठ के आधार पर बादशाह सुलेमान की क्या विशेषता थी?

(क) वह करुणावान नहीं थे।

(ख) वह जीव-जंतुओं की भाषा समझते थे।

(ग) वह नाम के बादशाह थे।

(घ) वह बहुत ही बड़े विद्वान थे।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. पाठ के अनुसार कबूतर परेशानी में इधर-उधर क्यों फड़फड़ा रहे थे?

(क) बहुत ठंड के कारण

(ख) अत्यधिक गर्मी के कारण

(ग) अंडे टूट जाने के कारण

(घ) घोंसला टूट जाने के कारण

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. इस पाठ के लेखक का घर किस शहर में था?

(क) कोलकाता (ख) ग्वालियर

(ग) मुंबई (घ) दिल्ली

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

6. बाइबिल और दूसरे पावन ग्रंथों में किस पैगंबर का ज़िक्र मिलता है?

(क) नूह (ख) खुदा

(ग) ईश्वर (घ) ईसा

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

7. समंदर पीछे क्यों सरकता जा रहा है?

(क) बढ़ते हुए प्रदूषण से

(ख) बढ़ती हुई आबादी से

(ग) घटते हुए जलस्तर से

(घ) समुद्र तट पर फैले कचरे के कारण

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

8. लेखक की माँ दीया-बत्ती के वक्त फूलों को तोड़ने से मना क्यों करती है?

(क) उनको लगता है कि फूल रोते हैं।

(ख) फूल बद्दुआ देते हैं।

(ग) फूल नाखुश होते हैं।

(घ) शाम तक फूलों की पखुड़ियाँ गिर जाती हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

9. कबूतर के दोनों अंडे टूट जाने पर किसकी आँखों में आँसू आ गए?

(क) लेखक की आँखों में

(ख) लेखक की माँ की आँखों में

(ग) लेखक के पिता की आँखों में

(घ) लेखक की बहन की आँखों में

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

10. वर्सोवा में जहाँ आज लेखक का घर है, वहाँ पहले क्या था?

(क) राजा का महल था।

(ख) छोटी-छोटी बस्तियाँ थी।

(ग) बड़े-बड़े पेड़, जिस पर परिंदे व जानवरों का बसेरा था।

(घ) दूर तक जंगल था।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

11. कुत्ते को दुत्कारने के बाद नूह ने क्या किया?

(i) इस बात को याद करके वो हमेशा कुत्ते पर क्रोध करता।

(ii) नूह सारा जीवन कुत्ते की कही बात को याद करके रोते रहे।

(iii) अपनी गलती पर पछताते रहे।

(iv) फिर कभी कुत्ते को नहीं दुत्कारा।

(क) (i), (ii) (ख) (i), (iii)

(ग) (ii), (iii) (घ) (iii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

12. दुनिया कैसे वजूद में आई? इन प्रश्नों के उत्तर हमें कौन देता है?

(i) विज्ञान अपनी तरह से देता है।

(ii) धार्मिक ग्रंथ अपनी-अपनी तरह से

(iii) ईश्वर देता है।

(iv) मनुष्य देता है।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

13. लेखक के फ्लैट में रहने वाले कबूतर उन्हें कैसे परेशान करते थे?

(i) कभी उनके सिर पर बैठ जाते।

(ii) कभी रसोईघर में घुस कर अपने पंख गिराते।

(iii) कभी लेखक के पुस्तकालय में उत्पात मचाते।

(iv) कभी घर के अंदर अन्य चीज़ों को तोड़-फोड़ देते।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

14. प्रकृति के असंतुलन के क्या दुष्परिणाम हो रहे हैं?

(i) गरमी में अधिक गरमी पड़ना

(ii) बढ़ती हुई जनसंख्या

(iii) भूकंप, बाढ़ और नए-नए रोगों का होना

(iv) सबके प्रति करुणा के भाव कम होना

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (i), (iii) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

15. लेखक को किस बात का अपार दुःख हो रहा है?

(i) यही कि अब जीव-जंतुओं के प्रति किसी के हृदय में करुणा का भाव नहीं है।

(ii) सभी प्राणियों से प्रेम करने वाले और दूसरों के दुःख में दुःखी होने वाले लोग अब इस संसार में नहीं हैं।

(iii) जनसंख्या में तेज़ी से वृद्धि होने के कारण

(iv) लगातार बस्तियाँ बसते जाने के कारण

(क) (i), (ii)

(ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv)

(घ) (i), (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

गद्यांश 1

बाइबिल और दूसरे पावन ग्रंथों में नूह नाम के एक पैगंबर का ज़िक्र मिलता है। उनका असली नाम लशकर था, लेकिन अरब ने उनको नूह के लकब से याद किया है। वह इसलिए कि आप सारी उम्र रोते रहे। इसका कारण एक ज़ख्मी कुत्ता था। नूह के सामने से एक बार एक घायल कुत्ता गुज़रा। नूह ने उसे दुत्कारते हुए कहा, 'दूर हो जा गंदे कुत्ते! इस्लाम में कुत्तों को गंदा समझा जाता है। कुत्ते ने उनकी दुत्कार सुनकर जवाब दिया... 'न मैं अपनी मर्ज़ी से कुत्ता हूँ, न तुम अपनी पसंद से इनसान। बनाने वाला सबका तो वही एक है।'

मट्टी से मट्टी मिले,
खो के सभी निशान।
किसमें कितना कौन है,
कैसे हो पहचान।।

नूह ने जब उसकी बात सुनी और दुःखी हो मुद्दत तक रोते रहे। 'महाभारत' में युधिष्ठिर का जो अंत तक साथ निभाता नज़र आता है, वह भी प्रतीकात्मक रूप में एक कुत्ता ही था। सब साथ छोड़ते गए तो केवल वही उनके एकांत को शांत कर रहा था।

1. प्रस्तुत गद्यांश में एक कहानी कुरान से है और एक महाभारत से। दोनों ही अलग-अलग धर्मों के धर्मग्रंथ हैं। धर्मग्रंथ किसी भी धर्म के क्यों ना हो, उनका उद्देश्य मनुष्य को अच्छा इंसान बनाना होता है। सोचकर बताइए कि पाठ में दिए उदाहरण हमें क्या शिक्षा देते हैं? (मूल्यपरक प्रश्न)

(क) पृथ्वी के अन्य जीवों का तिरस्कार उनकी शारीरिक बनावट के आधार पर मत कीजिए।

(ख) अन्य जीव-जंतुओं की उपेक्षा करने के स्थान पर उनकी देखभाल कीजिए।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(ग) अन्य जीव-जंतुओं को शारीरिक या मानसिक कष्ट मत पहुँचाए।

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

2. नूह सारी उम्र रोते रहे क्योंकि

(क) कुत्ते को उन्होंने मारा था।

(ख) कुत्ते को उन्होंने प्यार किया था।

(ग) कुत्ते को उन्होंने दुत्कारा था।

(घ) कुत्ते को उन्होंने सराहा था।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. कुत्ते की बात के पीछे क्या गूढ़ अर्थ था कि नूह रोने लगे? (मूल्यपरक प्रश्न)

(क) हम सब ईश्वर की संतानें हैं।

(ख) ईश्वर की संतानों में न कोई अच्छा है और न बुरा इसलिए सब समान हैं।

(ग) किसी के पास यह अधिकार नहीं कि वह अन्य को दुत्कारे।

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

4. बाइबिल और दूसरे पावन ग्रंथों में नूह नाम के पैगंबर का जिक्र मिलता है। दूसरे ग्रंथ का क्या नाम था?

(क) कुरान (ख) भगवदगीता

(ग) जेंद अवेस्ता (घ) ये सभी

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

5. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।

कथन (A): नूह नाम के पैगबंर सारा जीवन चुप रहकर ईश्वर की इबादत करते रहे।

कारण (R): उन्होंने ज़ख्मी कुत्ते को दुत्कार दिया था।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

गद्यांश 2

नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होता होती है। नेचर के गुस्से का एक नमूना कुछ साल पहले बंबई (मुंबई) में देखने को मिला था और यह नमूना इतना डरावना था कि बंबई निवासी डरकर अपने-अपने पूजा-स्थल में अपने खुदाओं से प्रार्थना करने लगे थे।

कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेल कर उसकी ज़मीन को हथिया रहे थे। बेचारा समंदर लगातार सिमटता जा रहा था। पहले उसने अपनी फैली हुई टाँगें समेटीं, थोड़ा सिमटकर बैठ गया। फिर जगह कम पड़ी तो उकड़ूँ बैठ गया। फिर खड़ा हो गया...जब खड़े रहने की जगह कम पड़ी तो उसे गुस्सा आ गया। जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है। परंतु आता है तो रोकना मुश्किल हो जाता है, और यही हुआ, उसने एक रात अपनी लहरों पर दौड़ते हुए तीन जहाज़ों को उठाकर बच्चों की गेंद की तरह तीन दिशाओं में फेंक दिया। एक वर्ली के समंदर के किनारे पर आकर गिरा, दूसरा बांद्रा में कार्टर रोड के सामने औंधे और तीसरा गेट-वे-ऑफ इंडिया पर टूट-फूटकर सैलानियों का नज़ारा बना बावजूद कोशिश, वे फिर से चलने-फिरने के काबिल नहीं हो सके।

1. प्रस्तुत गद्यांश में समुद्र के माध्यम से किसके गुस्से को दर्शाया गया है?

(क) नदी (ख) प्रकृति

(ग) सुनामी (घ) तूफ़ान

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. मनुष्य ने किस तरह से नेचर को क्रोधित किया है? उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) समंदर को पीछे धकेलकर

(ii) उसकी लहरों पर कब्ज़ा करके

(iii) उसकी ज़मीन को हथियाकर

(iv) परमाणु बमों का प्रयोग करके

(क) (i) और (ii) (ख) (ii) और (iii)

(ग) (i) और (iii) (घ) (i) और (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. समुद्र के इस क्रोधित व्यवहार के पीछे क्या कारण छिपा हुआ था?

(क) बिल्डरों का अधिक ज़मीन बेचना

(ख) बिल्डरों का ज़मीन के लालच में उसे पीछे धकेलना

(ग) बिल्डरों द्वारा समुद्र में बारूद का प्रयोग करना

(घ) बिल्डरों द्वारा प्रकृति की अनदेखी करना

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. जो बड़ा होता उसकी क्या खूबी और क्या कमी होती है?

(क) वह प्रेम तो बहुत करता है और उसके बदले बहुत उम्मीदें भी करता है।

(ख) वह कम क्रोध करता है मगर जब करता है, तो उसको रोकना कठिन होता है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(ग) वह बहुत दयालु होता है मगर जब क्रोध करता है, तो निरकुंश हो जाता है।

(घ) वह सबको एक समान दृष्टि से देखता है मगर समय आने पर गुलाम बना देता है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**

कथन (A): बेचारा समंदर लगातार फैलता जा रहा था।

कारण (R): बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेलकर उसकी जमीन हथिया रहे थे।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. सुलेमान की फ़ौज के घोड़ों की टापें सुनकर चींटियों ने क्या कहा?

उत्तर– सुलेमान की फ़ौज के घोड़ों की टापें सुनकर चींटियाँ डरकर एक दूसरे से कहने लगीं कि जल्दी से अपने-अपने बिल में चलो, फ़ौज आ रही है।

2. जहाज़ में सवार लोग चलने-फिरने के योग्य क्यों न रह सके?

उत्तर– जहाज़ पर सवार लोग चलने-फिरने के लायक न रहे क्योंकि वे बुरी तरह घायल हो गए थे।

3. नूह कौन थे?

उत्तर– बाइबिल में नूह नामक एक पैगंबर थे।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. आज की दुनिया और हमारे पूर्वजों की दुनिया में क्या अंतर है?

उत्तर– हमारे पूर्वज बड़े-बड़े दालानों वाले घरों में मिल-जुलकर एक परिवार की तरह रहा करते थे परंतु अब हम छोटे-छोटे डिब्बेनुमा घरों में रहते हैं।

2. लेखक की माँ ने लेखक को प्रकृति एवं जीव-जंतुओं से प्रेम करना कैसे सिखाया?

उत्तर– लेखक की माँ हमेशा कहती कि शाम ढले पौधों से फूल-पत्ते मत तोड़ो, वे रोते हैं। कबूतर को मत सताओ, वे पैगंबर साहब को अज़ीज़ हैं। मुर्गे को परेशान मत करो, वह सबसे पहले उठकर मोहल्ले को जगाता है।

3. शेख अयाज़ के पिता भोजन छोड़कर क्यों उठ खड़े हुए? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए। **[CBSE 2017]**

उत्तर– शेख अयाज़ के पिता नहाकर कुएँ से लौटे। माँ ने भोजन परोसा। उन्होंने जैसे ही रोटी का कौर तोड़ा वैसे ही उनकी नज़र बाजू पर पड़ी वहाँ काला चींटा रेंग रहा था। वे तुरंत भोजन छोड़ उठ खड़े हुए और बोले कि मैंने इस चींटे को बेघर कर दिया है। अब मैं इसे छोड़ने उसके घर जा रहा हूँ।

4. अभी हाल में दुनिया के कई हिस्सों में मौसम की भीषण मार देखने को मिली है और जलवायु से जुड़े कई रिकार्ड टूटे हैं। इस पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

उत्तर– आज जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया में प्राकृतिक आपदाएँ बढ़ रही हैं परंतु लोग दूसरों के दुःख से प्रभावित नहीं हो रहे, उनसे सरोकार नहीं रखते। समाज में सहानुभूति की कमी हो गई है। लोगों को एकजुट होकर पृथ्वी के पर्यावरण को बचाने के लिए, संरक्षित रखने के लिए प्रयास करना चाहिए। सदैव दूसरों के दुःख को अपना समझकर काम करना चाहिए।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. सुलेमान की उदारता का वर्णन कीजिए।

उत्तर– ईसा से 1025 साल पूर्व सोलोमेन (सुलेमान) नामक एक राजा हुए हैं। ये मानव जाति के साथ-साथ पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं सबके बादशाह थे। वे उनकी भाषा समझते थे। उनमें उनके प्रति करुण भावना थी। एक बार वह अपने काफ़िले के साथ कहीं जा रहे थे कि घोड़ों की टापों की आवाज़ सुनकर चींटियाँ एक-दूसरे से बोलीं, अपने बिल में छिप जाओ फ़ौज आ रही है। सुलेमान उनकी बात सुनकर रुक गए और चींटियों से बोले कि तुम मत घबराओ। खुदा ने मुझे तुम सबका रखवाला बनाया है। चींटियों ने उनके लिए ईश्वर से दुआ की और फिर सुलेमान ने अपना काफ़िला आगे बढ़ाया। इससे पता चलता है कि उसने उन चींटियों पर कितनी उदारता का परिचय दिया है।

2. 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि बढ़ती हुई आबादी का पशु-पक्षियों और मनुष्यों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? इसका समाधान क्या हो सकता है? **[CBSE 2018]**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

उत्तर– आज बढ़ती आबादी का परिणाम सबसे अधिक हमारे पर्यावरण पर हो रहा है। बढ़ती आवास की समस्या से निपटने के लिए मानव ने समुद्र की लहरों तक को सीमित कर दिया है। समुद्र के रेतीले तटों को भी मानवों ने नहीं छोड़ा है वहाँ पर भी इनसानों ने बस्ती बसा दी है। आसपास के जंगल काट-काटकर नष्ट कर डाले हैं। पेड़ों को रास्तों से हटा दिया। परिणामस्वरूप पशु-पक्षी के लिए आवास ही नहीं बचे हैं। प्राकृतिक आपदाएँ दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। कहीं भूकंप, कहीं बाढ़, कहीं तूफ़ान, कभी गर्मी, कभी तेज़ वर्षा इनके कारण कई बीमारियाँ हो रही हैं। इस तरह बढ़ती आबादी के असंतुलन का जन जीवन तथा पर्यावरण पर गहरा प्रभाव पड़ा है। इन सबसे निपटने का एक ही उपाय है समाज में आबादी के प्रति जागरूकता लाना। नागरिकों को इसके दुष्परिणामों को समझाना और इसे रोकने के उपायों के प्रति भी जागृति फैलाना। इसके साथ ही सीमित संसाधनों के उपयोग के बारे में बताना भी अति आवश्यक है। पर्यावरण मानव और जीव-जंतु के लिए कितना अहम है इस ओर से युद्ध स्तर पर प्रयास होने चाहिए।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

पतझर में टूटी पत्तियाँ

13

रवींद्र केलेकर (1925–2010)

– अभ्यास हेतु प्रश्न –

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. गिन्नी के सोने में सोने के अलावा अन्य कौन-सा धातु मिला होता है?

(क) शीशा (ख) तांबा

(ग) पीतल (घ) स्टील

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

2. पाठ के आधार पर बताइए कि गांधीजी के पीछे देश क्यों गया?

(क) उनकी आदर्शवादिता लोगों को अच्छी लगी।

(ख) उनके सिद्धांत और नीतियाँ देशहित में थीं।

(ग) वह समाजवाद के प्रचारक थे।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

3. टी-सेरेमनी को जापान में क्या कहा जाता है?

(क) चा-ना-यू (ख) ची-झियान

(ग) चा-नो-यी (घ) चा-ची-यू

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

4. टी-सेरेमनी में कितने लोगों को प्रवेश मिलता है?

(क) दो (ख) तीन

(ग) चार (घ) दस

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. लेखक के अनुसार कौन-सा काल सत्य है?

(क) वर्तमान काल

(ख) भूतकाल

(ग) भविष्य काल

(घ) सर्व काल

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

6. गांधीजी कभी आदर्शों को किसके स्तर पर उतरने नहीं देते थे?

(क) सामाजिकता के स्तर पर

(ख) व्यावहारिकता के स्तर पर

(ग) स्वार्थ के स्तर पर

(घ) व्यावसायिक स्तर पर

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

7. बखान अगर आदर्शों का नहीं होता, तो किसका होता है?

(क) सामाजिकता का (ख) व्यावहारिकता का

(ग) गिन्नी का (घ) शुद्ध सोने का

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

8. जापान के बारे में एक मित्र ने क्या पूछा?

(क) यहाँ के लोगों में काम करने की कितनी क्षमता होती है?

(ख) यहाँ के लोगों में आपस में कितना प्रेम है?

(ग) यहाँ के लोगों को कौन-सी बीमारियाँ अधिक होती हैं?

(घ) जापान के लोगों के जीवन की रफ़्तार कैसी है?

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

9. लेखक के अनुसार जापानी लोगों को अधिक मानसिक बीमारियाँ क्यों अधिक होती है?

(क) क्योंकि जापान का पर्यावरण बहुत दूषित है।

(ख) जापान में सभी सिर्फ़ आराम करते हैं।

(ग) यहाँ जीवन की रफ़्तार बहुत अधिक है।

(घ) वहाँ के लोग अपने में ही बड़बड़ाते रहते हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

10. लेखक के लिए वास्तविक आनंद क्या है?

(क) भूतकाल में जीना

(ख) अपनी पुरानी बातों को याद करना

(ग) अपने भविष्य के बारे में सोचना

(घ) वर्तमान में जीना

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

11. चंद लोगों के अनुसार गांधीजी 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' थे। कैसे?

(i) क्योंकि वे व्यावहारिकता को पहचानते थे।

(ii) साथ ही इसकी कीमत भी जानते थे।

(iii) कभी आदर्शों को व्यावहारिकता के स्तर पर उतरने नहीं देते थे।

(iv) गांधी शुद्ध सोने के समान थे।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

(क) (i), (ii)   (ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv)   (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

12. व्यावहारिक लोग हमेशा जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं। कैसे?

(i) क्योंकि वे व्यवहार कुशल होते हैं।
(ii) हमेशा सजग रहते हैं।
(iii) लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं।
(iv) क्योंकि वे खरा सोना होते हैं।

(क) (i), (ii)   (ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv)   (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

13. चाय वाले 'चाजीन' ने लेखक और उनके मित्र का स्वागत कैसे किया?

(i) उन्हें देखते ही कमर झुकाकर प्रणाम किया।
(ii) फिर हाथ पकड़ कर उन्हें अंदर ले गया।
(iii) फिर चाय का आर्डर लिया।
(iv) दो-झो-(आइए, तशरीफ़ लाइए) कहकर स्वागत किया।

(क) (i), (ii)   (ख) (ii), (iv)
(ग) (i), (iv)   (घ) (ii), (iii)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

14. चाय पीते-पीते लेखक के दिमाग से भूत और भविष्य दोनों क्यों उड़ गए? अब उनके सामने क्या था?

(i) केवल भूतकाल की यादें थीं।
(ii) सिर्फ़ आँखों में भविष्य के सपने थे।
(iii) केवल वर्तमान क्षण था।
(iv) वह अनंतकाल जितना विस्तृत था।

(क) (i), (ii)   (ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv)   (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

15. लेखक के लिए वास्तविक सत्य क्या है?

(i) वास्तविक सत्य वर्तमान में जीना है।
(ii) जो घट चुका है उसको याद करना।
(iii) जो आने वाला है उसके बारे में सोचना।
(iv) जो सामने घटित हो रहा है।

(क) (i), (ii)
(ख) (i), (iv)
(ग) (ii), (iii)
(घ) (iii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

गद्यांश 1

गांधी जी कभी आदर्शों को व्यावहारिकता के स्तर पर उतरने नहीं देते थे। बल्कि व्यावहारिकता को आदर्शों के स्तर पर चढ़ाते थे। वे सोने में ताँबा नहीं बल्कि ताँबे में सोना मिलाकर उसकी कीमत बढ़ाते थे। इसलिए सोना ही हमेशा आगे आता रहता था। व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं। लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं। वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं। खुद ऊपर चढ़ें और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें, यही महत्त्व की बात है। यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने किया है। समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों जैसा कुछ है तो वह आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है। व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है।

1. गद्यांश के आधार पर बताइए कि व्यवहारवादी लोगों पर लेखक ने किस प्रकार का आरोप लगाया है?

(क) समाज में व्यवहार को बढ़ावा देने का
(ख) समाज में आदर्शों को नष्ट करने का
(ग) समाज के पतन का
(घ) समाज में व्यवहार के रूप में आदर्शों को स्थापित करने का

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. व्यवहारवादी लोग अन्य लोगों से आगे क्यों रहते हैं? उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) वे हमेशा सचेत रहते हैं।
(ii) वे हमेशा लाभ-हानि का मूल्य लगाकर काम करते हैं।
(iii) वे हमेशा स्वयं की सफलता के लिए कार्य करते हैं।
(iv) व्यवहारवादी लोग समाज के बारे में सोचते हैं।

(क) (i), (ii)
(ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv)
(घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

3. गांधी जी का हमेशा क्या प्रयास रहता था?

(क) सोने का मूल्य बना रहे।
(ख) आदर्शों का मूल्य कम न हो।
(ग) व्यवहार आदर्शों से आगे रहें।
(घ) जीवन में लोग आदर्शों को अपनाएँ।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

4. **लेखक समाज के लिए कैसे लोगों को उपयोगी मानता है?**

(क) जो आदर्शों को महत्व देते हैं और समाज को सही दिशा प्रदान करते हैं।

(ख) जो स्वयं प्रगति करते हैं और दूसरों को भी प्रगति के अवसर प्रदान करते हैं।

(ग) जो सोने और ताँबे दोनों का मूल्य समझते हैं।

(घ) जो हमेशा सजग रहकर कार्य करते हैं।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**

कथन (A): समाज के समस्त मूल्य व्यवहारवादी लोगों का दिया हुआ है।

कारण (R): आदर्शवादी लोग समाज को पतन की ओर ले जाते हैं।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

गद्यांश 2

चाय तैयार हुई। उसने वह प्यालों में भरी। फिर वे प्याले हमारे सामने रख दिए गए। वहाँ हम तीन मित्र ही थे। इस विधि में शांति मुख्य बात होती है। इसलिए वहाँ तीन से अधिक आदमियों को प्रवेश नहीं दिया जाता। प्याले में दो घूँट से अधिक चाय नहीं थी। हम ओठों से प्याला लगाकर एक-एक बूँद चाय पीते रहे। करीब डेढ़ घंटे तक चुसकियों का यह सिलसिला चलता रहा। पहले दस-पंद्रह मिनट तो मैं तो उलझन में पड़ा। फिर देखा, दिमाग की रफ़्तार धीरे-धीरे धीमी पड़ती जा रही है। थोड़ी देर में बिलकुल बंद हो गई। मुझे लगा, मानो अनंतकाल में मैं जी रहा हूँ। यहाँ तक कि सन्नाटा भी मुझे सुनाई देने लगा। अकसर हम या तो गुज़रे हुए दिनों की खट्टी-मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते हैं। हम या तो भूतकाल में रहते हैं या भविष्यकाल में। असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चला गया है, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण, वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था। और वह अनंतकाल जितना विस्तृत था। जीना किसे कहते हैं, उस दिन मालूम हुआ। झेन परंपरा की यह बड़ी देन मिली है जापानियों को।

1. **लेखक के अनुसार कौन-सा पल हमारे लिए महत्वपूर्ण है?**

(क) जो घट चुका है

(ख) जो घटने वाला है

(ग) जो इस क्षण चल रहा है

(घ) ये सभी

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. **चाय पीते-पीते लेखक किस अवस्था में पहुँच जाता है?**

(क) निद्रा की अवस्था में (ख) ध्यान की अवस्था में

(ग) ज्ञान की अवस्था में (घ) अचेत अवस्था में

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

3. **झेन परंपरा की बड़ी देन से किस प्रकार की समस्या से मुक्त हुआ जा सकता है?**

(क) कान संबंधी रोग

(ख) मन संबंधी रोग

(ग) हृदय संबंधी रोग

(घ) ये सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

4. **लेखक के अनुसार हम किस प्रकार की बातों में स्वयं को उलझाए रखते हैं?**

(क) वर्तमान के रंगीन सपनों की ओर तथा भविष्य की सुनहरी यादों की ओर

(ख) वर्तमान में जीना और भविष्य के लिए काम करना

(ग) भूतकाल की यादों में जीना और भविष्य के सुनहरे स्वप्न देखना

(घ) भूतकाल को प्रेम करना और वर्तमान के महत्व को नकार देना

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

5. **निम्नलिखित कथन** (A) **तथा कारण** (R) **को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**

कथन (A): हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है।

कारण (R): वर्तमान अनंतकाल जितना विस्तृत होता है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. लेखक लोगों को किस काल में जीने की सलाह देते हैं और क्यों?

उत्तर– लेखक लोगों को वर्तमान काल में जीने की सलाह देते हैं। यही सत्य है।

2. टी-सेरेमनी में चाय बनाने वाले को जापानी में क्या कहते हैं?

उत्तर– टी-सेरेमनी में चाय बनाने वाले को जापानी में चाजीन कहते हैं।

3. 'झेन परंपरा' क्या है?

उत्तर– टी-सेरेमनी झेन परंपरा कहलाती है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. आदर्शवादी लोग क्यों महत्त्वपूर्ण होते हैं?

उत्तर– आदर्शवादी लोग अपने साथ-साथ अन्य लोगों का भी उद्धार करते हैं। वे सबकी सोच का परिष्कार करते हैं और समाज को ऐसे शाश्वत मूल्य देते हैं जिनसे समाज का उत्थान होता है।

2. औरतें किस सोने के गहने बनवाती हैं और क्यों?

उत्तर– गिन्नी के सोने में थोड़ा-सा ताँबा मिलाया जाता है। इसलिए वह ज़्यादा चमकता है और शुद्ध सोने से मज़बूत भी होता है तभी औरतें अकसर सोने के गहने बनवा लेती हैं।

3. शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँबे से क्यों की गई है? 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' पाठ के आधार पर लिखिए। **[CBSE 2017]**

उत्तर– पाठ में शुद्ध आदर्श की तुलना शुद्ध सोने से की गई है क्योंकि जिस प्रकार शुद्ध सोना गिन्नी के सोने की अपेक्षा अधिक मूल्यवान होता है, उसी प्रकार शुद्ध आदर्श भी व्यावहारिकता की अधिकता वाले कथित आदर्शों से अधिक उपयोगी होते हैं जबकि ताँबे में ये खूबियाँ नहीं होतीं और न ही वह सोने की तरह मूल्यवान होता है। इसी कारण ताँबे की तुलना व्यावहारिकता से की गई है।

4. आशय स्पष्ट कीजिए– 'यहाँ के अस्सी फ़ीसदी लोग मनोरुग्ण हैं।' साथ ही आज की परिस्थिति में बढ़ती मानसिक बीमारी के कारणों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर– इस कथन का आशय है कि अधिकतर लोग मानसिक रूप से अशांत और तनावग्रस्त हैं। 'झेन की देन' पाठ के अनुसार, लोग भूत की चिंता और भविष्य की कल्पनाओं में खोकर वर्तमान को जीना भूल जाते हैं। यही मानसिक रोगों की जड़ है। अधिक प्रतिस्पर्धा, तकनीकी जीवनशैली और आत्म-संतुलन की कमी भी मानसिक रोग बढ़ा रहे हैं।

5. 'झेन की देन' पाठ में लेखक ने भूत और भविष्य की चिंता छोड़ वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी है। इस विषय पर आपके क्या विचार हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। **[CBSE 2024]**

उत्तर– 'झेन की देन' पाठ में दी गई सलाह तर्कसंगत है। भूत की चिंता और भविष्य की कल्पना हमारे मन को विचलित करती है। वर्तमान में जीकर ही हम शांति, सफलता और संतुलन पा सकते हैं। यही झेन दर्शन की मूल भावना है—हर क्षण में पूर्णता को महसूस करना। वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना ही सार्थक जीवन का मार्ग है।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. लेखक ने काल के किस रूप को मिथ्या कहा है और क्यों?

उत्तर– लेखक ने काल के भूत एवं भविष्य दोनों रूपों को मिथ्या कहा है क्योंकि भूत बीत चुका है और चाहकर भी उसे बदला नहीं जा सकता। ठीक इसी प्रकार, भविष्यत् काल आया ही नहीं है और भविष्यत् काल की रूपरेखा हमारे वर्तमान काल पर निर्भर करती है। इसलिए लेखक काल के इन दोनों रूपों को मिथ्या कहते हैं।

2. आपके अनुसार समाज में 'आदर्शवाद' और 'व्यवहारवाद' में से कौन ज़्यादा महत्त्वपूर्ण है? अपने विचार लिखिए।

उत्तर– आदर्शवादियों को अधिक महत्त्व दिया जाता है क्योंकि आदर्शवादियों का महत्त्व इस बात में है कि वे स्वयं भी ऊपर उठते हैं तथा औरों को भी ऊपर उठाते हैं। वे ही समाज को कुछ शाश्वत मूल्य दे जाते हैं। इसके विपरीत व्यवहारवादी उन्हें कहा गया है जो अपने हानि-लाभ के आधार पर ही व्यवहार करना उचित मानते हैं। वे न कोई सिद्धांत मानते हैं और न कोई आदर्श। ऐसे लोग जैसे-तैसे उन्नति करने को ही महत्त्व देते हैं। गांधी जी आदर्शवादी थे। वे किसी भी मुश्किल में क्यूँ न रहे हों किंतु उन्होंने अपने आदर्श नहीं छोड़े। इसलिए समाज के पास जो शाश्वत मूल्य हैं वे आदर्शवादियों की ही देन हैं। इसलिए आदर्शवाद महत्त्वपूर्ण है।

3. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चला गया है, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था। और वह अनंत काल जितना विस्तृत था।

(i) गद्यांश में किन दो कालों के बारे में बात की गई है और उनकी क्या विशेषता है?

(ii) लेखक ने किस काल को सत्य माना है और क्यों?

(iii) गद्यांश से लेखक क्या समझाना चाहता है?

[CBSE 2017]

उत्तर– (i) गद्यांश में भूतकाल एवं भविष्यत काल के बारे में बात की गई है। उनकी विशेषता स्वरूप दोनों को मिथ्या बताया गया है।

(ii) लेखक ने मात्र वर्तमान काल को सत्य माना है क्योंकि वर्तमान क्षण ही उसके सामने होता है।

(iii) गद्यांश के माध्यम से लेखक समझाना चाहता है कि इनसान को तनाव रहित जीवन जीने के लिए मात्र वर्तमान काल में ही जीना चाहिए।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

कारतूस

14

हबीब तनवीर (1923–2009)

– अभ्यास हेतु प्रश्न –

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।

1. वज़ीर अली की तुलना इनमें से किसके साथ की गई है?

(क) शेखचिल्ली से (ख) क्लाइव लॉइड से
(ग) रॉबिनहुड से (घ) सआदत अली से

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. वज़ीर अली को गिरफ़्तार करने के लिए किस अधिकारी ने जंगल में डेरा डाला था?

(क) लॉर्ड क्लाइव (ख) कर्नल जर्गर
(ग) कर्नल कालिंज (घ) मेजर निक्सन

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. किसके बुलाने पर वज़ीर अली कोलकाता नहीं जाना जाता था?

(क) कर्नल कालिंज (ख) सआदत अली
(ग) नवाब साहब (घ) गवर्नर जनरल

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

4. सआदत अली कौन था?

(क) कोलकाता का नवाब (ख) अवध का नवाब
(ग) ग्वालियर का राजा (घ) अंग्रेज़ों का पिछलग्गू

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. कर्नल ने उससे मिलने आए सिपाही को कितने कारतूस दिए?

(क) दो कारतूस (ख) पाँच कारतूस
(ग) दस कारतूस (घ) बीस कारतूस

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

6. कर्नल कालिंज का ख़ेमा किस स्थान पर लगा था?

(क) चंबल के जंगल में
(ख) गोरखपुर के जंगल में
(ग) पाटलिपुत्र के जंगल में
(घ) कश्मीर की घाटी में

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

7. कर्नल को वज़ीर अली के अफ़साने सुन किसके कारनामें याद आ रहे थे?

(क) सियाकत अली के (ख) रॉबिनहुड के
(ग) मंगल पांडे के (घ) नज़ाकत अली के

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

8. कर्नल कालिंज से लेफ़्टीनेंट ने किसके बारे में पूछा?

(क) नज़ाकत अली (ख) सआदत अली
(ग) खिलाफ़त अली (घ) सियाकत अली

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

9. वज़ीर अली कहाँ का नवाब था?

(क) बंगाल का नवाब
(ख) दिल्ली का नवाब
(ग) पाटलिपुत्र का नवाब
(घ) अवध का नवाब

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

10. अफ़गानिस्तान को हिंदुस्तान पर हमले की दावत सबसे पहले किसने दी?

(क) टीपू सुल्तान ने
(ख) शमसुद्दौला ने
(ग) वज़ीर अली ने
(घ) रॉबिनहुड ने

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

11. जंगल के खेमे में कर्नल और लेफ़्टीनेंट किसके बारे में बातें कर रहे हैं?

(i) वज़ीर अली जिसनें अंग्रेज़ों की नाक में दम कर रखा है।
(ii) जिसे देखकर उन्हें रॉबिनहुड की याद आ जाती है।
(iii) कंपनी ने उस वकील के बारे में जिसे वज़ीर अली ने मारा था।
(iv) एक भारतीय सैनिक के बारे में।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)
(ग) (iii), (iv) (घ) (i), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

12. सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाने के पीछे अंग्रेज़ों का क्या मकसद था?

(i) क्योंकि सआदत अली उनका दोस्त है और ऐश पसंद आदमी भी।

(ii) उसने अपनी आधी जायदाद दे दी और दस लाख रुपए नगद भी।

(iii) वो गद्दार था।

(iv) अंग्रेज़ों के दुश्मन के साथ जा मिला था।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

13. कर्नल के अनुसार वज़ीर अली की क्या स्कीम थी?

(i) वह किसी तरह अफ़गानिस्तान पहुँचना चाहता था।

(ii) वह किसी तरह नेपाल पहुँचकर अपनी ताकत बढ़ाना चाहता था।

(iii) सआदत अली को उसके पद से हटाकर खुद अवध पर कब्ज़ा करना चाहता था।

(iv) अफ़गानिस्तान जाकर अपनी ताकत की आजमाइश करना चाहता था।

(क) (i), (ii) (ख) (iii), (iv)

(ग) (ii), (iv) (घ) (iii), (i)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

14. कर्नल के सवाल पूछने पर घुड़सवार आने का क्या उद्देश्य बताता है?

(i) उसे कारतूस चाहिए।

(ii) वह वज़ीर अली को गिरफ़्तार करना चाहता है।

(iii) वह अंग्रेज़ों के साथ दोस्ती चाहता है।

(iv) वह वज़ीर अली को पकड़वाने में उनकी मदद करना चाहता है।

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (i), (iii) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

15. सवार के वापस जाने के बाद जब लेफ़्टीनेंट अंदर आकर कर्नल से पूछता है कि वो कौन था? कर्नल ने क्या जवाब दिया?

(i) एक निडर सिपाही (ii) एक जाँबाज सिपाही

(iii) एक लुटेरा (iv) एक राही

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii)

(ग) (iii), (iv) (घ) (ii), (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

गद्यांश 1

लेफ़्टीनेंट – मगर सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाने में क्या मसलहत थी?

कर्नल – सआदत अली हमारा दोस्त है और बहुत ऐश पसंद आदमी है इसलिए हमें अपनी मुमलिकत (जायदाद, दौलत) दे दी और दस लाख रुपये नगद। अब वो भी मज़े करता है और हम भी।

लेफ़्टीनेंट – सुना है कि वज़ीर अली अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे-ज़मा को हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत (आमंत्रण) दे रहा है।

कर्नल – अफ़गानिस्तान को हमले की दावत सबसे पहले असल में टीपू सुल्तान ने दी फिर वज़ीर अली ने भी उसे दिल्ली बुलाया और फिर शमसुद्दौला ने भी।

लेफ़्टीनेंट – कौन शमसुद्दौला?

कर्नल – नवाब बंगाल का निस्बती (रिश्ते) भाई। बहुत ही खतरनाक आदमी है।

लेफ़्टीनेंट – इसका तो मतलब ये हुआ कि कंपनी के खिलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है।

कर्नल – जी हाँ, और अगर ये कामयाब हो गई तो बक्सर और प्लासी के कारनामे धरे रह जाएँगे और कंपनी जो कुछ लार्ड क्लाइव के हाथों हासिल कर चुकी है, लार्ड वेल्जली के हाथों सब खो बैठेगी।

1. अंग्रेज़ों ने सआदत को अवध के तख़्त पर बिठाया उसके पीछे क्या कारण था?

(क) अंग्रेज़ों का दोस्त होने के कारण

(ख) अंग्रेज़ों का गुलाम होने के कारण

(ग) अंग्रेज़ों को अपनी आधी दौलत देने के कारण

(घ) अंग्रेज़ी अफसर से अपनी बेटी की शादी करवाने के कारण

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर बताइए कि सआदत अली कैसा व्यक्ति था? (मूल्यपरक प्रश्न)

(क) चापलूस (ख) धोखेबाज़

(ग) लालची (घ) ये सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

3. **वज़ीर अली ने अंग्रेज़ों को भारत से निकालने के लिए अफ़गानिस्तान के बादशाह को न्योता दिया था। यह करना उचित क्यों नहीं था? (मूल्यपरक प्रश्न)**

(क) क्योंकि इससे भारत आज़ाद नहीं होता।

(ख) क्योंकि वह दूसरे देश का गुलाम हो जाता।

(ग) क्योंकि इस योजना में बहुत-सी कमियाँ थीं।

(घ) विकल्प 'क' और 'ख' दोनों

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

4. **'हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ने से'- प्रस्तुत पंक्ति के माध्यम से लेफ़्टीनेंट क्या कहना चाहता है?**

(क) भारतीय अंग्रेज़ों को समाप्त करना चाहते हैं।

(ख) भारतीय अंग्रेज़ी शासन को समाप्त करना चाहते हैं।

(ग) भारतीय अंग्रेज़ों से व्यापार समाप्त करना चाहते हैं।

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

5. **निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**

कथन (A): सआदत अली तख्त पर बैठने योग्य था।

कारण (R): उसने अपनी जायदाद और दौलत अंग्रेज़ों को दे दी थी।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (ख) है।**

गद्यांश 2

कर्नल – अपने जानिसारों समेत आज़मगढ़ की तरफ़ भाग गया। आज़मगढ़ के हुक्मरां ने उन लोगों को अपनी हिफ़ाज़त में घागरा तक पहुँचा दिया। अब ये कारवाँ इन जंगलों में कई साल से भटक रहा है।

लेफ़्टीनेंट – मगर वज़ीर अली की स्कीम क्या है?

कर्नल – स्कीम ये है कि किसी तरह नेपाल पहुँच जाए। अफ़गानी हमले का इंतेजार करे, अपनी ताकत बढ़ाए, सआदत अली को उसके पद से हटाकर खुद अवध पर कब्ज़ा करे और अंग्रेज़ों को हिंदुस्तान से निकाल दे।

लेफ़्टीनेंट – नेपाल पहुँचना तो कोई मुश्किल नहीं, मुमकिन है कि पहुँच गया हो।

कर्नल – हमारी फ़ौजें और नवाब सआदत अली खाँ के सिपाही बड़ी सख्ती से उसका पीछा कर रहे हैं। हमें अच्छी तरह मालूम है कि वो इन्हीं जंगलों में है। (एक सिपाही तेज़ी से दाखिल होता है।)

कर्नल – *(उठकर)* क्या बात है?

गोरा – दूर से गर्द उठती दिखाई दे रही है।

कर्नल – सिपाहियों से कह दो कि तैयार रहे *(सिपाही सलाम करके चला जाता है)*

लेफ़्टीनेंट – *(जो खिड़की से बाहर देखने में मसरूफ़ था)* गर्द तो ऐसी उड़ रही है जैसे कि पूरा एक काफ़िला चला आ रहा हो मगर मुझे तो एक ही सवार नज़र आता है।

1. **'जानिसारों' से कर्नल का क्या अभिप्राय है?**

(क) सगे-संबंधी

(ख) देशभक्त

(ग) जान छिड़कने वाले

(घ) मुट्ठी भर सेवक

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

2. **वज़ीर अली ने आजमगढ़ जाना ही क्यों चुना होगा? उचित विकल्प का चयन कीजिए।**

(i) उसे उनके राजा पर विश्वास था कि वे मदद करेंगे।

(ii) उसे युद्ध में सहायता नहीं मिल पाती।

(iii) उस जगह से नेपाल सटा था।

(iv) वह जंगल में पकड़ा जा सकता था।

(क) (i) और (ii)

(ख) (ii) और (iii)

(ग) (i) और (iii)

(घ) (i) और (iv)

उत्तर– **सही विकल्प (ग) है।**

3. **कौन-सा विकल्प वज़ीर अली की योजना का भाग नहीं था?**

(क) सुरक्षित नेपाल पहुँच जाना और नेपाल में अफ़गानी हमले की प्रतीक्षा करना

(ख) सआदत अली को हटाकर स्वयं अवध पर शासन करना

(ग) आजमगढ़ के साथ वैवाहिक संबंध स्थापित करना

(घ) अंग्रेज़ों को भारत से बाहर खदेड़ना

उत्तर– **सही विकल्प (क) है।**

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

4. **लेफ़्टीनेंट को किस बात पर संदेह था?**
   (क) वज़ीर अली अभी भी आजमगढ़ में हो।
   (ख) वज़ीर अली अभी भी घागरा के जंगलों में हो।
   (ग) वज़ीर अली नेपाल जाने के रास्ते में ही हो।
   (घ) वज़ीर अली नेपाल पहुँच गया हो।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

5. **निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए।**
   कथन (A): वज़ीर अली की योजना क्या है?
   कारण (R): योजना है कि वह किसी तरह नेपाल पहुँच जाए।
   (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
   (ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।
   (ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।
   (घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर– **सही विकल्प (घ) है।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।

1. वज़ीर अली को कितना वज़ीफ़ा तय किया गया था?

उत्तर– वज़ीर अली के लिए सालाना तीन लाख रुपया वज़ीफ़ा तय किया गया था।

2. वज़ीर अली ने पाँच महीने के शासनकाल में क्या विशेष कार्य किया?

उत्तर– वज़ीर अली ने पाँच महीने के शासनकाल में अंग्रेज़ी शासन के प्रभाव को पनपने नहीं दिया।

3. कर्नल ने किसको सवार पर नज़र रखने के लिए कहा?

उत्तर– कर्नल ने अपने सिपाहियों को सवार पर नज़र रखने के लिए कहा।

4. 'कारतूस' पाठ में सआदत अली को किस प्रकार का व्यक्ति बताया गया है? **[CBSE 2017]**

उत्तर– 'कारतूस' पाठ में सआदत अली को देशद्रोही, मौकापरस्त तथा निहायत ऐश पसंद व्यक्ति कहा गया है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए।

1. 'बक्सर' और 'प्लासी' के कारनामों से यहाँ क्या अभिप्राय है?

उत्तर– 'बक्सर' और 'प्लासी' इन दोनों युद्धों में अंग्रेज़ों ने हिंदुस्तान के बड़े हिस्सों को अपने अधीन करने में सफलता पाई थी। इन युद्धों का नेतृत्व लॉर्ड क्लाइव ने किया था।

2. कंपनी शासन के खिलाफ़ किस-किस ने विद्रोह किया?

उत्तर– कंपनी शासन के खिलाफ़ दक्षिण में टीपू सुल्तान, बंगाल में नवाब भाई शमसुद्दौला, अफ़गानिस्तान में बादशाह शाहे-ज़मा ने विद्रोह किया।

3. अंग्रेज़ी लोककथाओं में प्रचलित चरित्र रॉबिनहुड और वज़ीर अली के चरित्र का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए।

उत्तर– रॉबिनहुड और वज़ीर अली दोनों अन्याय के विरुद्ध लड़ने वाले विद्रोही नायक हैं। रॉबिनहुड अमीरों से लूटकर ग़रीबों की मदद करता है, जबकि वज़ीर अली अंग्रेज़ी शासन के ख़िलाफ़ विद्रोह करता है। दोनों समाज में न्याय स्थापित करना चाहते हैं, परंतु रॉबिनहुड लोककथाओं का पात्र है, वहीं वज़ीर अली ऐतिहासिक रूप से प्रमाणित चरित्र है।

4. सआदत अली खाँ में देशप्रेम का अभाव था, स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– सआदत अली खाँ में देशप्रेम का अभाव था क्योंकि उसने वज़ीर अली को हटाकर स्वयं नवाब बनने के लिए अंग्रेज़ों से संधि की। उसने सत्ता के लोभ में अपने देश और जनता के हितों की उपेक्षा की, जिससे स्पष्ट होता है कि उसमें निजी स्वार्थ अधिक था, राष्ट्रभक्ति नहीं।

निबंधात्मक प्रश्न

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

1. हिंदुस्तान के राजाओं की आपसी फूट का लाभ अंग्रेज़ों ने कैसे उठाया? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– हिंदुस्तान के राजाओं की आपसी फूट का लाभ अंग्रेज़ों ने खूब उठाया। जैसे सआदत अली के बारे में बताया कि वह आसिफ़-उद्-दौला का भाई है और वज़ीर अली का और उसका दुश्मन। जिससे वज़ीर अली की पैदाइश को सआदत अली ने अपनी मौत का ख्याल समझा। अंग्रेज़ों ने सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने का कारण यह बताया कि वह हमारा दोस्त है और बहुत ऐश पसंद आदमी है इसलिए हमें अपनी आधी जायदाद-दौलत दे दी और दस लाख रुपये नकद। अब वह भी मज़े करता और हम अंग्रेज़ भी। ईस्ट इंडिया कंपनी अंग्रेज़ों की थी। यह व्यापार करने के लिए भारत आई थी पर धीरे-धीरे यहाँ का शासन हथियाती चली गई। उसका मकसद था हिंदुस्तान के राजाओं में फूट डालना और अपना साम्राज्य स्थापित करना।

2. सआदत अली को अवध की गद्दी पर बिठाने के पीछे अंग्रेज़ों की क्या मंशा और नीयत थी? समझाइए।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

उत्तर– सआदत अली अवध के नवाब आसिफ़-उद्-दौला का भाई था। उसका सपना था कि वह निःसंतान आसिफ़-उद्-दौला के बाद अवध का नवाब बन जाए, लेकिन वज़ीर अली के पैदा होते ही सआदत अली के सारे सपने टूट गए। उसने वज़ीर अली को गद्दी से हटाने के लिए अंग्रेज़ों के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा। स्वयं अंग्रेज़ भी वज़ीर अली को गद्दी से हटाना चाहते थे क्योंकि वज़ीर अली अंग्रेज़ों का कट्टर शत्रु था। दूसरी तरफ़ सआदत अली अंग्रेज़ों के लिए उनके हाथों की कठपुतली की तरह था। उसने अवध का नवाब बनते ही आधा अवध तथा दस लाख रुपये कंपनी को दे दिए थे। अतः अप्रत्यक्ष रूप से अवध पर कंपनी का आधिपत्य स्थापित करने के उद्देश्य से अंग्रेज़ों न सआदत अली को अवध की गद्दी पर बिठाया।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

संचयन—भाग 2

1. हरिहर काका
2. सपनों के-से दिन
3. टोपी शुक्ला

हरिहर काका

मिथिलेश्वर (1950)

1

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40–50 शब्दों में लिखिए।

1. हरिहर काका और लेखक दोनों ही ठाकुरबारी जाना पसंद नहीं करते थे। क्यों?

उत्तर– हरिहर काका को ठाकुरबारी के महंत एवं अन्य साधु-संतों का चरित्र बिलकुल पसंद नहीं था। वे सभी लोग काम-काज करने की बजाय ठाकुरबारी में लगने वाले भोग से छककर पेट-पूजा करने में यकीन रखते थे। उन्हें न तो भक्ति-पूजा से कोई सरोकार था और न ही ठाकुरबारी के अनुशासन से। वे बस दिन भर बैठकर बातें बनाते और खाते। इसी कारण सीधे-सादे हरिहर काका और लेखक दोनों ठाकुरबारी जाना पसंद नहीं करते थे।

2. गाँव में नेता जी के हरिहर काका की ज़मीन को लेकर दिए गए प्रस्ताव और उसके प्रभाव की विवेचना कीजिए।

उत्तर– गाँव में एक नेता जी हैं, उनके पास राजनीति की जादुई छड़ी है। जब नेता जी को हरिहर काका के बारे में पता चलता है तब वे प्रस्ताव रखते हैं कि उनकी ज़मीन में 'हरिहर उच्च विद्यालय' नाम से एक हाई स्कूल खोला जाए। इससे उनका नाम अमर हो जाएगा। उनकी ज़मीन का सही उपयोग होगा और गाँव के विकास के लिए एक स्कूल मिल जाएगा। लेकिन हरिहर काका के ऊपर तो अब कोई भी दूसरा रंग चढ़ने वाला नहीं था। नेता भी निराश होकर लौट आते हैं।

3. हरिहर काका के जीवन के अनुभवों से हमें क्या सीख मिलती है? पाठ के आधार पर कोई दो सीख लिखिए। **[CBSE 2019]**

उत्तर– हरिहर काका के जीवन के अनुभवों से हमें पहली सीख यह मिलती है कि संबंधों में किसी भी प्रकार का लालच या स्वार्थ नहीं आने देना चाहिए। दूसरी सीख यह मिलती है कि धार्मिक अंधविश्वास के नाम पर किसी के बहकावे में आकर कोई गलत निर्णय नहीं लेना चाहिए।

4. आज शहरी एवं ग्रामीण जीवन में अकेलापन एक आम समस्या हो गई है। इससे कैसे मुक्त हुआ जा सकता है। 'हरिहर काका' पाठ के संदर्भ में युक्तियुक्त उत्तर दीजिए।

उत्तर– यह बात सत्य है कि आज शहरी एवं ग्रामीण जीवन में लोगों को अकेलापन का दंश झेलना पड़ रहा है। यदि परिवार और समाज रूपी संस्था को मजबूत किया जाए तो लोग परस्पर एक दूसरे का ध्यान रखेंगे। हमें सामाजिक और पारिवारिक मूल्यों में विश्वास करना होगा और अपने-अपने जीवन में अमल भी करना पड़ेगा। आज लोग स्वार्थी और आत्मकेंद्रित होते जा रहे हैं जिसके कारण लोगों को एकाकी जीवन जीना पड़ता है। हमें अपने आस-पास के प्रति जागरूक होना पड़ेगा और इस सामाजिक बदलाव के लिए पहल करना पड़ेगा।

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए।

1. हरिहर काका ने अपने भाइयों की ज़बरदस्ती का विरोध क्यों किया? क्या उनका विरोध सही था? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– हरिहर काका ने अपने भाइयों की ज़बरदस्ती का विरोध इसलिए किया क्योंकि वह भोले-भाले व्यक्ति नहीं अपितु ज्ञानी हो गए थे और उनकी आँखें खुल गई थीं कि उनके भाइयों ने उनसे कहा कि अगर ज़मीन हमारे नाम नहीं करेंगे तो उन्हें मौत के घाट उतार दिया जाएगा और गाँववालों को कोई खबर नहीं होगी। इसलिए हरिहर काका ने जान लिया कि वे भाई भी कितने स्वार्थी हैं। अब वह धमकी से नहीं घबराते थे। वह रमेसर की विधवा की तरह नहीं मरना चाहते थे। जिसे शुरू में आदर-सम्मान दिया गया फिर वृद्धावस्था में भूखा रखा जाता था। इस बात को याद कर हरिहर काका को क्रोध आ गया और वे चिल्लाते हुए बोले कि मैं अकेला हूँ, तुम सब इतने हो तो ठीक है मुझे मार दो। तभी भाइयों ने उन्हें कसकर पकड़ा और मुँह में कपड़ा ठूँस दिया। अतः बंधनमुक्त होने पर पुलिस की सुरक्षा पाने के बाद उन्होंने बताया कि उनके भाइयों ने जायदाद के लिए उनके साथ बहुत जुल्म किए हैं।

2. गाँव की अपेक्षा ठाकुरबारी का अधिक विकास कैसे हुआ? समझाइए।

उत्तर– लेखक के गाँव में ठाकुरबारी एक विशाल मंदिर है। इस संबंध में एक मान्यता है कि वर्षो पहले यहाँ एक संत आकर इस स्थान पर झोंपड़ी बनाकर रहने लगे। वे सुबह-शाम ठाकुर जी की पूजा करते थे। लोगों से माँगकर कुछ खा लेते थे और लोगों के द्वारा लिए चंदे से ठाकुर जी का एक छोटा मंदिर बनवा दिया। जैसे–जैसे गाँव की आबादी बढ़ती गई मंदिर का विस्तार होता गया। गाँव की पहचान ठाकुरबारी

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

से होने लगी। लोगों को ठाकुर जी से गहरा लगाव था और लोग मनौती माँगते थे और मन्नत पूरी होने पर खुशी से ठाकुरबारी को रूपये-पैसे और जेवर आदि दान करते थे और साथ ही ज़्यादा किसी को खुशी मिलती तो ज़मीन का कुछ भाग ठाकुरबारी के नाम कर देते जिसका परिणाम यह हुआ ठाकुरबारी का विकास हज़ार गुणा अधिक हुआ। ठाकुरबारी के नाम 20 बीघे खेत थे और एक समिति थी जिसका मुख्य काम लोगों के अंदर ठाकुर जी के प्रति भक्ति भावना पैदा करना था।

3. हरिहर काका महंत या अपने भाइयों की राय क्यों नहीं मानना चाहते थे? **[CBSE 2019]**

उत्तर– हरिहर काका निम्नलिखित तीन कारणों से महंत या अपने भाइयों की राय नहीं मानना चाहते थे -

- उन्हें गाँव के ऐसे लोगों की दुर्दशा का ज्ञान था जिन्होंने अपनी जमीन जीते-जी दान दे दी अथवा सगे-संबंधियों को लिख दी।
- उन्हें यह आशंका थी कि जमीन लिख देने के बाद वे दाने-दाने को मोहताज हो जाएँगे। जैसा कि उसी गाँव में रमेसर की विधवा के साथ हुआ।
- हरिहर काका की जमीन ही उनके जीवन का सहारा था। वे भी लिख देते तो उनका भविष्य अंधकारमय हो जाता।

4. संयुक्त परिवार में सुखपूर्वक रहने के लिए आप किन-किन जीवन-मूल्यों को आवश्यक मानते हैं और क्यों? 'हरिहर काका' पाठ के आलोक में उत्तर दीजिए। **[CBSE 2016]**

उत्तर– संयुक्त परिवार में सुखपूर्वक रहने के लिए आवश्यक है कि सभी सदस्य आपसी प्रेम, स्नेह तथा बड़ों को आदर देना जैसे मूल्यों को सर्वोपरि समझें। उनमें एक-दूसरे के सुख-दुख को समझने तथा विपरीत परिस्थितियों में एक-दूसरे का साथ निभाने की प्रवृत्ति होनी चाहिए। हरिहर काका का संयुक्त परिवार तभी बिखरा, जब परिवार के सदस्यों को संपत्ति के लालच ने घेर लिया। स्वार्थवश पहले तो काका की पूरी आवभगत की गई तथा मान-सम्मान भी दिया गया, परंतु जैसे ही भाइयों के स्वार्थ-सिद्धि के मार्ग में बाधा आई, उन्होंने अपने नकली मुखौटे उतार दिए। सहनशीलता, प्रेम तथा आदर समाप्त हो गए और काका उपेक्षा के शिकार बन गए। इसका लाभ महंत, नेता आदि ने उठाया परंतु जब उनका भी स्वार्थ सिद्ध नहीं हुआ तो काका को सभी पक्षों ने दुत्कार दिया और वे अकेले रहने को विवश हो गए। उनके संयुक्त परिवार का विघटन हो गया।

5. 'रहस्यात्मक और भयावनी खबरों से गाँव का आकाश आच्छादित हो गया है। दिन-प्रतिदिन आतंक का माहौल गहराता जा रहा है।' हरिहर काका पाठ से उद्धृत लेखक के इस कथन की संदर्भ सहित विवेचना कीजिए।

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

6. 'हरिहर काका' कहानी की पृष्ठभूमि ग्रामीण जीवन पर आधारित है, जिसमें पारिवारिक संबंधों के निःस्वार्थ प्रेम के स्थान पर बढ़ती स्वार्थ-लिप्सा को दर्शाया गया है। क्या यह कहानी शहरी जीवन के यथार्थ को भी उजागर करती है? तर्क सहित स्पष्ट कीजिए। **[CBSE 2023]**

उत्तर– हाँ, 'हरिहर काका' कहानी मुख्य रूप से ग्रामीण जीवन पर आधारित है, लेकिन यह शहरी जीवन की सच्चाइयों को भी उजागर करती है। इसमें पारिवारिक संबंधों में बढ़ती स्वार्थ-लिप्सा और नैतिक मूल्यों के क्षरण को दिखाया गया है, जो केवल गाँवों तक सीमित नहीं है, बल्कि शहरी समाज में भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

- **स्वार्थ की प्रधानताः** हरिहर काका का परिवार उनके प्रति स्नेह दिखाने के बजाय संपत्ति के लालच में उनसे छल करता है। शहरी जीवन में भी लोग अपने स्वार्थ के लिए रिश्तों को दरकिनार कर देते हैं, जहाँ भौतिक सुख-सुविध ाओं की खोज में पारिवारिक भावनाएँ कमजोर पड़ जाती हैं।
- **परिवारिक मूल्यों का ह्रासः** कहानी में दिखाया गया है कि पारिवारिक संबंधों में प्रेम और आदर की जगह स्वार्थ ने ले ली है। शहरी समाज में भी लोग करियर और व्यक्तिगत सफलता के पीछे भागते हुए परिवार से दूर हो रहे हैं, जिससे संयुक्त परिवारों की परंपरा टूटती जा रही है।
- **सामाजिक परिवर्तनः** गाँवों में भी शहरी जीवनशैली और आधुनिक सोच का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे नैतिक मूल्यों में गिरावट आ रही है। शहरी समाज में यह समस्या और गहरी है, जहाँ प्रतिस्पर्धा और आत्मकेंद्रितता के कारण लोग भावनात्मक रूप से अलग-थलग हो रहे हैं।

इस प्रकार, 'हरिहर काका' केवल ग्रामीण समाज की कहानी नहीं है, बल्कि यह शहरी जीवन की कटु वास्तविकताओं को भी दर्शाती है। यह कहानी हमें पारिवारिक मूल्यों और आपसी संबंधों के महत्त्व को समझने की प्रेरणा देती है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

सपनों के-से दिन

गुरदयाल सिंह (1933–2016)

2

– अभ्यास हेतु प्रश्न –

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40–50 शब्दों में लिखिए।

1. 'सपनों के-से दिन' पाठ से लगता है कि तब विद्याालयों में अनुशासन का पालन कठोरता से करवाया जाता था। फिर भी पी.टी. सर पीतमचंद को काम से क्यों निकलवा दिया गया? कोई दो कारण लिखिए। **[CBSE 2019]**

उत्तर– (i) पी.टी. सर पीतमचंद बच्चों के साथ अनुशासन के नाम पर अत्यंत कठोर व्यवहार किया करते थे।

(ii) वे चौथी कक्षा के छात्रों को फ़ारसी पढ़ाते थे। फ़ारसी के शब्द रूप नहीं याद करने पर उन छोटे-छोटे बच्चों को भी ज़रा-सी गलती पर कठोर शारीरिक दंड देते थे।

2. 'सपनों के-से दिन' कहानी में वर्णित स्कूली-जीवन और आज के स्कूली-जीवन में क्या अंतर है? लिखिए।

उत्तर– कहानी के अनुसार छात्र विद्यालय जाना ही नहीं चाहते क्योंकि विद्यालयों के अनाकर्षण पठन-पाठन का ढंग उन्हें लुभाने में सक्षम नहीं था। विद्यालय में दी गई दिशाहीन शिक्षा और अध्यापकों का अत्यधिक कड़ा स्वभाव छात्रों को विद्यालय जाने से विमुख करता था। छात्र विद्यालय न जाने के बहाने ढूँढ़ते थे, परंतु आज स्थिति बिलकुल बदल गई है। छात्रों को अपने भविष्य और आज के विषय में विशेष चिंता है। विद्यालय जाना और जाकर हर विषय का भरपूर ज्ञान पाना उनका लक्ष्य है। खेल और मनोरंजन भी इस लक्ष्य के साथ जुड़े रहते हैं।

3. छुट्टियों के पहले और अंतिम दिनों में क्या अंतर है?

उत्तर– छुट्टियों के पहले और अंतिम दिनों में निम्नलिखित अंतर हैं—पहले दो-तीन सप्ताह तो खूब खेल-कूद हुआ करते। हर साल माँ के साथ ननिहाल जाते और वहाँ नानी खूब दूध-दही, मक्खन खिलाती, बहुत प्यार करती तथा वहाँ एक तालाब था जहाँ हम नहाते और नानी जी से माँगकर खाने लगते। फिर छुट्टियाँ बीतने लगतीं तो प्रत्येक दिन डर बढ़ता जाता और खेल-कूद और तालाब में नहाना भी भूलने लगते। मास्टरों ने जो छुट्टियों में काम दिया होता उसका हिसाब लगाने लगते कि दस सवाल रोज़ निकाले तो बीस दिन में पूरे हो जाएँगे। किंतु खेल-कूद में और दिन बीत जाते। स्कूल की पिटाई का डर और बढ़ने लगता है।

4. स्मृतियाँ सदैव सुखद होती है। 'सपनों के-से दिन' पाठ में लेखक ने अपनी स्मृतियों को साझा किया है। आप भी इस प्रकार की कोई स्मृति साझा कर बताइए कि वह आपको क्यों अच्छी लगती है?

उत्तर– मुझे गर्मियों की छुट्टियों की वह स्मृति बहुत प्रिय है जब मैं अपने दादी-नानी के घर जाता था। वहाँ पूरे परिवार के साथ मिलकर खाना बनाना, खेलना और कहानियाँ सुनना बहुत अच्छा लगता था। वह सरल, निश्छल जीवन और अपनों का साथ आज भी मुझे खुशी और सुकून देता है, इसलिए वह स्मृति मुझे बेहद प्रिय है। (*अन्य उत्तर भी स्वीकार्य*)

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए।

1. "स्कूल हमारे लिए ऐसी जगह न थी जहाँ खुशी से भागे जाएँ" फिर भी लेखक और साथी स्कूल क्यों जाते थे? कोई तीन कारण लिखिए। **[CBSE 2019]**

उत्तर– लेखक और साथी स्कूल इसलिए जाते थे क्योंकि

(i) यदि वे सभी परेड करते समय अच्छा करेंगे तो पी.टी. सर शाबाशी देंगे। उनकी शाबाशी पाने की लालसा सभी छात्रों के मन में रहती थी।

(ii) स्काउट की परेड करते समय नीली-पीली झंडियों को ऊपर-नीचे करते समय लेखक एवं साथियों को आनंद की अनुभूति होती थी।

(iii) स्कूल के अंदर रास्ते के दोनों ओर खड़े अलियार की झाड़ियों से सौंधी महक छात्रों को बहुत अच्छा लगता था।

2. 'कोई सात साल स्कूल में रहा तो एक कारण पुरानी किताबें मिल जाना भी था। कापियों, पैंसिलों, होल्डर या स्याही-दवात में भी मुश्किल से एक-दो रुपये साल भर में खर्च हुआ करते। परंतु उस ज़माने में एक रुपया भी बहुत बड़ी 'रकम' हुआ करती थी।' सपनों के से दिन पाठ से उद्धृत लेखक के इस कथन का आज के संदर्भ में विवेचना कीजिए।

उत्तर– 'सपनों के-से दिन' पाठ में लेखक ने उस समय की सादगी और आर्थिक सीमाओं को दर्शाया है, जब एक रुपया भी बहुत मूल्यवान होता था। आज के समय में चीज़ें महँगी हो

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

गई हैं और एक रुपए का महत्त्व लगभग समाप्त-सा हो गया है। अब किताबें, पेन, कॉपियाँ आदि सब महँगे हो गए हैं। यह बदलाव समय, जीवनशैली और बाज़ार की प्रवृत्तियों को दर्शाता है। लेखक की बात आज की भौतिकता और उपभोक्तावादी सोच पर विचार करने को प्रेरित करती है।

3. सपनों के-से दिन में स्कूल की छुट्टियों का वर्णन किया गया है। क्या आज के बच्चे भी अपनी स्कूल की छुट्टियाँ उसी प्रकार व्यतीत करते हैं? अपने अनुभव को सरल शब्दों में लिखिए।

उत्तर– सपनों के-से दिन में छुट्टियाँ गाँव, मेले और अपनों के साथ बिताई जाती थीं। आज भी बच्चों को छुट्टियाँ बहुत पसंद होती हैं, लेकिन अब ज़्यादातर बच्चे छुट्टियों में घूमने, टीवी देखने या मोबाइल पर समय बिताते हैं। मैं छुट्टियों में अपने ननिहाल जाता हूँ, वहाँ पर भाई-बहनों के साथ खेलना और कहानियाँ सुनना बहुत अच्छा लगता है। हालाँकि समय बदल गया है, पर छुट्टियों की खुशी आज भी उतनी ही खास होती है। (*अन्य उत्तर भी स्वीकार्य*)

4. 'सपनों के-से दिन' पाठ में अंग्रेज़ों द्वारा गाँव के लोगों को सेना में भरती करने के लिए नौटकी का सहारा। लिया गया। वर्तमान समय में प्रचार-प्रसार के साधनों में, तरीकों में क्या अंतर आया है? **[CBSE 2024]**

उत्तर– 'सपनों के-से दिन' पाठ में अंग्रेज़ों ने लोकनाट्य जैसे पारंपरिक माध्यमों से लोगों को सेना में भरती करने के लिए भावनात्मक प्रभाव डाला। आज प्रचार के लिए टीवी, मोबाइल, सोशल मीडिया जैसे डिजिटल साधन प्रयुक्त होते हैं। पहले व्यक्तिगत और सांस्कृतिक अपील होती थी, जबकि आज तकनीकी, व्यापक आर तेज़ तरीकों से सूचनाएँ फैलती हैं। दोनों युगों की विधियाँ अलग हैं।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

टोपी शुक्ला

3

राही मासूम रज़ा (1927–1992)

— अभ्यास हेतु प्रश्न —

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40–50 शब्दों में लिखिए।

1. बुद्धिमान होते हुए भी टोपी नवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया। इस घटना का दोष उसकी पारिवारिक स्थितियों को दिया जाए या शिक्षा व्यवस्था को? कोई दो तर्क सम्मत विचार दीजिए। **[CBSE 2019]**

उत्तर– इसका दोष पारिवारिक स्थितियों को दिया जाना चाहिए क्योंकि

- जब टोपी पढ़ना चाहता था तो उसके भाई और माँ उसे कोई न कोई कार्य करने को कहते थे।
- उसके छोटे भाई-बहन उसकी किताबें फाड़ दिया करते थे जिससे वह ठीक तरह से पढ़ नहीं पाता था।

2. दादी ने करबला या नजफ़ जाने से क्यों इनकार कर दिया?

उत्तर– इफ़्फ़न की दादी पूरब से आई थीं। उन्हें अपनी बोली एवं अपने प्रदेश से बहुत प्रेम था और ससुराली उर्दू का वातावरण पसंद न था। उसमें उन्हें अपनी आत्मा कैद सी लगती। वे अंतिम समय तक अपने मायके के बारे में सोचकर खुश होती थीं। इसलिए अंतिम समय में उन्होंने नजफ़ या करबला जाने से इनकार कर दिया और अपने मायके के घर जाने की इच्छा प्रकट की।

3. टोपी ने इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात क्यों कही?

उत्तर– टोपी ने इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात इसलिए कही क्योंकि इफ़्फ़न की दादी बहुत नेक-दिल महिला थीं। टोपी उन्हें बहुत चाहता था। घर में 'अम्मी' शब्द कहने पर टोपी को डाँट पड़ती है। उसकी पिटाई भी होती है। उसकी दादी बात-बात पर उसे डाँटती रहती है; जबकि इफ़्फ़न की दादी हमेशा उसे प्यार करती थी। टोपी की माँ रामदुलारी और इफ़्फ़न की दादी व टोपी ग्रामांचल की बोली बोलते हैं जिसमें अपनापन व मिठास है; जबकि दोनों परिवार के अन्य सभी लोग इस बोली के पक्षधर नहीं हैं। इसलिए टोपी इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात करता है।

4. भारत एक बहुधार्मिक समाज वाला देश है। सामाजिक सद्भाव के लिए 'टोपी शुक्ला' पाठ आपको कैसे मदद करता है?

उत्तर– 'टोपी शुक्ला' पाठ हमें यह सिखाता है कि धार्मिक भिन्नताओं के बावजूद दोस्ती, आपसी समझ और सहिष्णुता से सामाजिक सद्भाव संभव है। टोपी और उसके मित्र के रिश्ते यह दर्शाते हैं कि इंसानियत धर्म से ऊपर होती है। यह पाठ पूर्वाग्रह हटाकर एकजुटता की प्रेरणा देता है।

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए।

1. 'टोपी शुक्ला' कहानी भारतीय समाज के लिए कैसे लाभकारी हो सकती है? तर्क सहित किन्हीं तीन विचारों को लिखिए। **[CBSE 2019]**

उत्तर– टोपी शुक्ला कहानी सामाजिक सौहार्द, सांप्रदायिक एकता एवं आपसी भाईचारे का संदेश देती है। इससे भारतीय समाज निम्नलिखित तरीके से लाभान्वित हो सकता है :

- सामाजिक समरसता और सांप्रदायिक एकता लोगों को संगठित करता है। एक संगठित राष्ट्र ही शक्तिशाली राष्ट्र होता है। इस प्रकार यह राष्ट्र निर्माण में सहायक है।
- आज समाज में आपसी सौहार्द की कमी होती जा रही है। समय-समय पर कई सांप्रदायिक विवाद होते रहे हैं। इस तरह की कहानी सांप्रदायिक विवादों को रोकने में सहायक होगी।
- टोपी शुक्ला कहानी के पात्र सहिष्णुता बढ़ाने में भी सहायक साबित होंगे।

2. टोपी की पढ़ाई में क्या-क्या बाधाएँ आती थीं?

उत्तर– टोपी की पढ़ाई में निम्न बाधाएँ आती थीं–

- जब भी टोपी पढ़ने बैठता था तभी मुन्नी बाबू को कोई-न-कोई काम निकल आता।
- रामदुलारी भी उससे चीज़ें मँगवाती थी।
- दूसरे साल उसे टाइफ़ायड हो गया।
- तीसरे साल पिता चुनाव के लिए खड़े हुए, घर में पढ़ाई का माहौल न रहा परंतु टोपी ने निश्चित कर लिया था कि वह हर हाल में पास होकर दिखाएगा। नवीं कक्षा में वह थर्ड डिवीज़न में पास हो गया।

3. 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर बताइए कि भाषाई एकता मानवीय संबंधों की वाहक है।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

उत्तर– मित्रता और आत्मीयता जाति और भाषा के बंधनों से परे होते हैं। यह बात 'टोपी शुक्ला' पाठ से स्पष्ट हो जाती है। टोपी की मित्रता एक अन्य धर्म के लड़के इफ़्फ़न से हो जाती है। दोनों का धर्म तथा भाषा आदि अलग-अलग हैं। फिर भी दोनों को एक-दूसरे के बिना चैन नहीं है। टोपी को अपने मित्र की दादी से काफ़ी लगाव है। उसे अपने मित्र की दादी अपनी दादी से अच्छी लगती हैं। उनसे उसका मन तथा विचार मिलते हैं। वह उनके साथ ज़्यादा-से-ज़्यादा समय बिताना चाहता है। उसे जो प्यार अपने घर में मिलना चाहिए था, वह उसे अपने मित्र, उसकी दादी व अपने घर की नौकरानी से पाना चाहता है। इफ़्फ़न की दादी की भाषा से टोपी को अपनापन लगता था, जिससे वह उनकी ओर खिंचा चला जाता था।

4. इफ़्फ़न और टोपी शुक्ला की मित्रता भारतीय समाज के लिए किस प्रकार प्रेरक है? जीवन-मूल्यों की दृष्टि से अपने शब्दों में उत्तर दीजिए। **[CBSE 2018]**

उत्तर– इफ़्फ़न और टोपी शुक्ला अलग-अलग मजहब के होते हुए भी एक दूसरे से प्रेमरूपी अटूट बंधन में बँधे हुए थे। एक का जन्म हिंदू परिवार में तो दूसरे का मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनकी दोस्ती में धर्म कभी आड़े नहीं आया। टोपी को इफ़्फ़न की दादी से भी विशेष लगाव था। इफ़्फ़न की दादी के मरने के बाद तो टोपी को इफ़्फ़न का घर सूना-सूना लगता था। दोनों का रिश्ता जाति और धर्म से परे प्यार के धागे से बँधा था। यहाँ पर लेखक ने यह समझाने का प्रयास किया है कि जब रिश्ते प्रेम से बँधे होते हैं तब धर्म, मजहब सभी बेमानी हो जाते हैं। उनकी मित्रता भारतीय समाज को एक प्रेरणा देती है कि भाई-भाई का धर्म निभाने के लिए एक ही मजहब का होना ज़रूरी नहीं है यदि आपसी प्यार, सामंजस्य हो तो हम पराए को भी अपना बना सकते हैं।

5. हरिहर काका पाठ के मुख्य पात्र 'हरिहर काका' और टोपी शुक्ला पाठ का मुख्य पात्र 'टोपी' के एकाकीपन का तुलनात्मक विश्लेषण अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर– हरिहर काका का एकाकीपन उनके अपने परिवार द्वारा की गई उपेक्षा, लालच और स्वार्थ की उपज है। वे जीवन के उत्तरार्ध में अपनों से ही धोखा खाते हैं और अकेले पड़ जाते हैं। वहीं टोपी का अकेलापन सामाजिक, धार्मिक और वैचारिक द्वंद्व का परिणाम है। वह समाज की परंपराओं और सोच से जूझते हुए भीतर से अकेला होता है। हरिहर काका प्रतिरोध करते हैं, जबकि टोपी आत्ममंथन करता है। दोनों पात्र समाज की संवेदनहीनता और अस्वीकार की पीड़ा को दर्शाते हैं, लेकिन उनकी परिस्थितियाँ और सोचने का दृष्टिकोण अलग है।

6. इफ़्फ़न का अपनी दादी से विशेष लगाव होने के क्या कारण थे? टोपी शुक्ला कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **[CBSE 2023]**

उत्तर– इफ़्फ़न को अपनी दादी से विशेष लगाव था क्योंकि इफ़्फ़न और उसका मित्र टोपी मानसिक रूप से बिल्कुल अकेले थे, ऐसे में इफ़्फ़न की दादी से दोनों बच्चों को खूब प्रेम मिला। उसी प्रेम की वजह से दोनों की आपसी मित्रता बहुत मज़बूत हो गई थी। दादी का स्वभाव बहुत ही स्नेहपूर्ण, समझदारी से युक्त और बच्चों के प्रति दयालु था, जिससे इफ़्फ़न को उनमें अपनी माँ जैसा अपनापन महसूस होता था। दादी बच्चों की भावनाओं का समझती थीं और उन्हें अकेलापन महसूस नहीं होने देती थीं। इसलिए इफ़्फ़न को अपनी दादी से बहुत गहरा और आत्मीय लगाव हो गया था।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

खंड 'घ'
लेखन

- पत्र-लेखन (औपचारिक पत्र)
- अनुच्छेद-लेखन
- सूचना-लेखन
- विज्ञापन-लेखन
- लघुकथा-लेखन
- ई-मेल लेखन

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025

पत्र-लेखन, अनुच्छेद-लेखन, सूचना-लेखन, विज्ञापन-लेखन, लघुकथा-लेखन एवं ई-मेल लेखन स्व-चिंतन, वाक्-कौशल एवं कल्पनाशक्ति पर आधारित हैं। अतः इनके अभ्यास विद्यार्थी स्वयं करें।

© Ratna Sagar P. Ltd., 2025